प्रातःनागपुरी

आपकी बात, निर्भीकता के साथ

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 2, अंक : 69 रांची, मंगलवार, 18 फरवरी, 2025 (फाल्गुन कृष्ण 06, संवत 2081) पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये, email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

ज्ञानेश कुमार होंगे देश के अगले मुख्य चुनाव आयुक्त, आज संभालेंगे पद

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई बैठक में अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। मौजूदा सीईसी के रिटायरमेंट के बाद वह पदभार ग्रहण करेंगे। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी पिछले साल मार्च से चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे हैं। राजीव कुमार आज, 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। अगले सीईसी के तौर पर नियुक्ति के लिए कानून मंत्रालय ने ज्ञानेश कुमार के नाम से अधिसूचना जारी कर दी है। वहीं डॉ विवेक जोशी को नया चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया है।

- पीएम मोदी की अगुवाई वाली मीटिंग में हुआ फैसला
- डॉ विवेक जोशी नियुक्त किए गए चुनाव आयुक्त

आज रिटायर हो जाएंगे राजीव

पीएम मोदी की अध्यक्षता हुई बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इसी पैनल की सिफारिश पर नए सीईसी की नियुक्ति हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नए सीईसी के लिए 5 नामों की सूची दी गई थी। लेकिन राहुल ने नामों पर विचार करने से इनकार कर दिया था।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने डिसेंट नोट जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए यह बैठक नहीं होनी चाहिए थी। वहीं, कांग्रेस ने कहा था- हम अहंकार में काम नहीं कर सकते। बैठक स्थगित करनी थी, ताकि सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला कर सके।

चुनाव नतीजों पर सवालिया निशान लगाना उचित नहीं : राजीव कुमार

विदाई भाषण में विपक्ष पर जमकर बरसे मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने अपने विदाई भाषण में उन्होंने भ्रामक बयान बाजी पर निशाना साधा। विपक्ष का नाम लिए बिना राजीव कुमार ने विपक्ष की कार्यप्रणालियों को लेकर सवालिया निशान लगाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि मतदान या मतगणना के प्रमुख घंटे के दौरान भ्रामक बयान बाजी का चलन तेजी से बढ़ रहा है, तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने की कवायद और मतदाताओं को गुमराह करने के लिए जानबूझकर कार्रवाई

की जा रही है। यह ऐसा प्रयास है, जो स्वस्थ चुनावी परंपराओं के अनुकूल नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव

- चुनावों में ए आई के प्रयोग से लाई जा सकती है क्रांति

प्रक्रिया में सक्रिय और पूर्ण भागीदारी के बाद नतीजे पर सवालिया निशान लगाना उचित नहीं है। यह अवांछनीय है, उन्होंने आयोग की संवैधानिकता का जिक्र करते हुए कहा कि आयोग इस मामले में पूरी तरीके से संवैधानिक संयम का पालन करता है।

शेष पृष्ठ 08 पर

रिम्स में निजी एंबुलेंस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 240 एंबुलेंस जब्त

रांची। झारखंड के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में मौजूद प्राइवेट एंबुलेंस के खिलाफ कार्रवाई की है। प्रशासन ने रिम्स कैंपस में खड़ी 240 एंबुलेंस को जब्त कर लिया गया है। जब्त एंबुलेंस को बरियातू थाना में रखा गया है। एंबुलेंस संचालकों और चालकों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि वह हड़ताल पर चले जाएंगे। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान एंबुलेंस चालक और पुलिसकर्मियों के बीच हल्की झड़प भी हुई। जिसके बाद एंबुलेंस को जब्त करने की कार्रवाई की गई है। प्रशासन का कहना है कि एंबुलेंस की वजह से रिम्स परिसर में जाम का संकट बनता रहता है।

संक्षिप्त

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक 18 फरवरी (मंगलवार) 2025 को अपराह्न 4:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए जा सकते हैं, जो राज्य के विकास और जनहित से जुड़े होंगे। जानकारी के अनुसार, राज्य की आर्थिक स्थिति, बजट योजनाएं और नई परियोजनाओं सहित नई नीतियों पर भी फैसला लिया जा सकता है।

पांच देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय पत्र सौंपे

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में कंबोडिया, मालदीव, सोमालिया, क्यूबा और नेपाल के राजदूतों व उच्चायुक्तों से परिचय पत्र स्वीकार किए। राष्ट्रपति भवन के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु को जिन लोगों ने अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए, उनमें कंबोडिया की राजदूत राथ मेनी, मालदीव की उच्चायुक्त ऐशाथ अजीमा, सोमालिया के राजदूत डॉ. अब्दुल्लाही मोहम्मद ओडोवा, क्यूबा के राजदूत जुआन कार्लोस मार्सन एगुइलेरा और नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा शामिल हैं।

भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

सीधी : मध्य प्रदेश के सीधी जिले में शनिवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां महकुंभ जा रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए गांधी अस्पताल, रीवा और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। खाई 30 फीट से ज्यादा गहरी है। गनीमत रही है कि पत्थर और पेड़ों की वजह से गाड़ी 12 फीट से नीचे जाकर अटक गयी, नहीं तो और लोगों की जान जा सकती थी। हादसा रविवार-सोमवार की देर रात करीब 2 बजे मूड़ा पहाड़ पर हुआ।

आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों की खुली किस्मत, जल्द होंगे रिहा

प्रातः नागपुरी संवाददाता

सीएम हेमंत की अध्यक्षता में हुई झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में बनी सहमति

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में 17 फरवरी को झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक हुई। इसमें राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित नए मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया, जो झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किए गए थे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई के लिए अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया।

मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं अधिकारियों के बीच रिहाई के लिए प्रस्तावित सभी मामलों पर विचार के बाद 37 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

रिहा किए गए कैदियों की गतिविधियों की करें मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन जरूर करें।

शेष पृष्ठ 08 पर

रिहा हुए कैदियों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें : मुख्यमंत्री हेमंत

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहा हुए कैदियों का जीवन यापन सुचारू रूप से चले इस निमित्त उनके लिए आय सृजन की व्यवस्था करें। रिहा हुए कैदियों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

नियुक्तियों की बहार: सीएम हेमंत 289 चयनित अभ्यर्थियों को आज सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित नगर सेवा संवर्ग संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलेगा। चयनित विभाग के गार्डेन अधीक्षक, वेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाईजर, राजस्व निरीक्षक और विधि सहायक के 289 अभ्यर्थियों को काफी जद्दोजहद के बाद मंगलवार 18 फरवरी को नियुक्ति पत्र मिलेगा।

प्रोजेक्ट भवन में आयोजित होने वाले नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेएसएससी द्वारा अनुशंसित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। प्रोजेक्ट भवन के दूसरे तल्ले पर सुबह 11 बजे से आयोजित होने वाले नगर विकास विभाग के नगरीय प्रशासन निदेशालय ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। नगरीय प्रशासन निदेशालय की सहायक निदेशक अंशु कुमारी ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

शेष पृष्ठ 08 पर

फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार, महाकुंभ गए दोस्त की जगह दे रहा था परीक्षा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चतरा। झारखंड अधिविद्य परिषद (जैक बोर्ड) द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट की परीक्षा में एक परीक्षार्थी के स्थान पर दूसरा युवक परीक्षा देते पकड़ा गया। यह मामला राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय केंद्र का है। पकड़ा गया युवक (22 वर्षीय) प्रिंस कुमार हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के जोको गांव का रहनेवाला है। वह चतरा के टंडवा स्थित वनांचल इंटर कॉलेज के परीक्षार्थी रोहित कुमार साव के स्थान पर शनिवार को परीक्षा दे रहा था। वीक्षकों द्वारा जांच में वह पकड़ा गया।

इंटरमीडिएट परीक्षा में पकड़ा गया फर्जी परीक्षार्थी

प्रधानाचार्य सह केन्द्राधीक्षक नीरज कुमार ने जानकारी दी है कि इंटरमीडिएट परीक्षा में जांच के दौरान एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया है। प्रिंस कुमार को टंडवा पुलिस को सौंपते हुए कदाचार के आरोप में मामला दर्ज कराया है।

फर्जी परीक्षार्थी को भेजा गया जेल

जानकारी के अनुसार, परीक्षार्थी रोहित कुमार साव महाकुंभ में स्नान करने के लिए प्रयागराज गया हुआ है। उसके स्थान पर प्रिंस कुमार इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था। थाना प्रभारी उमेश राम ने बताया कि केंद्राधीक्षक के आवेदन के आधार पर परीक्षा में कदाचार का मामला दर्ज कर गिरफ्तार प्रिंस को जेल भेज दिया गया। झारखंड में इन दिनों जैक बोर्ड की मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित की जा रही है।

शेष पृष्ठ 08 पर

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम, होगी बारिश, वज्रपात का येलो अलर्ट जारी

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 19 से 22 फरवरी तक बारिश के आसार

रांची। झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बारिश हो सकती है। 19 फरवरी से झारखंड में बारिश के आसार हैं। 22 फरवरी तक बारिश की संभावना है। गर्जन और बारिश के दौरान वज्रपात भी हो सकता है। इसे लेकर मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी किया है।

18 फरवरी से आसमान में छाया रहेगा बादल

मौसम केंद्र ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि 18 फरवरी से बादल छाया रहेगा। 22 फरवरी तक अलग-अलग हिस्सों में बारिश हो सकती है। 19 फरवरी को दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है।

शेष पृष्ठ 08 पर

एक साल में अयोध्या के राम मंदिर ने बना डाले कई रिकॉर्ड

एजेंसी

- अब कमाई में वैष्णो देवी और साईं शिरडी मंदिर छूटे पीछे

अयोध्या। पिछले साल 22 जनवरी को राम लला अपने भव्य राम मंदिर में विराजमान हुए थे। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को एक साल हो गया है। इन एक सालों में अयोध्या ने कई रिकॉर्ड बना डाले हैं। राम नगरी अयोध्या में रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। चढ़ावे में राम मंदिर ने वैष्णो देवी और शिरडी साईं मंदिर को पीछे छोड़ दिया है। राम मंदिर श्रद्धालुओं की पहली पसंद बनता जा रहा है। अभी एक साल में राम मंदिर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राम मंदिर में इस समय रोजाना लाखों लोग राम लला के दर्शन को अयोध्या पहुंचे रहे हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से अब तक अयोध्या में 13 करोड़ से ज्यादा लोग पहुंचे हैं। भारत के सबसे ज्यादा धनवान मंदिरों में पहले स्थान पर आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर हैं।

शेष पृष्ठ 08 पर

दिल्ली-एनसीआर के बाद बिहार में भी भूकंप से डोली धरती

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के साथ बिहार में भी सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। सुबह 8 बजकर 2 मिनट में बिहार के सीवान में भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। बिहार में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 आंकी गई है।

भूकंप के डर से घर के बाहर निकले लोग

दिल्ली में सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर भूकंप आया था। इसके करीब ढाई घंटे बाद बिहार में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बिहार में आए भूकंप से लोग डर की वजह से अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के झटके हरियाणा, यूपी, बिहार और उत्तराखंड तक महसूस किए गए।

इंतजार खत्म: दिल्ली को 20 फरवरी को मिलेगा नया सीएम

एजेंसियां

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी 19 फरवरी को सरकार बनाने का दावा पेश करेगी। इसके बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में बीजेपी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को होगी।

19 फरवरी को बीजेपी विधायक दल की बैठक

भाजपा ने सोमवार को होने वाली विधायक दल की बैठक को दो दिन बाद के लिए टाल दिया। अब यह बैठक 19 फरवरी को होगी। मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह भी 18 फरवरी के बजाय 20 फरवरी को होगा। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

सीएम पद की दौड़ में ये सबसे आगे

भाजपा ने प्रवेश को नई दिल्ली में आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मैदान में उतारा और केजरीवाल को हराकर वे एक प्रमुख व्यक्ति बन गए। सतीश उपाध्याय सीएम पद के लिए एक और मजबूत दावेदार हैं। वे दिल्ली भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं और दिल्ली युवा विंग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में ये दिग्गज होंगे शामिल

भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री, एनडीए के नेता, केंद्रीय मंत्री, कॉरपोरेट जगत के उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, संत और ऋषि भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि यह समारोह एक भव्य कार्यक्रम होगा, जिसमें दिल्ली के 12,000-16,000 निवासी, विभिन्न देशों के संत, ऋषि और राजनयिक शामिल होंगे। दिल्ली के सीएम पद की दौड़ में कई नाम हैं, जिनमें सबसे प्रमुख नाम प्रवेश वर्मा का है।

शेष पृष्ठ 08 पर

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, संगम रेलवे स्टेशन 28 तक बंद

एजेंसियां

प्रयागराज। भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। अगर भीड़ इसी तरह रही, तो प्रयागराज संगम स्टेशन को आगे भी बंद रखा जा सकता है। इस बाबत डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा है। स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है।

पत्र में कहा गया है कि महाकुंभ-2025 में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों का आगमन हो रहा है, ऐसे में उनके सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवागमन हेतु 17 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक दारागंज से रेल यात्रियों का आवागमन बंद किया जाना आवश्यक है।

इसको लेकर प्रयागराज डीएम रविन्द्र कुमार मांदड़ ने मंडल रेल प्रबंधक से अनुरोध किया है कि उपरोक्त तारीख को दारागंज रेलवे स्टेशन को यात्रियों के आने-जाने के लिए बंद रखा जाए। बता दें कि महाकुंभ क्षेत्र के दारागंज इलाके में संगम रेलवे स्टेशन पड़ता है। यह मेला क्षेत्र के सबसे करीब का रेलवे स्टेसशन है। दरअसल, महाशिवरात्रि से पहले महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंच रही है। शहर के अंदर और बाहर वाहनों की लंबी कतार लग रही है। रविवार को छुट्टी होने की वजह से प्रयागराज और उसके आसपास के इलाकों में जाम भी लगा।

शेष पृष्ठ 08 पर

पेज-9 भी पढ़ें

मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं से की अपील

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अपने वाहन सड़कों पर न पार्क करें और इसके बजाय सभी के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित पार्किंग क्षेत्रों का उपयोग करें।

एक बयान के अनुसार, सीएम ने संतों, आश्रमों और विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों से भी निशुल्क भोजन (भंडारा) और प्रसाद वितरण की अपनी परंपरा को जारी रखने का आह्वान किया, ताकि सभी तीर्थयात्रियों को इन पवित्र प्रसादों का लाभ मिल सके। महाकुंभ में स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाए रखना एक साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करने और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया, ताकि सभी प्रतिभागियों के लिए आध्यात्मिक रूप से समृद्ध और स्वच्छ अनुभव सुनिश्चित हो सके।

दिल्ली भगदड़ के बाद झारखंड में अलर्ट प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष चौकसी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। दिल्ली स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मचने से महाकुंभ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गयी थी। इस घटना के बाद झारखंड पुलिस भी अलर्ट मोड़ पर है। इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर एडीजी अभियान संजय आनन्दराव लाठकर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक किए। इस बैठक में रेल आईजी, डीआईजी सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, रांची, धनबाद, पलामू, बोकारो, गढ़वा, कोडरमा, रामगढ़, जमशेदपुर, चाईबासा जिले के एसएसपी, एसपी के अलावा धनबाद और जमशेदपुर के रेल एसपी भी शामिल हुए। इस दौरान

महाकुंभ मेला को लेकर यात्रियों के आवागमन के मद्देनजर राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए व्यापक रूप से समीक्षा की गई। बैठक के 26 फरवरी तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ मेले को लेकर यात्रियों के यात्रा के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ करने से संबंधित निम्न तथ्यों पर व्यापक रूप से समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये।

Page - 02_Page - 02.qxd 18-02-2025 01:30 Page 1

संक्षिप्त

इटकी अंचल के सीओ ने पुनः संभाला पदभार

इटकी। इटकी अंचल का कार्यभार सीओ मो. अनीश ने सोमवार को पुनः संभाल लिया है। प्रशिक्षु आईएएस आदित्य पाण्डे द्वारा अंचल कार्यालय के प्रभार लेने के बाद सीओ मो. अनीश ने मुख्यालय रांची में अपना योगदान दिया था। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस आदित्य पाण्डे ने दो सप्ताह तक स्वतंत्र रूप से इटकी अंचला धिकारी रूप में कार्यभार संभाल रखे थे। अवधि पूरा होने के बाद आईएएस पाण्डे ने सोमवार को सीओ अनीश को कार्यभार सौंप दिया।

विधायक के प्रयास से लगा चापानल

खूटी। बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे रनियां प्रखंड की जयपुर पंचायत के जापुद जानुमटोली गांव के लोगों के चेहरे पर उस समय मुस्कान लौट आई जब सोमवार को गांव वालों ने सामूहिक रूप से नये चापानल का उद्घाटन किया और इसके लिए विधायक सुदीप गुड़िया का आभार व्यक्त किया। कुछ दिन पहले ही विधायक ने इस गांव का दौरा किया था और ग्रामीणों ने उनके समक्ष गंभीर जल संकट का मामला उठाया था। तब विधायक ने आश्वस्त किया था कि बहुत जल्द गांव में नया चापानल लग जाएगा। विधायक के प्रयास से नया चापानल लग गया और उसका उद्घाटन भी हो गया। अब गांव के लोगों को पीने का स्वच्छ पानी मिलने लगा। इससे गांव वालों में काफी खुशी है और उन्होंने सुदीप गुड़िया को इसके लिए धन्यवाद दिया। चापानल के उद्घाटन के मौके पर कर्म सिंह मुंडा, खुदिया मुंडा, कमल कंडुलना, वीणा कंडुलना, मीना कंडुलना आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

अफीम की अवैध खेती के खिलाफ चला अभियान

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निदेर्शानुसार सोमवार को खूंटी के जमडी, अड़की के बगडी समेत अन्य प्रखंड में जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इस अभियान के दौरान ट्रैक्टर और अन्य संसाधनों की मदद से बड़ी मात्रा में अवैध फसल नष्ट की गई। इस कार्रवाई में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों को अवैध अफीम की खेती से होने वाले कानूनी और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा उन्हें वैकल्पिक और लाभकारी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध अफीम की खेती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलास्तरीय मुखिया सम्मेलन में उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कहा

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने में मुखियाओं की भागीदारी जरूरी

- सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। झारखंड शिक्षा परियोजना, खूंटी के तत्वावधान में सोमवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, खूंटी के सभागार में जिलास्तरीय मुखिया सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना और समाज में शिक्षा के स्तर को सशक्त बनाने को लेकर चर्चा करना था। सम्मेलन का शुभारंभ उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने उपस्थित जन प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील ने पौधा भेंट कर उपायुक्त समेत जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, जिला परिषद उपाध्यक्ष मंजू देवी, उपाध्यक्ष, जिला मुखिया संघ लक्ष्मण टूटी और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए पंचायत स्तर पर मुखिया समेत सभी स्थानीय जन प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुदृढ़ करने में पंचायतों के मुखिया की जिम्मेदारी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह केवल जिला या प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से संभव नहीं है। हमे समन्वय बनाकर पंचायत स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। पंचायत के मुखिया विद्यालयों के सही संचालन पर विशेष निगरानी रखे, वह प्रखंड स्तर पर आयोजित विद्यालय प्रबंधन समिति के बैठक में भी भाग लें। पंचायत स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्रा प्रखंड अंतर्गत लोधम पंचायत की मुखिया मंजुला उरांव, तोरपा प्रखंड की डोड़मा पंचायत की मुखिया अगाथा भेंगरा समेत अन्य मुखिया को मंच पर आमंत्रित कार्य की सराहना करते हुए उपायुक्त द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी समेत के अलावा सभी पंचायत के मुखिया आदि उपस्थित थे।

बायो मेडिकल वेस्ट के उचित निष्पादन की व्यवस्था करें चिकित्सक : डीडीसी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम की अध्यक्षता में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के तहत संचालित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई।

इस दौरान जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाएं, चिकित्सकों की अस्पतालों में उपस्थिति, अस्पतालों की साफ-सफाई, लाभुकों को आयुष्मान कार्ड का लाभ सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही चिकित्सकों सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को चिकित्सकों का नया रोस्टर सूचना पट्ट पर दर्शाने का निर्देश दिया गया। जिला सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में बायो मेडिकल वेस्ट का यथोचित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। निर्देशित किया गया कि सिविल सर्जन, उपाधीक्षक, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को अपने-अपने अस्पताल एवं अस्पताल परिसर को दुरुस्त रखने, स्वच्छता एवं साफ-सफाई पर ध्यान दें। उन्होंने वीएचएसएनडी में सभी कर्मियों को भ्रमण कर सिविल सर्जन को प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा अड़की, रनिया एवं कर्रा में आईपीडी की संख्या को बढ़ाने का निर्देश दिया गया। निर्देशित किया कि जिले में चल रहे मोतियाबिन्द ऑपरेशन की निरंतरता को बनाये रखें।

लूटपाट करने वाले गिरोह की कार जब्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सोनाहातू। पुरुलिया जिले के बागमुंडी थाना अंतर्गत सुईसा ओपी के नावाडीह गांव के समीप मवेशी व्यापारियों से 15 लाख रुपए की लूटपाट करने के बाद भाग रहे गिरोह की कार को सोनाहातू पुलिस ने जब्त किया है।

ग्रामीणों के अनुसार सोनाहातू थाना क्षेत्र के टांगटांग गांव के डोमडा सतीया पर सोमवार दिन के 4 बजे के आसपास सफेद कार से उतर ओर कुछ लोग जंगल की ओर भाग रहे थे। मामले को संदिग्ध समझते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। तब तक काफी संख्या में ग्रामीण कार को घेर लिया था ।बंगाल में लूटपाट करके भाग रहे गिरोह का कार सतिया में फंस गया, जिस कारण उन्हें मजबूरन में कार को छोड़कर भागना पड़ा। इस संबंध में डीएसपी बुंडू ओम प्रकाश ने बताया कि सुईसा ओपी के नावाडीह गांव के समीप मवेशी व्यापारियों से 15 लाख रुपए की लूटपाट करने के बाद भाग रहे गिरोह की स्विफ्ट डिजायर कार जेएच 05 डी क्यू 8866 को ग्रामीणों के सूचना पर जब्त किया गया है ।मामले की छानबीन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि 7 फरवरी को डांगडुंग पुल के समीप हथियार दिखा कर मवेशी व्यापारियों से 7 लाख 85 की लूट हुई थी।

गलत तरीके से मंईयां सम्मान योजना का लाभ लेनेवाली महिलाओं की जांच शुरू

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के अयोग्य और गलत तरीके लाभ लेने वाली महिलाओं से सम्मान राशि वापस ली जायेगी। इसके लिए प्रशासन द्वारा जांच शुरू कर दी है।

उक्त जानकारी देते हुए बीडीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार अयोग्य लाभुकों के जांच के लिए अधिकारियों का एक टीम गठन किया गया है। जांच टीम मुख्यमंत्री मइया सम्मान योजना के मानक एक एक पहलुओं पर अयोग्य लाभुकों का जांच करेंगे उन्होंने चेताया है कि गलत तरीके सम्मान योजना की ली गई राशि को अयोग्य लाभुक समय सीमा पर सरेण्डर कर दे नही तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ सम्मान राशि का वसूली किया जायेगा। उन्होंने बताया कि एक ही बैंक खाता से कई महिलाएं सम्मान योजना लाभ उठाने का मामला सामने आया है इसकी भी गंभीरता पूर्वक जांच की जायेगी। बता दें इटकी प्रखण्ड में मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के 12,635 लाभुक पहुंच चुके है। वैसे महिलाएं इस योजना का लाभ नही ले सकती है जो स्वयं और उसके पति केन्द्र या फिर राज्य सरकार में कार्यरत हैं, विधिक निकाय, शहरी निकाय, स्थानीय निकाय, सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान में नियोजित या सेवानिवृत के बाद पेशन प्राप्त परिवार योजना का लाभ नही उठा सकते है। वर्तमान या पूर्व सांसद विधायक के परिवार की महिलाऐं और आयकर अदा करने वाले महिलाएं भी सम्मान योजना के लाभ के दायरे से बाहर रहेगीं ।

राशि को अयोग्य लाभुक समय सीमा पर सरेण्डर नहीं किया, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ सम्मान राशि की भी होगी वसूली

दो बच्चों का बाप करने जा रहा था शादी मौके पर बच्चों के साथ पहुंची पहली पत्नी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली के देलबेड़ा मंदिर में दो बच्चों का पिता दूसरी शादी की तैयारी में था मगर उसके अरमानों पर पत्नी ने पानी फेर दिया। पत्नी अपने दो बच्चीयों व मायके वालों को लेकर मंदिर पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक सिल्ली के किता गांव निवासी दो बच्चीयों के पिता कालीचरण लोहरा दूसरी शादी की तैयारी में था। ऐन वक्त पर इसकी भनक पहली पत्नी को लग गई जो अपने दोनों बच्ची और मायके वालों को लेकर सीधे देलबेड़ा मंदिर पहुंच कर शादी रुकवाई। जानकारी के मुताबिक रामगढ़ के माडु थाना क्षेत्र के होनहेमोढ़ा नवाडीह गांव निवासी गोवर्धन करमाली की बेटी प्रिया की शादी सिल्ली थाना क्षेत्र के किता गांव निवासी कालीचरण लोहरा से वर्ष 2017 में हुई थी। उनकी दो बेटियां भी हैं, एक 5 वर्ष की तथा दूसरी चार वर्ष की। आरोप है कि पिछले एक वर्ष से कालीचरण लोहरा अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता था। इसकी वजह से दोनों के बीच घर में आए दिन विवाद हुआ करता था। घरेलू कलह बढ़ती जा रही थी। जिससे तंग आकर उनकी पत्नी अपने मायके में रह रही है। इधर कालीचरण ने चुपके-चुपके पश्चिम बंगाल के झालदा थाना क्षेत्र के उदयशुरू गांव में शादी तय कर ली। शादी के लिए सबकुछ तय हो गया था। देलबेड़ा मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के पहुंच भी गए थे। इसी बीच पहली पत्नी के घरवालों को यह सूचना मिल गई। पहली पत्नी के पहुंचने के बाद शादी होने से पहले ही टूट गई। शादी रुकवाने के बाद सिल्ली थाना पहुंचकर प्रिया देवी ने शिकायत की। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस कार्यकर्ता का निधन लोगों ने जताई संवेदना

खूंटी। सड़क दुघटना में गंभीर रूप से घायल खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और फुदी गांव के निवासी अनुज जोजो की सोमवार को इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई। अनुज जोजो के निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकताओं में शोक की लहर दौड़ गई। शोक व्यक्त करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि जब भी अनुज जोजो मिलते थे, काफी गर्मजोशी से मिलते थे। उनके निधन से कांग्रेस को काफी क्षति हुई है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि अनुज जोजो जैसे कार्यकर्ता बहुत मुश्किल से मिलते हैं। वे काफी मृदुभाषी मिलनसार और शांत स्वभाव के थे और संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी से कभी भागते नहीं थे। जोजो के निधन पर प्रदेश सचिव सह जिला सांसद प्रतिनिधि पीटर मुंडू, सहकारिता विभाग के प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन खान, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, जिला प्रवक्ता रविकांत मिश्रा, फुलचंद टूटी, रोंबा गुड़िया, जुलियस कंडुलना आदि शामिल हैं।

अधिक से अधिक लोगों को झामुमो से जोड़ें : विधायक

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि किसी भी संगठन को शक्ति उसके कार्यकर्ता से ही मिलती हैं। संगठन से जितने अधिक लोग जुड़ेंगे, वह संगठन उतना ही मजबूत होगा। आप का भी दायित्व है कि अधिक से अधिक लोगों को झामुमो से जोड़ें और इसे मजबूत बनायें।

विधायक सोमवार को तोरपा प्रखंड की मरचा पंचायत के तुरीगाड़ा गांव में झामुमो के सदस्यता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सदस्यता अभियान के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर विधायक ने कहा कि आप लोगों के आशीर्वाद से मैं विधायक बना हूं और अपकी हर समस्या के समाधान का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि आपके भरोस पर खरा उतरने का मैं हर संभव प्रयास करूंगा।

उन्होंने कहा कि झामुमो का हर कार्यकर्ता आपके सुख-दुःख का साथी है। कभी भी कोई समस्या हो, मुझे सूचना दें, अपकी समस्या का निराकरण होगा। मौके पर झामुमो संयोजक मंडली के सदस्य रूबेन टोपनो, सुरेंद्र, अमरदीप आदि उपस्थित थे। बाद में विधायक ने एसपीजी मध्य विद्यालय तुरीगाड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुछ देर बच्चों को पढ़ाया भी।

आजसू कार्यकर्ता की दिवंगत माता को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे सुदेश महतो व तिवारी महतो

सिल्ली। प्रखंड के डोमन डीह गांव निवासी आजसू पार्टी के रांची जिला सोशल मीडिया प्रभारी नन्द किशोर महतो के माता हेमला देवी की अंतिम संस्कार सोमवार को सिल्ली नदी के डोमन डीह घाट में किया गया। बड़े पुत्र राजकिशोर महतो ने मुखाग्नि किया। उनके छोटे पुत्र नन्द किशोर नाथ सिंह देव, पुत्री रथि देवी, जानकारी देवी, चांदमनी, पुत्र वधु गीता देवी, कल्पना महतो, पोता देवाशीष, विवेक, धिरेन्द्र, नरोत्तम, अमित, महावीर महतो परिजनों, एवं स्थानीय लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर नम आंखों से उन्हें विदाई दी। हेमलाल देवी का निधन बिते रविवार को उनके निवास स्थान डोमनडीह गांव में हुआ था। उनके पार्थिव शरीर को दिनभर लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। जहां पुर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, मांडु विधायक निर्मल महतो, आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह, प्रखंड प्रमुख जितेन्द्र बड़ाईक, चित्तरंजन महतो, संजय सिद्धार्थ, शुशील महतो, विकास महतो समेत स्थानीय लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किया और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके अंतिम संस्कार में स्थानीय जन प्रतिनिधि, व्यवसाई, रिस्तेदार समेत काफी संख्या लोग शामिल हुए।

इटकी के विधानी गांव में पहुंचा पांच हाथियों का झुण्ड, ग्रामीण भयभीत

इटकी। प्रखण्ड के गांवों में जंगली हाथियों उत्पात लगातार जारी है। रविवार की रात पांच जंगली हाथियों का झुण्ड विधानी गांव के निकट पहुंचा और खेतों में लगे फसलों को आहार बनाते हुए रौंद कर बर्बाद कर दिया है। हाथियों के आने की सूचना पर ग्रामीण एक जुट होकर रात भर खदेड़ने में लगे रहे। सोमवार की प्रातः करीब चार बजे ग्रामीण हाथियों को भगाने में सफल रहे। हाथियों का झुण्ड डुमर टोली और हरही गांव होते पुरियो जंगल पहुंचा है जहां दिन भर जंगल में अड्डा जमाये रहे। इस दौरान हाथियों ने गेहूं, आलू , फ्रेच बीन सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। ग्रामीणों ने जानकारी दी कि हाथियों की संख्या पांच है । शाम ढलते ही हाथियों का झुण्ड भूख मिटाने के लिए जंगलों से निकल कर खेतों में पहुंच जाते है और फसलों को रौंद कर या फिर खा कर भारी क्षति पहुंचा रहे है। फिलहाल हाथियों का झुण्ड पुरियो जंगल में अड्डा जमा रखें है। बता दें पिछले करीब एक महीना से हाथियों सालो टोली, सौका, खुटियारी, भंडरा,खम्भा, कुल्ली, रानीडीह,हरही, चिनारो पुरियो सहित अन्य गांव के किसानों खेतों में लगी फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे है जिससे किसानों हजारों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। हाथियों लगातार उत्पात से ग्रामीण त्रस्त हो उठे है। भयभीत ग्रामीण रात जग्गा कर अपनी जानमाल की सुरक्षा में लगे है।

वूशु खिलाड़ी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए चंडीगढ़ रवाना

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज के वूशु खिलाड़ी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप वूशु प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सोमवार को मुरी स्टेशन से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए।कोच वाहिद अली ने बताया कि सभी वूशु खिलाड़ी 22 फरवरी से आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वूशु प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। खिलाड़ीयों के दल में सविता कुमारी, वर्षा रानी, अंजना महतो,त्रिलोचन बेदिया, बुधराम सिंह मुंडा, फनी भूषण बेदिया, फैजल उद्दीन, शशिकांत महतो, मनोज महली, सुमित महतो शामिल हैं। मुरी रेलवे स्टेशन पर सिल्ली कॉलेज सिल्ली की खेल प्रभारी प्रभारी प्रभा सिंह व अन्य लोगों सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया।

अबुआ अधिकार मंच की विचार गोष्ठी संपन्न, हजारों युवाओं ने लिया हिस्सा

बड़ा आंदोलन और बलिदान से मिला है झारखंड, युवा इसे संवारने में आगे आएं: अनुज सिन्हा

प्रातःनागपुरी संवाददाता

रांची। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक अनुज कुमार सिन्हा ने कहा कि लंबे संघर्ष, आंदोलन और शहादत से झारखंड अलग राज्य का गठन हुआ है। युवाओं को इसे संवारने और हर झारखंडी के हक-अधिकार को सुरक्षित और सुनिश्चित करने के लिए आगे आना होगा। युवा अपनी क्षमता और ऊर्जा का बेहतर उपयोग अपने भविष्य को संवारने के साथ-साथ झारखंड के सतत विकास में लगाएं, यही झारखंड के शहीदों के प्रति सच्चा विश्वास और सम्मान होगा।

वे रांची के मैथन हॉल में अबुआ अधिकार मंच द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी 'शहीदों का सपना और युवाओं की भागीदारी' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने झारखंड आंदोलन, धरती पुत्रों के संघर्ष और शहादत पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अलग राज्य गठन के उद्देश्य को समझना चाहिए और विचारों की क्रांति का अलख जगाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की सामाजिक संगठनों में बढ़ती भागीदारी एक अच्छा संकेत है और इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है।

इस विचार गोष्ठी में हजारों की संख्या में युवा उपस्थित रहे और झारखंड के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लिया। अबुआ अधिकार मंच ने झारखंड के विकास के लिए युवाओं की निर्णायक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अपने अभियान को और तेज करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौतम सिंह, नीरज वर्मा, घनश्याम मुंडा, विश्वास उरांव, नीतीश सिंह, अभिषेक शुक्ला, अभिषेक झा, अंशुतोष कुमार, विशाल यादव, गुलाबी मुंडा, नेहा महतो, अभिनाश उरांव, सुमित कुमार, मुदस्सर अंसारी, प्रेम, मनजीत, बी.एस. महतो, ऋषभ आनंद, मनजीत साहू, हरिओम महतो, प्रियांशु शर्मा, राजकुमार महतो, गुंचा कमर, रूफी परवीन, मनीषा महतो, ईशा गुप्ता, सुशील, पंचम, साहिल, सिद्धांत, अमन, मुसाबिर, अंकित, राहुल, अदनान, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राज्य के ज्वलंत मुद्दों को सुलझाने के लिए आगे आएं युवा: सरजीत मिर्धा

झारखंड आंदोलन के प्रमुख सेनानी सरजीत मिर्धा ने झारखंड आंदोलन के दौरान अपने संघर्ष के अनुभव साझा किए और युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे राज्य के ज्वलंत मुद्दों को सुलझाने के लिए सकारात्मक पहल करें। उन्होंने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन की रक्षा के साथ-साथ युवाओं को राज्य में शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए आवाज बुलंद करनी होगी।

शहीदों के सपने को आत्मसात कर नेतृत्व करें युवा: प्रो. विनय भरत

कार्यक्रम में प्रो. विनय भरत ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड शहीदों के बलिदान की देन है और इसे संवारने की जिम्मेदारी अब नई पीढ़ी पर है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नेतृत्वकारी भूमिका में आगे आएं और झारखंड के समग्र विकास के लिए सक्रिय योगदान दें। उन्होंने झारखंड में रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में युवाओं की भागीदारी को जरूरी बताया।

युवा अपने हिस्से का योगदान देने के लिए तत्पर हों: डॉ. रामानुजम

इस अवसर पर डॉ. रामानुजम ने भी अपने विचार रखते हुए युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जब युवा झारखंड के शहीदों के संघर्ष को जानेंगे और पढ़ेंगे, तो वे स्वतः अपने राज्य के विकास और समस्याओं के समाधान में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए युवाओं को अपनी भूमिका तय करनी होगी।

राजनीतिक दलों ने लड़ने भिड़ने वालों का केवल इस्तेमाल किया : घनश्याम मुंडा

सभी राजनीतिक दलों के लड़ने भिड़ने वालो का केवल इस्तेमाल किया है। उन्हें ना राज्य से मतलब ना राज्यवासियों से। युवाओं को आगे आना होगा तो चुनावी भावना से ऊपर उठकर अपने अधिकार की लड़ाई लड़े।

Page - 03_Page - 03.qxd 18-02-2025 02:59 Page 1

संक्षिप्त

राजद ने बुधु भगत और कर्पूरी ठाकुर को दी श्रद्धांजलि

रांची। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश कार्यालय रांची में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर बुधु भगत की जयंती तथा स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर की पुण्यतिथी मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी नेता और कार्यकताओं ने दोनों विभूतियों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर सभी नेताओं ने इन दोनों लोगों के संघर्षों तथा कार्यों को याद करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, महासचिव आबिद अली, युवा राजद प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार, श्रमिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुधीर गोप, वरिष्ठ नेता राजकिशोर सिंह यादव, क्षितिज मिश्रा, चंदन कुमार समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

एचईसी की जमीन पर बढ़ता अतिक्रमण, प्रशासन बेखबर

रांची। रांची के हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचईसी) की जमीन पर अतिक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है, लेकिन प्रबंधन बेबस नजर आ रहा है। धुर्वा इलाके में लोग खाली जमीन पर लोहे की गुमटी, प्लास्टिक के तिरपाल और बांस की बाड़ लगाकर कब्जा कर रहे हैं। अवैध निर्माण का यह खेल रात के अंधेरे में तेजी से हो रहा है। पिछले डेढ़ साल में जगन्नाथ मैदान, एचईसी अस्पताल के आसपास, सेक्टर-2 मार्केट, सेक्टर-3, पंचमुखी मंदिर, धुर्वा बस स्टैंड, जेपी मार्केट, डैम साइड और एचईसी के आवासीय परिसर की खाली जमीन पर अवैध निर्माण में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है हालांकि एचइसी आवासीय क्षेत्र में अवैध निर्माण की शिकायतें प्रबंधन के पास लगातार मिलती रहती हैं, लेकिन मैन पावर की कमी और निगम खराब आर्थिक स्थिति के चलते प्रबंधन कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है।

ग्रीमीणों ने जताया आभार

खूंटी। बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे रनियां प्रखंड की जयपुर पंचायत के जापुद जानुमटोली गांव के लोगों के चेहरे पर उस समय मुस्कान लौट आई जब सोमवार को गांव वालों ने सामूहिक रूप से नये चापानल का उद्घाटन किया और इसके लिए विधायक सुदीप गुड़िया का आभार व्यक्त किया। कुछ दिन पहले ही विधायक ने इस गांव का दौरा किया था और ग्रामीणों ने उनके समक्ष गंभीर जल संकट का मामला उठाया था। चापानल के उद्घाटन के मौके पर कर्म सिंह मुंडा, खुदिया मुंडा, कमल कंडुलना, वीणा कंडुलना, मीना कंडुलना आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड सरकार और टाटा ट्रस्ट्स के बीच महत्वपूर्ण बैठक

रांची : झारखंड सरकार और टाटा ट्रस्ट्स के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राज्य में कैंसर देखभाल को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा के बीच यह बैठक मुंबई में हुई। बैठक में कैंसर उपचार के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता पर जोर दिया गया। सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि रांची कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की सतत विकास प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए सीजीएचएस दरों में 10% की वृद्धि आवश्यक हो सकती है। उन्होंने कैंसर के प्रभावी उपचार के लिए शुरूआती जांच और स्क्रीनिंग के महत्व पर भी जोर दिया। सिद्धार्थ शर्मा ने सुझाव दिया कि झारखंड के सभी 24 जिलों में कैंसर जांच और स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में कैंसर रोग एक बड़ी समस्या है और झारखंड में राज्य सरकार और प्राइवेट कंपनियों के साथ मिलकर कैंसर उपचार में टाटा

गोवा के छात्रों ने देखीं रांची विवि की गतिविधियां

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। अकादमिक एवं कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गोवा युनिवर्सिटी से छात्रों शिक्षकों की टीम 17-19 फरवरी तक रांची विश्वविद्यालय पहुंची। गोवा से छात्रों के साथ समन्वयक डॉ. वाल्टसर मेनेजेस भी आये हैं, जो दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर हैं। सोमवार को गोवा युनिवर्सिटी से आये छात्रों और शिक्षकों की टीम का बेसिक साइंस परिसर में झारखंड की परंपरा के अनुसार गीत संगीत और नृत्य से भव्य स्वागत किया गया, जिसके बाद रांची युनिवर्सिटी के आइक्यूएसी कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में रांची युनिवर्सिटी के कुलपति, प्रो.अजीत कुमार सिन्हा ने उन्हें यहां आने के लिये आभार जताया और कहा कि वह झारखंड की संस्कृति और रांची युनिवर्सिटी के शैक्षणिक माहौल को करीब से देखें। कार्यक्रम में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम तथा आइकेएस की कोर्डिनेटर डॉ. स्मृति सिंह ने कहा कि हमारा झारखंड कला संस्कृति के मामले में धनी राज्य है। रांची युनिवर्सिटी झारखंड का सबसे पुराना युनिवर्सिटी है जिसकी प्रतिष्ठित अकादमिक संस्कृति है। हम चाहेंगे कि आप इन सब चीजों को यहां देखें। डीएसडब्ल्यू डॉ. एसके साहु ने कहा कि भारत बहुत बड़ा देश है। यहां भाषा संस्कृति में बहुत सारी विविधताएं हैं। हम चाहेंगे कि आप झारखंड को नजदीक से देखें । डॉ. बीके सिन्हा ने कहा कि गोवा की मेहमानवाजी बहुत अच्छी है और हम चाहेंगे कि आप सभी झारखंड के मेहमानवाजी को देखें और महसूस करें। वहीं एनएसस के कोर्डिनेटर डॉ. ब्रजेश कुमार ने कहा कि भले देश बड़ा है भिन्न भिन्न संस्कृतियां हैं पर हम सबों में बहुत समानताएं हैं। ह्युमेनिटी डीन डॉ. अर्चना दूबे ने संस्कृत में स्वागत गीत सुनाया। बाद में छात्रों शिक्षकों की टीम ने रांची विश्वविद्यालय के पीजी अंग्रेजी, हिन्दी और इतिहास विभाग का भ्रमण भी किया। हेरिटेज टूर के तहत मेहमान छात्रों की टीम रॉक गार्डेन, टैगोर हिल, ट्राइबल रिसर्च इंस्टीच्यूट एवं म्युजियम, राज भवन, नक्षत्र वन, हाइकोर्ट, जेएससीए स्टेरडियम,धुर्वा डैम और विधानसभा भवन को देखा।

प्रदेश में झारखंड मुक्ति मोर्चा बनाएगा 50 लाख नए सदस्य

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में सोमवार को रांची महानगर अंतर्गत रामलखन सिंह यादव कॉलेज के पास कोकर में शिविर लगाकर सदस्यता अभियान चलाया गया।

झामुमो केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर जिला संयोजक प्रमुख मुश्ताक आलम की अध्यक्षता में चलाए गए सदस्यता अभियान में जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, अश्विनी शर्मा, सोनू मुंडा, झब्बूलाल महतो समेत कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। सदस्यता अभियान को सफल बनाने में संजय ठाकुर के साथ विक्की समेत अन्य सदस्यों का अहम योगदान रहा। सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिसमें मुख्य रूप से युवा एवं महिलाएं शामिल हैं। वहीं पार्टी से जुड़ने वाले सभी नए सदस्यों को जिला संयोजक प्रमुख, संयोजक मंडली के सदस्यों ने सदस्यता रसीद देकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। मौके पर झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुश्ताक आलम ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। उन्हों ने कहा कि जिस तरह झारखंड की जनता ने भरपूर समर्थन देकर हमारी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को पुनः मुख्यमंत्री बनाया है। पार्टी से विशेष रूप से महिलाएं सरकार की योजनाओं से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है और रांची जिला को 5 लाख का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से अबतक लगभग 3 लाख नए सदस्य बन चुके हैं।

पूजा सिंघल से जुड़े मामले में सुनवाई अब 21 फरवरी को

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आईएएस पूजा सिंघल से जुडे. मामले में ईडी की ओर से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में दाखिल याचिका पर अब 21 फरवरी को सुनवाई होगी। इस मामले में ईडी ने कोर्ट से यह आग्रह किया है कि पूजा सिंघल को कोई विभाग नहीं दिया जाए। वहीं सोमवार को अदालत में ईडी और पूजा सिंघल की ओर से बहस पूरी कर ली गई। इसके बाद कोर्ट ने अग्रिम सुनवाई के लिए 21 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। ईडी ने अदालत में याचिका दाखिल कर कहा है कि यदि पूजा सिंघल को राज्य सरकार किसी विभाग की जिम्मेदारी देती है तो वे अपने पद का दुरुपयोग कर केस को प्रभावित कर सकती हैं। उल्लेखनीय है कि मनरेगा घोटाला की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने 11 मई 2022 में गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी ने पांच मई 2022 को पूजा सिंघल के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें ईडी को बेहिसाब पैसे और अन्य जगहों पर इन्वेस्टमेंट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली थी। ईडी की छापेमारी के दौरान पूजा सिंघल के सीए सुमन सिंह के आवास और कार्यालय से 19.31 करोड़ रुपये कैश बरामद हुई थी। पूजा सिंघल को सात दिसंबर को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अब भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं, जबकि कानूनी प्रावधानों के अनुसार जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा चुका है।

मोबाईल वैन टूर कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। माननीय झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त के मार्गदर्शन में अनगड़ा प्रखंड के गुड़ीडीह पंचायत भवन में डालसा के द्वारा जस्टिस-ऑन-व्हील मोबाईल वैन टूर कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, पीएलवी बेबी सिन्हा, मीना श्रीवास्तव, मालती देवी, यशोदा देवी, संगीता देवी, विधि के छात्र-छात्राएं एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने बच्चों से संबंधित कानूनों जैसे जे.जे एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि की जानकारी दी। नशा उन्मूलन पर फोकस किये और कहा कि नशा न करें, नशा से धन और स्वस्थ दोनों पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने बाल विवाह के रोकथाम के विषय पर बताया एवं बाल विवाह अधिनियम-2006 कानून की जानकारी लोगों को दी। श्री श्रीवास्तव ने मोटर वाहन दुर्घटना में प्राप्त होनेवाले मुआवजा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीड़ित या पीड़िता मुआवजा के लिए डालसा कार्यालय में आवेदन दे सकते है। पीड़िता अगर महिला हो तो केस लड़ने के लिए डालसा की ओर से निःशुल्क अधिवक्ता भी दिया जाता है। दहेज प्रथा कानून-1961 के बारे में विस्तार से बताये और कहा कि दहेज लेना और देना कानूनन अपराध है, इसमें सजा भी होती है। एमएसीटी एक्ट-1988 के बारे में जानकारी दी गयी।

बाबा मंदिर में महाशिवरात्रि की तैयारी परिसर के मंदिरों से उतरने लगे पंचशूल

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रांची/देवघर। देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में महाशिवरात्रि की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। बाबा मंदिर परिसर स्थित मंदिरों से पंचशूल उतारने की कार्रवाई शुरू हो गई है। सबसे पहले सोमवार की सुबह परिसर स्थित गणेश मंदिर का पंचशूल उतारा गया।

पंचशूल के दर्शन व स्पर्श के लिए परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इसी प्रकार क्रमवार बाकी सभी मंदिरों से पंचशूल उतारे जाएंगे। मां संध्या मंदिर, महाकाल भैरव मंदिर, हनुमान मंदिर, मां सरस्वती मंदिर से मंगलवार को पंचशूल को उतारे जाएंगे। सबसे अंत में बाबा मंदिर व माता पार्वती मंदिर के शिखर से पंचशूल उतारे जाएंगे। महाशिविरात्रि से एक दिन पहले 25 फरवरी को फाल्गुन कृष्ण द्वादशी तिथि को पंडित गुलाब नंद ओझा के निर्देशन में पंचशूलों की विशेष पूजा की जाएगी।

इसके बाद सभी मंदिरों के शिखर पर पंचशूल स्थापित किर दिए जाएंगे। मौके पर मंदिर के प्रबंधक रमेश परिहस्त, भोला भंडारी, सुबोध वर्मा आदि मौजूद थे। इस बीच देवघर एसडीओ रवि कुमार ने सोमवार को मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने महाशिवरात्रि के दिन निकलने वाली शिव बारात की रूटलाइन में सुरक्षा समेत अन्य व्यस्थाओं व तैयारियों का जायजा लिया। उनके साथ एसडीपीओ अशोक कुमार भी थे।

बीएयू में छह दिवसीय वनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। झारखंड के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सहयोग से छह दिवसीय वनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 17 फरवरी को बीएयू के वानिकी संकाय में हुआ।

यह प्रशिक्षण 22 फरवरी, 2025 तक चलेगा। इसमें झारखंड के विभिन्न जिलों के 120 वन रक्षकों को सभी महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन वानिकी संकाय के डीन डॉ. एम.एस. मलिक, कुलसचिव डॉ. एस. चट्टोपाध्याय, वनरक्षक प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ए.के. चक्रवर्ती, राज्य वन प्रशिक्षण संस्थान, महिलौंग के निदेशक वी.एस. दुबे ने किया। प्रशिक्षण के दौरान हाई-टेक नर्सरी, टिशू कलचर, एग्रोफॉरेस्ट्री की जानकारी दी जाएगी। झारखंड में कृषि वानिकी किसानों के लिए फसलों और पेड़ों को एक साथ उगाने का एक लाभकारी तरीका है, जिससे भूमि का अधिकतम उपयोग और अतिरिक्त आय होती है। रिमोट सेंसिंग तकनीक से वन रक्षकों को जंगलों की स्थिति और कृषि भूमि का विश्लेषण करने में मदद मिलती है, जो वन प्रबंधन में सहायक है। झारखंड में बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए बांस प्रशिक्षण जरूरी है। इससे वन रक्षकों को बांस के उचित उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के बारे में जानकारी मिलती है, जो किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों के सुझाव जरूरी:प्रो जेके किड़ो

बिरसा कॉलेज खूंटी के मुंडारी विभाग में शिक्षक-छात्र और अभिभावकों की वार्षिक बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रांची। बिरसा कॉलेज खूंटी के मुंडारी विभाग में शिक्षक छात्र अभिभावक वार्षिक बैठक सोमवार को संपन्न हुई। इस अवसर पर बीए और एमए के विद्यार्थी और उनके अभिभावकों के साथ बिरसा कॉलेज खूंटी की प्राचार्या जीके किड़ोम तथा मुंडारी विभाग के शिक्षक उपस्थित थे। इस अवसर पर सर्वप्रथम बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं पारंपरिक तरीके से नृत्य संगीत के साथ अभिभावकों का स्वागत किया गया।

अभिभावकों को विद्यार्थियों द्वारा चंदन के टीके लगाए गए। तत्पश्चात उन्हें सम्मानपूर्वक मल्टीपरपज हॉल में बैठाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अभिभावकों के स्वागत में विद्यार्थियों द्वारा गोवारी दुरंग एवं स्वागत गीत गाए गए। अभिभावकों का स्वागत करते हुए विभाग की अध्यक्ष सहायक प्राध्यापिका सावित्री कुमारी ने कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों के शैक्षणिक गतिविधियों को जानने के लिए समय-समय पर कॉलेज आने की जरूरत है। कॉलेज की प्राभारी प्राचार्या जीके किड़ो ने अभिभावक मीटिंग की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों के सुझाव की भी जरूरत है। कॉलेज की गतिविधियों की जानकारी अभिभावकों को होनी चाहिए। इस कार्यक्रम को इसी कड़ी से जोड़कर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी परंपरा भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान देने की जरूरत है। अभिभावकों को अपनी पीढ़ी को इसे हस्तांतरित करनी चाहिए। प्राचार्या ने अभिभावकों से कहा कि अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए खेती के साथ-साथ दूसरे कृषि से संबंधित व्यवसाय को भी अपनाने की जरूरत है। मुंडारी विभाग के सहायक प्राध्यापिका इंदिरा कोनगाड़ी ने नई शिक्षा नीति और पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सहायक प्रोफेसर काली मुंडू ने शिक्षा और रोजगार पर प्रकाश डाला। सहायक प्रोफेसर वासुदेव हास्सा और नागपुरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कॉर्नेलियुस मिंज ने भी अपने विचार रखें। अभिभावकों में साहू हांसदा गाबोर मुंडू एवं एस. एस. स्कूल की भूतपूर्व प्रधानाध्यापिका रानी टूटी ने भी अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में नागपुरी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. अंजूलता कुमारी, सुनीता टोप्पो और मुण्डारी विभाग के सैकड़ो विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सिजरेन सुरीन ने किया।

Page - 04_Page - 04.qxd 18-02-2025 03:00 Page 1

संक्षिप्त

नहीं थम रहा चोरी का सिलसिला

आदित्यपुर । सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर थाना क्षेत्र में चोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही के दिनों में 2 से 3 सोसाइटी में फ्लैटों में चोरी का उद्वेदन नहीं होने से नगर वाशियों में थाना के प्रति असंतोष दिखने लगा हैं। बीती रात थाना से महज 50 मीटर की दूरी में चोरों ने कृष्णा थापा की दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के अनुसार कृष्णा थापा का एक जनरल स्टोर का दुकान हैं जिसमें दुकान में रखें 14 हजार के लगभग कैश और कुछ सामानों को चोरों ने उड़ा ले गए । दुकान के मालिक ने बताया कि रात्रि 9:00 बजे करीब दुकान बंद करके घर चला गया था। सुबह दुकान खोलने पहुंचा तो दुकान का ताला टूटा हुआ था। दुकान अंदर रख केस काउंटर को देखने गया तो सारे पैसे चोरों द्वारा चोरी कर ली गई थी। हाल में ही दो प्लेटो में हुई चोरी की उद्वेदन आदित्यपुर पुलिस नहीं कर पाई जिसमें नगर वासियों ने पुलिस पर असंतोष जताया है। पुलिस रात्रि गश्ती गाड़ी लापता होने का संकेत दे रहा है, अगर गस्ती गाड़ी होती तो चोरों का मनोबल दिन प्रतिदिन बढ़ता नहीं जाता। पुलिस की सुरक्षा से आम नागरिकों को डर का माहौल है, किसी भी सोसाइटी में चोरी के घटना को अंजाम चोरों के द्वारा लगातार दिया जाता है।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 7000 किलो जावा महुआ किया नष्ट

सरायकेला खरसावां। जिला के उत्पाद अधीक्षक सौरभ तिवारी के निर्देश पर अवर निरीक्षक उत्पाद नीरज कुमार के नेतृत्व में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गयी है। जहां आरआईटी थानांतर्गत भुआ जंगल और पार्वतीपूर नदी किनारे शराब अड्डा पर छापेमारी किया गया। छापेमारी के क्रम में सात हजार किलो जावा महुआ विनष्ट किया गया और पांच सौ लिटर महुआ शराब जब्त किया। दो संचालकों को चिन्हित किया गया है, जिनके विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया जाएगा।

राशन कार्डधारकों को मिलेगी साड़ी, धोती और लुंगी

चक्रधरपुर। झारखंड सरकार की सोना सोबरन योजना के तहत चक्रधरपुर नगर और ग्रामीण क्षेत्र के राशन कार्डधारकों को शीघ्र ही साड़ी, धोती और लुंगी का वितरण किया जाएगा। इसके लिए चक्रधरपुर नगर और ग्रामीण क्षेत्र के जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को प्रखंड कार्यालय चक्रधरपुर से साड़ी, धोती और लुंगी आवंटित की जा रही है। आवंटित वस्त्र राशन डीलर अपने पोषक क्षेत्र के कार्डधारकों को 20 रुपए में प्रदान करेंगे। लाभुक एक साड़ी के साथ धोती या लुंगी ले सकेंगे। धोती या लुंगी विकल्प है, जबकि साड़ी अनिवार्य है। चक्रधरपुर प्रखंड के नजीर सुजान मंडल ने बताया कि सोना सोबरन योजना के तहत नगर परिषद क्षेत्र के लाभुकों के लिए 8172 साड़ी, 4706 धोती और 3137 लुंगी आवंटित की गई है। चक्रधरपुर ग्रामीण क्षेत्र के लिए 38950 साड़ी, 21786 धोती और 14524 लुंगी आवंटित है। जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को आवंटित वस्त्र वितरण के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है।

अफीम की खेती में थाना और वन विभाग की संलिप्तता का आरोप

पलामू। पलामू जिले के मनातू और पांकी के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्रों में अफीम (पोस्ता) की खेती धड़ल्ले से की जा रही है। पांकी विधायक कुशवाहा डॉ. शशिभूषण मेहता ने आरोप लगाया है कि इस अवैध खेती को थाना, वन विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के नाम पर निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है। विधायक ने सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि मनातू थाना क्षेत्र में दर्ज 18 मामलों में से 17 बेगुनाह हैं। इनमें कई मजदूरी करने वाले लोग हैं, जिन्हें पुलिस के बिचौलियों द्वारा झूठे मामलों में फंसा दिया गया।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक में कई प्रस्तावों पर हुई चर्चा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चाईबासा। कोल्हन विश्वविद्यालय परिसर स्थित ऑडिटोरियम में मंत्री दीपक बिरुआ की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक 17 फरवरी को हुई। इसमें जिले की विभिन्न विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक विकास, सड़क निर्माण, पुल-पुलिया निर्माण, पेयजल से संबंधित योजनाएं, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में पेयजल से संबंधित योजनाओं के तहत आगामी ग्रीष्म ऋतु को मद्देनजर रखते हुए पेयजल से संबंधित नई योजनाओं को लेने, नलकूप, जलमीनार आदि को तत्काल दुरुस्त करने, पंचायत स्तर से निगरानी करने के लिए सभी पेयजल योजनाओं का जियो टैग करने और विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत पेयजल सुलभता संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में पर्यावरण संरक्षण, अवैध खनन पर पूर्णता लगाम लगाने के लिए ड्रोन बेस्ड सर्वे टेक्नोलॉजी का प्रयोग करने, प्रदूषण मापने के लिए सूचकांकों का प्रयोग, दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में वाइल्डलाइफ मॉनिटरिंग सिस्टम, घने जंगलों में जान माल की सुरक्षा के लिए हाई मास्क लाइट संबंधी प्रस्ताव भी रखे गए। बैठक में स्वास्थ्य सेवा के तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं के एएनसी जांच की व्यवस्था को सुदृढ़ करने, बच्चों को दिए जाने वाले पौष्टिक आहार की उचित निगरानी व्यवस्था, एनीमिया/स्किल सेल एनीमिया जैसी बीमारियों को इलाज जिले में सुनिश्चित करने से संबंधित कार्यों को गति देना, कुपोषण मुक्त जिला की ओर आगे बढ़ने से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में सांसद जोबा माझी, जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी, चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव, मझगांव विधायक निरल पूर्ति, जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम शिंकू एवं मनोहरपुर विधायक जगत माझी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, सारंडा वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिरूप, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा व जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सेल/टाटा स्टील के प्रतिनिधि, 168 प्रभावित पंचायत के मुखिया, अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी झारखंड चैप्टर का चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग आरोग्यम अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री रोग एवं प्रजनन विशेषज्ञ डॉ. रंजना सरण ने इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (भारतीय प्रजनन सोसाइटी) झारखंड चैप्टर द्वारा आयोजित निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम में भाग लिया और एक महत्वपूर्ण सत्र की सहभागी बनी।

इस आयोजन में उन्होंने आरोग्यम अस्पताल की उपलब्धियों, नवीनतम तकनीकों और प्रजनन उपचार के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। हजारीबाग आरोग्यम अस्पताल जिले का पहला ऐसा अस्पताल है, जिसने आईवीएफ (इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन) के माध्यम से 50 सफल मामलों का रिकॉर्ड कायम किया है। यह उपलब्धि उन दंपतियों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है, जो संतान सुख की चाह में वर्षों से संघर्ष कर रहे थे,अस्पताल में उच्च स्तरीय आधुनिक प्रयोगशाला, विश्वस्तरीय तकनीक और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के सहयोग से आईवीएफ प्रक्रिया को सफलता पूर्वक पूरा किया गया। 50 दंपतियों को सफल गर्भधारण कराकर माता-पिता बनने का सुखद अनुभव प्रदान करना अस्पताल के लिए एक गौरवशाली क्षण है।

शहीद करमजीत सिंह बक्शी के अंतिम अरदास में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व सदर विधायक पहुंचे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। सोमवार को हजारीबाग शहर के गुरु गोविंद सिंह रोड स्थित गुरुद्वारा सभागार में शहीद करमजीत सिंह बक्शी की अंतिम अरदास का आयोजन किया गया, जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और सदर विधायक प्रदीप प्रसाद प्रमुख रूप से शामिल हुए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सिख समुदाय के लोग और शहीद के परिजन के साथ कई लोग उपस्थित थे। शहीद करमजीत सिंह बक्शी की वीरता और उनके बलिदान को सम्मानित करने के लिए यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शहीद के परिवार से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा की शहीद करमजीत सिंह बक्शी का बलिदान न केवल हमारे राज्य बल्कि हमारे देश के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी वीरता का कोई मोल नहीं हो सकता, और उनका शौर्य हमारे लिए प्रेरणा का

स्रोत रहेगा। मैं इस दुख की घड़ी में शहीद के परिवार के साथ हूं और उनकी मदद के लिए हमेशा तत्पर हूं। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने सिख समुदाय के आग्रह पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा की शहीद करमजीत सिंह बक्शी के योगदान को याद रखने और उनका सम्मान करने के लिए हमने एक बड़ा कदम उठाया है। शहीद के निवास स्थान, जो कि जुलु पार्क हॉली क्रॉस रोड पर स्थित है, उसको अब 'शाहिद करमजीत सिंह मार्ग' के नाम से जाना जाएगा। यह बदलाव जल्द ही एक से दो दिनों के अंदर किया जाएगा और बोर्ड वहां लगाया जाएगा। साथ ही, विधायक ने यह भी घोषणा की कि हजारीबाग के प्रमुख स्थल, पैगोडा चौक का नाम अब शाहिद करमजीत सिंह चौक' रखा जाएगा। इस नामकरण के लिए उन्होंने संबंधित मंत्री और सचिव से वार्ता की है और उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही यहां पर भी नया बोर्ड लगाया जाएगा। प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा की हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हम शहीद करमजीत सिंह जैसे वीर व्यक्तित्व को सम्मान दे पा रहे हैं। उनका योगदान हमेशा हमारे दिलों में रहेगा।

थाना प्रभारीयों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी का हुआ आयोजन

हजारीबाग। सोमवार को आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग द्वारा सभी थाना प्रभारीयों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निम्नलिखित बिंदुओं पर दिशानिर्देश दिया गया। जिसमें अवैध अफीम की खेती को अगले एक सप्ताह के अंदर विनिष्ट करना सुनिश्चित करेंगे तथा अफीम की खेती करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई कर सीसीए का प्रस्ताव समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया। महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। पिछले माह में घटित सभी महत्वपूर्ण अपराधिक कांडों की समीक्षा की गयी तथा सभी कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिए गए।

अबुआ आवास के अयोग्य लाभुकों की छंटनी कर योग्य को लाभ दें:मंत्री

ग्रामीण विकास, मनरेगा और पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा की

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लोहरदगा। ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह ने लोहरदगा परिसदन में ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा और पंचायती राज विभाग के योजनाओं की समीक्षा 17 फरवरी को की। समीक्षा में सर्वप्रथम मनरेगा में जिला परियोजना पदाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी दी। इसमें मनरेगा के बजट अंतर्गत व्यय की गई राशि की जानकारी दी गयी। साथ मानव दिवस सृजन, गांवों में संचालित योजनाओं, मनरेगा अंतर्गत मनरेगा सप्ताह की प्रगति, पोटो हो खेल विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि

अबुआ आवास योजना में मजदूरी भुगतान को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अबुआ आवास के अयोग्य लाभुकों की छंटनी कर योग्य को इसका लाभ दिया जाय। अगर बिचौलियों द्वारा किश्त की राशि के लिए पैसों की मांग करने की शिकायत आती है तो इसकी जांच करें और कार्रवाई करें। अबुआ आवास योजना राज्य सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें किसी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा टोला चिन्हित करने का निर्देश दिये गया जहां पहुंच पथ नहीं है, ताकि वैसे क्षेत्रों में मिट्टी-मोरम का रास्ता उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम में जेएसएलपीएस की योजनाओं, जल छाजन योजना, पंचायती राज की योजना की समीक्षा की गई। बैठक में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, आवास योजनाओं के जिला समन्वयक, परियोजना पदाधिकारी मनरेगा आदि उपस्थित थे।

बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत सैनिटरी नैपकिन वेंडिग मशीन वितरण समारोह का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। मासिक धर्म स्वच्छता के लिए सही ज्ञान और संसाधन उपलब्ध कराना एवं बालिकाओं के बीच मासिक धर्म के प्रति स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के विषय में जागरूकता लाना बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर उपायुक्त नैंसी सहाय के निदेर्शानुसार जिला समाज कल्याण विभाग के तत्वाधान में सोमवार को समाहरणालय सभागार में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत सैनिटरी नैपकिन वेंडिग मशीन वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के बालिकाओं के बीच सैनिटरी नैपकिन वेंडिग मशीन का वितरण उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, डीआरडीए निदेशक मां देव प्रिया, डीपीओ पंकज तिवारी, जिला समाज

कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक निवेदिता राय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत आप सभी बच्चियों के लिए सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन दिया जा रहा है। जिसमें पहले से ही सभी मशीनों में 100 सेनेटरी नैपकिन डाला हुआ है। आप सभी इस मशीन का सदुपयोग अच्छे से व शत प्रतिशत इसका इस्तेमाल करेंगे। अब आप सभी बच्चियां साफ सुथरा सेनेटरी पैड का इस्तेमाल कर सकेंगे। किशोरियों के बीच मासिक धर्म के बारे में जागरूकता लाना जरूरी है। लड़कियों और महिलाओं को स्वच्छ संसाधन उपलब्ध कराना तथा मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को मिटाना आवश्यक है। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन के उद्देश्य से उपायुक्त के निदेर्शानुसार 11 सेनेटरी नैपकिन वेडिंग मशीन का वितरण किया गया है। जिसमें पहले से ही सभी मशीनों में 100 सेनेटरी नैपकिन डाला हुआ है। सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन 10 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों एवं एक अन्य बालिका आवासीय विद्यालय कटकमदाग में अधिष्ठापित किया गया है। वितरण किए गए सभी सेनेटरी नैपकिन मशीनों में 100 सेनेटरी नैपकिन रखने की क्षमता है। कार्यक्रम में आवासीय विद्यालय के एक बच्ची ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, बालिकाओं व सभी वार्डन को ह्बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्व के संबंध में शपथ दिलाई की मैं भारत की नागरिक, आज यह शपथ लेती/लेता हूं कि मैं लिंग भेद और लिंग चयन जो की बालिकाओं के जन्म एवं उनके अस्तित्व को जोखिम में डालता है, उसे मानसिकता का त्याग करूंगी/करूंगा।

जिससे यह सुनिश्चित हो की लड़कियां जन्म ले, उन्हें प्यार व शिक्षा मिले और देश का सशक्त नागरिक बनने का समान अवसर मिले। मैं यह भी संकल्प लेती/लेता हूं कि मैं जन्म पूर्व लिंग पहचान के आधार पर हो रही कन्या भ्रूण हत्या को व्यक्तिगत रूप से और सामूहिक रूप से समाप्त करने की मुहिम को अपना व्यक्तिगत रूप से भरपूर सहयोग दूंगी/ दूंगा। मैं यह भी संकल्प लेती/लेता हूं कि मैं अपने देश की महिलाओं एवं पुरुषों में बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ के संदेश का प्रचार प्रसार करूंगी/करूंगा।

भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की मनाई गई 37वीं पुण्यतिथि

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। जननायक कपूर्री ठाकुर का 37वां पुण्यतिथि जननायक कपूर्री फाउंडेशन के तत्वाधान मे धर्मेंद्र ठाकुर के नेतृत्व मे मनाया गया जिनके फाउंडर भी हैं। इस पुण्यतिथि कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि रमेश ठाकुर जिला उपाध्यक्ष एवं सुनील शर्मा केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा झा. मू.मो. मुख्य रूप से शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि अमरनाथ ठाकुर पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर, राकेश ठाकुर दरोगा, डॉक्टर दीपक ठाकुर, बालेश्वर ठाकुर विधायक प्रतिनिधि बरकठा, गोविन्द ठाकुर, ईचाक प्रखंड अध्यक्ष संतोष ठाकुर, शम्भू ठाकुर, अशोक ठाकुर उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथी सुनील शर्मा ने कहा कि कपूर्री ठाकुर जी के पदचिन्हो पर चलने का समाज हर व्यक्ति संकल्प ले और फाउंडेशन के तरफ से जो भी कार्य सामाजिक उत्थान के लिए किया जायेगा भरपूर साथ देंगे एवं समाज को यथासंभव जोड़ने का काम करेंगे। वही मुख्य अतिथि रमेश ठाकुर बोले की समाज मे शिक्षा पर जोर देने की जरुरत है और उनका सहयोग हमेशा समाज के साथ रहा है आगे भी रहेगा। इस कार्यक्रर्म मे समाज से सैकड़ो की संख्या मे लोग उपस्थित हुवे और जननायक कपूर्री फाउंडेशन के साथ चलने का संकल्प लिए।

मिशन हॉस्पिटल में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क 'जननी स्वास्थ्य मेला' का प्रथम दिवस संपन्न

सदर विधायक सहित कई गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया शिविर का शुभारंभ

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग मिशन रोड रविन्द्र पथ अवस्थित श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के सहयोग द्वारा संचालित संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल में आयोजित महिलाओं के विशेष निशुल्क 'जननी स्वास्थ्य मेला' का प्रथम दिवस दिन सोमवार को संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रदीप प्रसाद सहित कई गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शिविर का शुभारंभ किया। इससे पूर्व मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रदीप प्रसाद को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत व अभिनंदन कर

अतिथि वंदन किया। शिविर में महिलाओं को निशुल्क चिकित्सा परामर्श, मुफ्त दवा, बी.पी जांच, अल्ट्रासाउंड, कैंसर स्क्रीनिंग, नेत्र जांच, एक समय का भोजन, दंत जांच एवं शुगर व हीमोग्लोबिन का जांच एवं इलाज मुफ्त किया गया। जिसमें 873 महिलाएं सहित कई पुरूषों ने प्रथम दिवस का शिविर का लाभ उठाया। मुफ्त उपचार करवाकर उत्तम स्वास्थ्य का लाभ प्राप्त किया। शिविर में चिकित्सक डॉ जे के आर्य, डॉ एएन सिंह, डॉ पूजा बैरवा, डॉ फोरम कटारा, डॉ रणजीत, डॉ रिंकू यादव, डॉ मिताली सोरेन, डॉ प्रिंस कुमार एवं डॉ मधु झा सहित कई स्वास्थ्य कर्मियों ने अपना सरहानीय योगदान दिया। मौके पर मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शिविर उपस्थित महिलाओं को संबोधित कर कहा कि महिलाओं के लिए विशेष निशुल्क शिविर का आयोजन मिशन होस्पिटल का काफी अनूठी एवं सकारात्मक पहल है। किसी भी परिवार का महिला रीढ़ होती है। घर का व्यस्तम कार्यों को लेकर चाह कर भी इलाज करवाने में असमर्थ होना पडता है। मौके पर मिशन होस्पिटल के संचालक डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को घर की व्यस्ततम कार्य को लेकर कई बार ऐसा देखा जाता है कि नियमित समय पर स्वास्थ्य की देखभाल नहीं करने से गंभीर एवं जटिल बिमारी पकड़ लेता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सही समय पर स्वास्थ्य की देखभाल एवं उपचार के लिए अस्पताल परिवार द्वारा निशुल्क दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है मौके पर मुख्य रूप से संत कोलम्बस छोटानागपुर आदिवासी ट्रस्ट के सचिव डॉ अमित अमर सोरेन, कोषाध्यक्ष निपम खलखो, सीएनआई चर्च फादर दीपक अनिल जोजो, सीएनआई चर्च सदस्य एमानुएल खलखो, डेंटल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव, स्टेटिक्स डॉ रंजीत कुमार, डॉ रिंकी यादव, संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के प्रशासक पूजा उपाध्याय, कार्यलय एचआर मेघा सिंह, पीआरओ प्रिया केशरी, सहेली नस्कर, अंजू रानी, सचिन श्रीवास्तव, आशीष रॉय, पवन पासवान, मुस्कान मिश्रा, अनिंदिता मंडल, एकरामुल हक, अंकित कुमार, मुस्कान कुमारी, चंचला कुमारी, करण कुमार दास, नीलेश रक्षित, राम कुमत, सोनाली, पिंकू सीआर, राकेश कुमार, मंतोष तिवारी, सुनंदी, दीपक कुमार, सैफ, आशीष कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

Page - 05_Page - 05.qxd 18-02-2025 01:31 Page 1

संक्षिप्त

अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा, कई सामान जब्त

बोकारो। सहायक आयुक्त उत्पाद के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने बालीडीह ओपी क्षेत्र के कुंडौरी के कूलिंग पोंड के समीप अवैध शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया। मौके से टीम ने 150 लीटर स्प्रिट, विदेशी शराब 100 लीटर, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज, मेकडोवल नंबर वन, आईकॉनिक व्हाइट एवं ब्लेंडर्स प्राइड ब्रांड के स्टीकर, खाली बोतल एवं ढक्कन जब्त किए। वहीं, मामले में संलिप्त अभियुक्त राजा बाबू उर्फ सहदेव साहू पर अभियोग दर्ज किया गया। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास आदि शामिल थे।

ठेका श्रमिकों के रिव्यू मेडिकल चेकअप के लिए पंजीकरण

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में जिन ठेका श्रमिकों को रिव्यू मेडिकल चेकअप के लिए सलाह दी गयी है, वैसे ठेका श्रमिक दिनांक 18 फरवरी को सेक्टर 2-सी स्थित सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र में अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए मेडिकल चेकअप रिपोर्ट को साथ में लाना अनिवार्य है। पंजीकरण के बाद रिव्यू कैंप की तिथि और समय के बारे में जल्द ही सूचित किया जायेगा। मेडिकल रिव्यू कैंप में सिर्फ पंजीकृत ठेका श्रमिकों का ही मेडिकल चेकअप किया जायेगा। उक्त जानकारी बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने दी है।

कोल्हान कांग्रेस समागम एक मार्च को

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला स्तरीय तैयारी समिति की बैठक जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। आनंद बिहारी दुबे ने तैयारी समिति के बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के आह्वान पर अगामी एक मार्च को चांडिल प्रखंड के बाडामटांड, चावलीबासा में कोल्हान प्रमण्डल स्तरीय कांग्रेस समागम का वृहत आयोजन किया जा रहा है। इसमें पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके लिए सभी जिला उपाध्यक्ष को एक एक वाहन, जिला महामंत्री को एक एक वाहन, प्रखंड अध्यक्षों को दो दो वाहन, मंडल अध्यक्षों को एक एक वाहन, (सभी अग्रणी संगठन विभाग में सेवादल, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयुआई, अल्पसंख्यक विभाग, आदिवासी कांग्रेस, ओबीसी विभाग, अजा विभाग, आरटीआई विभाग, एआईपीसी, विधि विभाग, किसान विभाग, इंटक, केकेसी, पंचायती राज) को एक एक वाहन कार्यकर्ता के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना है। सेवादल के पदाधिकारीगण को ड्रेस कोड में शामिल होना है।

केंद्रीय मंत्री ने की बोकारो में संचालित योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

- जिला प्रशासन के किए गए प्रयासों का मंत्री ने की सराहना

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। भारत सरकार के वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने सोमवार को बोकारो परिसदन सभागार में उपायुक्त विजया जाधव समेत जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ नीति आयोग द्वारा निर्धारित विभिन्न आयामों अंतर्गत किए गए विकास कार्यों के संबंध में विस्तार से समीक्षा की। साथ ही, आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, डीआरडीए निदेशक श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारीवंदना शेजवलकर आदि उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित उपायुक्त श्रीमती जाधव ने केंद्रीय मंत्री को क्रमवार स्वास्थ्य-पोषण, शिक्षा, कृषि-जल संसाधन, बुनियादी ढ़ांचा एवं वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए कार्य, आकांक्षी जिला, आकांक्षी प्रखंड का कंपोजिट स्कोर एवं डेल्टा रैंक के संबंध में बताया। साथ ही, स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में जिले के लिए प्रमुख चुनौती एवं जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों से अवगत कराया, जिसमें एनीमिया, टीबी और स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी दी। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने बताया कि सीएसआर के तहत स्वास्थ्य सहियाओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि दुर्गम क्षेत्रों में भी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

केंद्रीय मंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के एएनसी जांच की व्यवस्था, केंद्रों को लर्निंग म्यूजियम के रूप में विकसित करने जैसे प्रयासों पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे राष्ट्रीय पटल पर रखने की बात कही। शिक्षा के क्षेत्र में भी जिला विभिन्न कैटेगरी में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और यह क्रम अभी भी जारी है।

उन्होंने छात्र-शिक्षक अनुपात, विद्यालयों में पेयजल की सुविधा, शौचालय की सुविधा आदि के संबंध में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि जिले के सभी विद्यालयों को भी लर्निंग म्यूजियम के रूप में विकसित किया गया है। विद्यालयों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाओं का भी निर्माण किया जा रहा है। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास एवं टैब लैब भी है। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री ने कृषि- जल संसाधन, बुनियादी ढांचा एवं वित्तीय समावेशन और कौशल विकास के तहत जिले के प्रदर्शन की समीक्षा की। बैठक में मंत्री ने कुछ सुझाव भी दिए।

इस क्रम में उन्होंने जिला कृषि विभाग को लघु सिंचाई में ड्रिप सिंचाई के साथ स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का इस्तेमाल करने को कहा। वहीं, पहाड़ी एवं कम सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्रों में औषधीय पौधा मदार की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करने को कहा।

प्रस्तावित वन नगर की भूमि का लिया जायजा

बोकारो । भारत सरकार के वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं विदेश राज्यमंत्री ने कीर्तिवर्धन सिंह ने सोमवार को चास के कांझा स्थित नगर वन का निरीक्षण किया। मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार को उन्होंने उच्चस्तरीय नगर वन में विकसित किए जाने हेतु डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजने का निर्देश दिया। वहीं, वन पर्यावरण राज्यमंत्री ने कसमार स्थित एग्रो पार्क का निरीक्षण किया। इस क्रम में जेएसएलपीएस की दीदी द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने दीदी से क्रमवार संवाद किया। उनके द्वारा बैंक से लिए गए ऋण, काम व आमदनी के संबंध में चर्चा की। मंत्री श्री सिंह उनकी समस्याओं से भी रूबरू हुए। इसी क्रम में मंत्री श्री सिंह ने जिले के कसमार स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं से क्रमवार संवाद किया। विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक गतिविधि को लेकर किए गए कार्यों जैसे आइटीसी लैब, पुस्तकालय, विद्यालयों को लर्निंग म्यूजियम के रूम में विकसित करने, छात्राओं द्वारा निर्मित पेंटिंग आदि का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय परिसर में आम का पौधा लगाया एवं छात्राओं के साथ समूह फोटो खिंचवाई। विद्यालय की व्यवस्था देखकर प्रसन्नता जताई। साथ ही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पेटरवार का भी निरीक्षण किया।

एग्रोपार्क और कस्तूरबा विद्यालय का किया निरीक्षण

सांसद व विधायक से किया संवाद

बोकारो परिसदन में केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह के साथ संवाद किया। उन्होंने जिले में संचालित विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली और आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड से संबंधित उनके सुझाव प्राप्त किए।

बीएसएल के एसएमएस -2 एवं सीसीएस विभाग ने दैनिक उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस -2 एवं सीसीएस (स्टील मेल्टिंग शॉप एवं कंटीन्यूअस कास्टिंग शॉप) विभाग ने एक दिन में 47 हीट के साथ 13281 टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके पूर्व दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को एसएमएस - 2 एवं सीसीएस विभाग ने 46 हीट के साथ 12880 टन क्रूड स्टील का रिकॉर्ड दैनिक उत्पादन किया था।उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस -2 एवं सीसीएस विभाग ने वर्ष 2025 के जनवरी माह में 337500 टन क्रूड स्टील का उत्पादन करके पूरे सेल में क्रूड स्टील के मासिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया था। कार्यकारी निदेशक प्रभारी सी आर महापात्रा के साथ बोकारो स्टील के शीर्ष प्रबंधन ने विभाग के मुख्य महाप्रबंधक अरविन्द कुमार एवं उनकी समस्त टीम, सभी सहयोगी विभागों तथा संविदा कर्मियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर विधायक श्वेता ने केंद्रीय मंत्री से की वार्ता

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो परिसदन में भारत सरकार के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन और विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के बोकारो प्रवास के क्रम में विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बोकारो विधानसभा में व्याप्त क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर विधायक श्रीमती सिंह के अलावा गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं उपायुक्त की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री के साथ विशेष बैठक हुई। विधायक श्रीमती सिंह ने दामोदर नदी एवं गरगा नदी में प्रदूषण, अवैध रूप से नदियों का अतिक्रमण, चिमनियों से निकलने वाला धुआं और बियाडा क्षेत्र के प्रदूषण और कुछ स्थानों पर लगातार वन विभाग की जमीन व पहाड़ों के भी अतिक्रमण जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर मंत्री श्री सिंह को अवगत करवाया। मंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया और बोकारो की जनता को आश्वस्त किया कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

संगीन मामलों के तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। संगीन मामलों में वाँछित/आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए आरआईटी पुलिस के द्वारा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्हें कि आज न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में जीआर नंबर-1008/21 का आरोपी बन्तानगर बस्ती निवासी अजीत प्रमाणिक उर्फ अर्जुन का पुत्र मुन्ना प्रमाणिक तथा जनक राऊत का पुत्र रमेश कुमार राउत (कांड संख्या-177/21, दिनांक-06.10.2021, धारा-356,379,34 भा.द.वि. का वारंटी) का नाम शामिल है। वहीं, रोड नंबर-एस/2, बाबा आश्रम कॉलोनी, आदित्यपुर-02 निवासी शंकर कालिन्दी के पुत्र मुकुल कालिन्दी की गिरफ्तारी जीआर नंबर-657/21, कांड संख्या-81/21, दिनांक-06.06.2021, धारा-341/323/506/504/34 भा.द.वि. के मामले में हुई है।

पक्षियों की विविधता से अवगत हुए केबी कॉलेज के विद्यार्थी

- ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट कार्यक्रम आयोजित, किया गया सर्वे

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। केबी कॉलेज, बेरमो के प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में जंतु शास्त्र विभाग, एनएसएस एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट कार्यक्रम जंतु शास्त्र सभागार में आयोजित किया गया।

प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा कि पक्षी पर्यावरण के महत्वपूर्ण अंग हैं। ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट कार्यक्रम हर वर्ष फरवरी माह में चार दिनों तक मनाया जाता है। इस बार ये 14 से 17 फरवरी तक आयोजित है, जिसमें पक्षियों की गिनती करने व पंछी संरक्षण में योगदान करने के लिए सभी स्तरों पर पक्षी प्रेमियों को शामिल किया जाता है। प्रो. इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति ने बताया ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट के द्वारा एकत्र किए गए डेटा को ऑनलाइन वेब इंटरफ्रेंस इ बर्ड में प्रस्तुत किया जाता है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य कुछ मिनटों के लिए पक्षियों का पर्यवेक्षण करना, उनकी पहचान करना तथा उनकी गिनती करना है। विभागाध्यक्ष (जंतुशास्त्र) डा. अरुण कुमार रॉय महतो ने कहा कि झारखंड राज्य मे पक्षी विविधता की जानकारी अति आवश्यक है।

एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी ने कहा परिसर मे ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन वैज्ञानिकों को दुनिया भर के पक्षियों को बेहतर तरीके से समझने और उनकी रक्षा करने में मदद करने के लिए एक वैज्ञानिक डेटाबेस को बनाए रखने के उद्देश्य से किया जाता है। उद्घाटन सत्र के बाद छात्र छात्राओं ने कॉलेज कैंपस में घूम-घूमकर पक्षियों का सर्वे किया। मंच संचालन जंतु शास्त्र विभाग की रमसा फातिमा और खुशबू मेहता ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन डा अरुण कुमार रॉय महतो ने किया। कार्यक्रम मे प्राचार्य लक्ष्मी नारायण, प्रो इंचार्ज प्रो गोपाल प्रजापति, डा अरुण कुमार रॉय महतो, डा साजन भारती, डा प्रभाकर कुमार, डा सुशांत बैरा, प्रो संजय कुमार दास, रविंद्र कुमार दास, सदन राम आदि समेत कई छात्र-छात्राएं, जंतु शास्त्र, एनएसएस के स्वयं सेवक आदि मौजूद रहे।

पर्यावरणविद ने केंद्रीय मंत्री से किया गरगा नदी व सतनपुर पहाड़ी के संरक्षण का अनुरोध

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। स्वच्छ भारत अभियान, झारखंड प्रदेश भाजपा के प्रदेश संयोजक सह- स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान के महासचिव पर्यावरणविद शशि भूषण ओझा मुकुल ने सोमवार को बोकारो परिसदन में केंद्रीय मंत्री वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह से मुलाकात कर उनका ध्यान गरगा नदी के प्रदूषण और अतिक्रमण तथा सतनपुर पहाड़ी के संरक्षण सहित इसके पास स्थित तेतुलिया मौज की लगभग 104 एकड़ वन भूमि पर गलत कागज बनाकर भू माफिया द्वारा जबरन कब्जा किए जाने की तरफ आकृष्ट कराया।

वार्ता के क्रम में बताया कि चास नगर निगम क्षेत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र की कॉलोनियों का प्रदूषित जल लगातार गरगा नदी में प्रवाहित किया जा रहा है, जिससे यह नदी अत्यंत प्रदूषित होकर मर रही है। जबकि, नदी प्रदूषण एक संज्ञेय अपराध भी है। यह भी कहा कि इस नदी की उत्पत्ति बोकारो जिला के कसमार प्रखंड के कलौंदी जलकुंड से है, जो गौरवान्वित करने वाली एक पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। क्योंकि, यह भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से संबंधित यहां आयोजित की गई यज्ञ से है, जिसमें पानी की कमी को दूर करने के लिए ऋषि श्रेष्ठ गर्ग ने इस नदी की धारा को अपने तपोबल से भूगर्भ से उत्पन्न किया था, जो गर्ग गंगा के नाम से विख्यात हुई और तदंतर में इसी का अपभ्रंश नाम गरगा हो गया है। इस नदी का उद्गम स्थल भी पूरी तरह गाद से भरा है और अतिक्रमित भी है।

केंद्रीय मंत्री को यह भी बताया गया कि सतनपुर पहाड़ी के पास की लगभग 104 एकड़ वन भूमि भूमाफियाओं द्वारा गलत कागजात बनाकर अतिक्रमित कर न सिर्फ बेचा जा रहा है, बल्कि अवैध तरीके से भवन निर्माण का भी कार्य किया जा रहा है, जिससे पहाड़ी की सुंदरता तो समाप्त हो ही रही है, साथ ही पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिसे तत्काल रोका जाना अत्यंत जरूरी है। मंत्री श्री सिंह ने सारी बातों को पूरे ध्यान पूर्वक सुना और दिल्ली आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि सारी बातों की लिखित और पूरी जानकारी मिलकर दें।

झारखंड के बुजुर्गों के लिए ट्रांजिशनल रिहैबिलिटेशन सेंटर की स्थापना जल्द

प्रातः नागपुरी संवाददाता

भुवनेश्वर/जमशेदपुर। झारखंड के बुजुर्ग मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन, जमशेदपुर के संस्थापक प्रवीण श्रीवास्तव ने गेट अलाइव हेल्थकेयर, भुवनेश्वर के निदेशक डॉ. देवाशीष मिश्रा और मिहिर गोस्वामी से मुलाकात की। बैठक में झारखंड में ट्रांज़िशनल रिहैबिलिटेशन सेंटर की जरूरत और संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

यह केंद्र अस्पताल से छुट्टी के बाद बुजुर्गों को आवश्यक देखभाल और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे उनकी रिकवरी तेज और प्रभावी होगी। प्रवीण श्रीवास्तव के अनुसार, झारखंड में इस सुविधा की सख्त जरूरत है, क्योंकि कई बुजुर्ग सही देखभाल के अभाव में दोबारा बीमार हो जाते हैं। गेट अलाइव हेल्थकेयर के निदेशकों ने इस पहल की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। यह बैठक झारखंड के वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई उम्मीद लेकर आ सकती है।

पर्यावरण संतुलन में पंछियों का अहम योगदान : संजय

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। रोटरी क्लब चास द्वारा जैविक उद्यान में पेड़ों पर पंछियों के संरक्षण एवं उन्हें आश्रय प्रदान करने के लिए उद्देश्य से बने-बनाए घोंसले लगाए गए। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष विनोद चोपड़ा ने कहा कि पंछी भी सृष्टि का महत्वपूर्ण अंग है, हमें पंछियों के संरक्षण एवं वन संरक्षण का समर्थन करना चाहिए। श्री चोपड़ा ने पंछियों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के संयोजक संजय बैद ने कहा कि पंछी हमारे पर्यावरण का अभिन्न अंग है और उनकी देखरेख एवं सुरक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। श्री बैद ने कहा कि पूर्व निर्मित घोंसले लगाने से पंछियों को सुरक्षा एवं संरक्षण मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित नगर सेवा (बागवानी) के उप महाप्रबंधक पी एस सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की परंपरागत गतिविधियों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यों में समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों को आगे आकर अपने घरों एवं आसपास पंछियों के संरक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए। चयनित सचिव श्वेता रस्तोगी ने कहा कि प्राकृतिक पर्यावरण में रहे इसके लिए पंछियों के अधिकारों का संरक्षण होना चाहिए। श्वेता रस्तोगी ने कहा कि रोटरी क्लब चास द्वारा पंछियों के संरक्षण की दिशा में आज एक अभिनव प्रयोग किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमार अमरदीप, धनेश बंका, ललिता चोपड़ा, गौरव सिंह, प्रेम कुमार, गणेश महतो, जैविक उद्यान के मोहम्मद मुतुर्जा बेग, साहिल शिवम, रुस्तम आलम का सराहनीय योगदान रहा।

सीसीएल फेज -2 में बरवाबेड़ा के पुनर्वास स्थल पर पहुंचे गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, कहा-

विस्थापितों को विश्वास में लेकर पारदर्शिता से काम करे डीवीसी प्रबंधन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित बोकारो-करगली एरिया अंतर्गत सीसीएल के फेज दो में बरवाबेड़ा के पुनर्वास स्थल पर विस्थापितों एवं रैयतों की सभा को सोमवार को गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने संबोधित किया।

इसके पूर्व उक्त स्थल पर पहुंचने पर सांसद का स्वागत विस्थापित संघर्ष समिति के सचिव डॉ दशरथ महतो, जानकी महतो, अनवर आलम एवं सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव ने किया। सांसद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विस्थापितों द्वारा फेज दो परियोजना में नियोजन की मांग जायज है और सीसीएल प्रबंधन को विस्थापितों एवं रैयतों को विश्वास में लेकर पूरी पारदर्शिता के साथ काम करनी होगी, और ऐसा नहीं करने की स्थिति में सीसीएल का काम पूरी तरह से बंद रहेगा। सीसीएल प्रबंधन को पूरा आंकड़ा दिखाना होगा कि कितने लोगों को पुर्नवास करना है, कितने लोगों की जमीन का अधिग्रहण किया है और कितने लोगों का नियोजन दिया है। साथ ही कितने लोगों का नियोजन किया जाना है। सांसद ने पिछले दिनों पुलिस प्रशासन के बल पर सीसीएल प्रबंधन द्वारा जबरन पुर्नवास के कार्य को करने को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि पुलिस एवं प्रशासन के बल पर कार्य नहीं किया जा सकता है और प्रशासन या पुलिस ऐसा करती है तो वह भुगतने को तैयार रहे। कहा कि आज सीसीएल प्रबंधन का कोई भी अधिकारी कहने के बाद भी पूरे मामले को लेकर नहीं आये हैं। सभा का संचालन डॉ दशरथ महतो एवं धन्यवाद ज्ञापन नोगश्वर महतो ने किया। सभा में सांसद प्रतिनिधि दीपक महतो, जिप सदस्य शहजादी बानो, नरेश प्रजापति, मंजूर आलम, विश्वनाथ यादव, दशरथ महतो, मुखिया विश्वनाथ महतो, सुनील महतो, मुन्ना साव, उपरघाट के पूर्व जिप सदस्य टिकैत महतो, प्रफुल्ल ठाकुर, सीमा देवी, रोशन आरा, रोशनलाल यादव, शशि महतो, जलेश्वर महतो सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

सांसद ने बाद में गिरिडीह सांसद ने डीवीसी के निदेशक भवन में डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, डीजीएम प्रशासन बीजी होलकर के साथ डीवीसी के विस्थापितों, पावर प्लांट में काम करनेवाले कंपनियों में नियोजन एवं 800 मेगावाट के नए पावर प्लांट का निर्माण को लेकर वार्ता की।

गांवों के विकास को लेकर डीवीसी सतत प्रयत्नशील : परियोजना प्रधान

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल डीवीसी पावर प्लांट स्थित तकनीकी भवन के सभागार में सोमवार को सीएसआर के तहत ग्राम विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया ने की। बैठक में सीएसआर के डीजीएम बीजी होलकर ने वर्ष 2024-25 के तहत सीएसआर की पूरी गतिविधियों की जानकारी बैठक में रखी और वर्ष 2025-26 के लिए सीएसआर के तहत आनेवाले गांवों में विकास की योजनाओं को लेकर सुझाव सभी प्रतिनिधियों से मांगा गया। बैठक में योजनाओं को लेकर सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार रखे। एचओपी ने कहा कि डीवीसी सीएसआर के तहत अपने ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विकास के कार्य कर रही है। कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को लेकर डीवीसी मुख्यालय सतत प्रयत्नशील है।

Page - 06_Page - 06.qxd 18-02-2025 03:01 Page 1

भारत-अमेरिका मैत्री से खुलेंगे विकास के नए रास्ते

ललित गर्ग

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वातार्कार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना

नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वाताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

नाकामी का नतीजा

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़. में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़.स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़.बढ़ने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढक्स्ली भीड़.के कारण भगदड़.हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़.को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़. में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। निःसंदेह इतनी भारी भीड़.को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़.के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा ड़ालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़. को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़.कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े.आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

चिंतन-मनन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूणाशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।

कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता।

भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

फिल्म संगीत से गायब होती मधुरता

भारतीय फिल्में सारी दुनिया में उत्साह और उमंग के साथ देखी जाती हैं। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों से ज्यादा उनका संगीत पसंद किया जाता था। भारतीय फिल्मों की पहचान ही उनका कर्णप्रिय और सुमधुर संगीत हुआ करता था लेकिन समय के साथ अब यह पहचान धूमिल होती जा रही है। फिल्मी संगीत अब अपनी मधुरता खोता जा रहा है। कहा जाता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा होता है। हमारी सांसे भी संगीत की ताल और लय के अनुसार चलती हैं। मधुर संगीत मनुष्य को तनावमुक्त करता है। शास्त्रीय संगीत के हर राग का अपना विशेष महत्व है। अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि मनुष्य के रोगोपचार में भी शास्त्रीय संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब विज्ञान एवं चिकित्सा जगत शास्त्रीय संगीत की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं, तब फिल्मों से गायब होता शास्त्रीय संगीत सबको चौंका देता है। आधुनिक समय में क्षणिक आनंद के लिए फिल्मों में हुल्लड़बाजी और शोर-शराबे से भरे गीत डाल दिए जाते हैं जो कुछ ही समय बाद गुमनामी की गर्त में समा जाते हैं। इसके विपरीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत लोग वर्षों बाद भी याद रखते हैं। वैसे गीत-संगीत भारतीय फिल्मों की आत्मा है और यहां वही गीत अमर हो पाते हैं जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित होते हैं। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' में कुल ग्यारह गीत थे, जो इस बात के प्रमाण हैं फिल्मों में आरंभ से ही गीत-संगीत को आवश्यक तत्व माना जाता रहा है। इस फिल्म के सभी गीत शास्त्रीय रागों पर आधारित थे। आरंभिक दौर की फिल्मों में अधिकांश गीत शास्त्रीय रागों पर ही आधारित हुआ करते थे। उसी समय बनी एक फिल्म इन्द्रसभा में तो 71 गाने थे। राग आधारित गीत चाहे वे सुख के हों या दुःख के, मिलन के गीत हों या विरह के या फिर नृत्य गीत ही क्यों न हों सभी को सुनने का एक अलौकिक आनंद होता था। इस तरह के सैकड़ों गीत वर्षों बीत जाने के बाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। सुप्रसिद्ध फिल्म 'बैजूबावरा' का गीत-मोहे भूल गये सांवरिया, तू गंगा की मौज में जमना का धारा, 'संत ज्ञानेश्वर' फिल्म का गीत 'जोत से जोत जलाते चलो'या फिर मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्म ''उपकार₹ का गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती' क्या कोई कभी भी भुला सकता है? ये सभी गीत राग भैरवी पर आधारित हैं। झूमती चली हवा (फिल्म-तानसेन, राग सोहनी) मधुबन में राधिका नाचेगी (फिल्म-कोहिनूर, राह हमीर) नैनों में बदरा छाए (मेरा साया, राग हमीर) के अलावा राग हमीर के ही गीत ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी, मेघा छाए आधी रात गीत आज भी अविस्मरणीय हैं। राग मियां मल्हार के गीत बोले रे पपीहरा (गुड्डी), राग वागेश्वरी के राधा न बोले (आजाद) बसंत बहार के जा जा रे बालमा, राग कल्याण का मन रे तू काहे न धीरे धरे (चित्रलेखा), यमन कल्याण के मितवा (परिचय), तुम गगन के चंद्रमा में धरा की धूल हूं (सावित्री), लगता नहीं है मेरा दिल (लाल पत्थर), अहिर भैरव का पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, राग तिलंग का पिया तोसे नैना लागे (गाइड), राग जयजयवंती का मनमोहना बड़े झूठे, राग देशकार का ज्योति कलश छलके, राग केदार का दरशन दो घनश्याम, पल दो पल का साथ हमारा (द बर्निंग ट्रेन), राग तोड़ी का रैना बीती जाए (अमर प्रेम), राग शिवरंजनी का जरा सामने तो आओ छलिये जैसे गीत आज वर्षों बीत जाने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। आज के इस दौर में जहां केवल तेज संगीत को ही सफलता का सूत्र माना जाता है, वहां आजकल के संगीतकार भूल जाते हैं कि तेज संगीत में भी यदि कलात्मकता हो तो उसे सर्वकालीन और सर्वप्रिय बनने से कोई नहीं रोक सकता। फूहड़ और शोर-शराबे से भरपूर गीतों को क्षणिक लोकप्रियता भले ही मिल जाए लेकिन सदाबहार गीत वही हुआ करते हैं जो सरल, मधुर और कर्णप्रिय होते हैं। क्या आज के दौर के संगीतकार शंकर-जयकिशन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, फिरोज शाह, पंकज मलिक, गुलाम हैदर, खेमचंद, नौशाद, सचिन देव बर्मन, सी. रामचंद्र, रोशन, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, चित्रगुप्त या फिर आर.डी. बर्मन जैसे संगीत निर्देशकों की तरह सुरीले गीत दे पाएंगे? रीमिक्स को सफलता का पैमाने मानने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि आजकल के गाने पानी में उठे उस बुलबुले के समान हैं जो क्षण भर का मेहमान होता है जबकि पुराने संगीतकारों के शास्त्रीय संगीत युक्त गीत गगन में चमकते उस सूरज के समान हैं, जिसकी आभा कभी मद्धिम नहीं होती। इस दौर में भी प्रतिभाशाली संगीतकारों की कमी नहीं है। अब अच्छे संगीतकारों की प्रतिभा भी अपना करिश्मा नहीं दिखा पा रही है। संगीत किसी भी राष्ट्र की सभ्यता संस्कृति व संस्कारों का दर्पण होता है। हमारे देश में संगीत को इतना सम्मान दिया जाता है कि देवी सरस्वती (जिन्हें संगीत की देवी भी कहते हैं) घर-घर में पूजी जाती हैं। आज भी सारी दुनिया में लता मंगेशकर और जगजीत सिंह के गीत बड़े ध्यान से सुने जाते हैं। भारतीय संगीत से सारे विश्व को गुंजायमान करने के लिए फिल्मकारों को आगे आना होगा और एक बार फिर से शास्त्रीय संगीत पर आधारित सुरीले गीतों की रचना करनी होगी तभी वे 'ज्योति कलश छलके' जैसी कालजयी रचनाओं का निर्माण कर सकेंगे।

-अंजनी सक्सेना

जयन्ती पर विशेष : धर्म अध्यात्मः महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज

की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं।

विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

Page - 07_Page - 07.qxd 18-02-2025 03:01 Page 1

क्या पहनाएं बच्चों को

यदि आप किसी शादी में जा रही हों तो अपने बच्चे पर शेरवानी ट्राई कर सकती हैं। ये आपके बच्चे को ट्रेडिशनल लुक तो देता ही है, साथ ही साथ बच्चा स्टाइलिश भी लगता है। इसके अलावा ब्राइट कलर वाली प्लेन शेरवानी भी पहनाई जा सकती है। साथ ही ड्रेस से मैच करते हुए नागरे या जूतियां पहनाएं। शेरवानी के साथ ही कोट पैंट भी एक बढ़िया ऑपशन है। फॉर्मल पैंट के साथ डिजाइनदार शर्ट पहनाएं। यदि ठंड का मौसम हो तो कढ़ाई वाला कोट भी पहनाया जा सकता है। और हां गले में बो पहनाना न भूलें, इससे आपके बच्चे का स्मार्ट लुक आता है। फूटवियर्स के तौर पर आप लेदर के शूज पहनाएं,और यदि आपका बच्चे के साथ किसी बर्थ-डे पार्टी में जा रही है तो बच्चे को डेनिम जींस के साथ शर्ट पहनाएं व लाइट वाले स्टाइलिश जूते पहनाएं। यदि आपके बच्चे का ही बर्थ-डे हो तो बच्चे को मल्टी पॉकेट पैंट्स के साथ ब्राइट कलर वाली टी-शर्ट पहनाएं।

बच्चों को वक्त देना जरूरी

तो क्या बेस्ट मॉम बनने के लिए बच्चे को ज्यादा वक्त देना जरूरी है? डीयू के एक कॉलेज में कंप्यूटर साइंस की टीचर संगीता पाठक इसका जवाब 'हां' में देती हैं। हायर एजुकेशन ले रहे दो बच्चों की मां संगीता बताती हैं कि बेहतर टाइम मैनेजमेंट मां के लिए बड़ा चैलेंज है। ग्रेजुएशन खत्म होने से पहले ही मेरी शादी हो गई थी, इसलिए मां बनने के बाद पढ़ाई और फिर कैरियर को आगे बढ़ाना भी एक चैलेंज था। मैंने प्राइमरी टीचर बनकर काम शुरू किया। कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई भी साथ-साथ चलती रही। नन्हे बच्चे को धूप में बाहर लाना अच्छा नहीं लगता था, पर स्कूल से लौटते वक्त उसे क्रेच से घर लाना पड़ता था। बड़े होते बच्चों के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ीं। शाम को कभी बेटे को स्केटिंग या स्विमिंग क्लास ले जाना होता था, तो कभी बेटी को डांस क्लास। उनकी पढ़ाई और होमवर्क की जिम्मेदारी थी, सो अलग।

उपहार का महत्व

तोहफे किसको पसंद नहीं होते, ये आपके भाव को व्यक्त करने में सबसे अहम रोल निभाते हैं। इसमें आप अपने भरोसेमंद दोस्त की मदद भी ले सकती हैं। अगर आपके पार्टनर के पास प्रमोशन या न्यू प्रॉजेक्ट जैसी सेलिब्रेट करने की कोई वजह हो, तो उन्हें चॉकलेट्स, एक वाइन बॉटल, फूल या उनका कोई पसंदीदा गिफ्ट भेजकर सरप्राइज दे सकते हैं। यकीन मानिए, यह चीज वह कभी नहीं भूलेंगे। यदि आप दोनों की आदतें या खान-पान, एक जैसा होता है तो मजा आ जाता है, ऐसे में आपको बात करने के आपस में कनेक्टेड रहने के लिए एक जैसी हॉबीज डिवेलप करने से अच्छा बहाना कुछ नहीं हो सकता।

फीलिंग से नहीं चलते रिश्ते

कोई आपको पहले से हो या आप किसी को प्रपोज करने की सोच रहीं हो। क्या आप उसे लेकर इतनी सीरियस हैं कि शादी के बारे में सोचें? हो सकता है कि आपको सवाल थोड़ा अजीब लगे, लेकिन एक बार इस पर भी विचार करके जरूर देखें। गौरतलब है कि आपके प्यार का रिश्ता एक तरह से आपकी सोसाइटी का आधार है। इसकी थीम है 'लव वन-अनदर' यानी एक-दूसरे की कमियों को एक्सेप्ट करके अपने पार्टनर को प्यार करना। बेशक 'हैपिली मैरिड' का कॉन्सेप्ट इसी थीम पर टिका है, जहां आप दूसरे को इस हद तक स्वीकार करें कि उसकी कमियों के साथ चलने में आपको कोई प्रॉब्लम न हो।

कसौटी रिश्तों की

तमाम बदलावों के साथ रिश्तों की कसौटियां भी चेंज हुई हैं। जाहिर है कि मैरिज को भी हम इससे बचाकर नहीं चल सकते। तनाव, कमिटमेंट से घबराहट, कैरियर में आगे बढ़ने की चाह जैसे तमाम कारण हैं, जो लोगों को शादी में सेटल होने नहीं दे रहे हैं। यदि ऐसे में आप एक दूसरे की भावनाओं को समझ-बूझकर हर कदम को चलें। मनोवैज्ञानिक इसे आने वाले समय की बड़ी जरूरत बताते हैं और इसे प्रमोट करने की फेवर में हैं। आजकल की जेनरेशन अपने कैरियर और फाइनैंशियल प्लानिंग में इतनी बिजी है कि शादी के पॉजिटिव इंपैक्ट उसे नजर ही नहीं आते। हालांकि वैलंटाइंस डे और डेटिंग के लिए तमाम ऑप्शंस होने के बावजूद वे अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में वर्तमान में वर्ल्ड मैरिज डे जैसे मौके उन्हें रिश्तों को नए सिरे से समझा सकते हैं। वैसे, इस तरह ग्लोबलाइजेशन के दौर में हमारी इंडियन 'फैमिली वैल्यूज' और 'हैपी मैरिड कपल्स' की परंपरा को भी वर्ल्ड फोरम में नई पहचान मिल सकेगी।

पश्चिम का दिख रहा असर

भले ही रिलेशंस को लेकर खुले नजरिए और डिवोर्स केसेज के बढ़ते रेट्स को विदेश की देन माना जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वहां सब कुछ खराब ही है। बल्कि वहां से भी कुछ बातों को सीखी ही जा सकती हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट डॉ. निशा खन्ना कहती हैं, 'इस मुद्दे को कल्चरल इम्पैक्ट के तौर पर ना देखा जाए। दरअसल, सभी अपनी जरूरत के हिसाब से ही किसी चीज को अपनाते हैं। जब वहां शादियों में प्रॉब्लम्स आनी शुरू हुईं और पार्टनर्स के बीच डिफरेंसेज बढ़ने लगे, तो भारत ने भी एक दिन जो फरवरी के दूसरे हफ्ते के रविवार को आता है को चुन लिया। हालांकि वहां किसी रिलेशनशिप एक्सपर्ट के पास जाना भी कोई टैबू नहीं है, लेकिन यहां किसी को ऐसी सलाह देने का मतलब है बुराई मोल लेना। बेशक अगर हम प्यार करने का तरीका वेस्ट से ले सकते हैं, तो रिलेशंस को ठीक रखने के लिए एक बार उनके तरीके पर नजर तो डाल ही सकते हैं। हालांकि यह किसी पहल की तैयारी नहीं है, बल्कि मुद्दा है एक प्यार भरे रिश्ते की मिठास व गर्माहट को बरकरार रखना। फिर देश या कल्चर कोई भी हो, यह बात सभी जगह कॉमन है कि बिना इमोशनल सैटिस्फैक्शन के जिंदगी कभी पूरी नहीं होती। यह बात पूरी तरह सही है कि वैलेंटाइंस डे जैसे दिन हमें अपने इमोशंस को पहचानना व एक्सप्रेस करना सिखाते हैं। लेकिन रिश्ते में सिर्फ फीलिंग्स होना ही काफी नहीं है, बल्कि इसे निभाने के लिए आपके पास कमिटमेंट के साथ सही अप्रोच भी होनी चाहिए। इसी तरह ही हम रिलेशंस की मिठास व अहमियत को जान पाते हैं और ऐसे में समय-समय पर एक दूसरे के साथ कुछ पल बीताना तथा अपनी यादों को उत्सव के तौर पर जीना भी सही है। कॉल सेंटर एंप्लॉई रीना बतरा शादी को एक्सेप्टेंस फैक्टर से जोड़ती हैं। उनके मुताबिक, विवाह और हमारे रिश्ते इस बात का अहसास करवाने के लिए हैं कि आपको शादी प्यार के आगे की एक कड़ी है। उनका कहती हैं, 'मैं अपने पैरंट्स की लाइफ देखकर यही सोचती हूं कि क्या मुझे इतने एक्सेप्टिंग नेचर की लाइफ पार्टनर मिलेगा। ऐसे में मैं मानती हूं कि रिलेशन में कमिटमेंट होना चाहिए।

किसी से प्यार करती हैं, तो शादी का इरादा भी रखती होंगी। अगर अपने प्रियतम के साथ आप सात जन्मों का कमिटमेंट चाहती हैं, तो इन बातों को फॉलो कर अपने रिश्तों में गहराई ला सकती हैं।

चाहे कोई भी मौसम हो, त्वचा और बालों की बारह महीने, तीसों दिन देखभाल करनी पड़ती है। नहीं तो चांद सा सुंदर चेहरा आंखों का रंग सुनहरा धूमिल पड़ने लगता है। यदि इसे बरकरार रखना है तो हमेशा इसका ध्यान रखना पड़ेगा। और समय समय पर प्राकृतिक सुंदरता बरकरार रखने के लिए प्रकृति के रंगों को चुनना होगा।

होममेड फेसपैक

हमेशा ध्यान दें कि आपकी स्किन का टाइप क्या है, उसको देखकर ही फेस पैक लगाएं—

ड्राय स्किन के लिए: दो टेबलस्पून मसूर दाल को बारीक पीसकर उसके आटे में थोड़ा सा जैतून का तेल व ग्लिसरीन मिलाकर पेस्ट बना लें और लगाएं। इससे रूखी त्वचा में निखार आ जाता है।

नॉर्मल स्किन के लिए: एक चम्मच ऑरेंज पील पाउडर एवं गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से लगाएं। लगाने के बाद इसे कुछ समय के लिए छोड़ दें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

खास है हर्बल फेशियल

खूबसूरत त्वचा हर किसी को अपनी ओर अट्रैक्ट करती है, लेकिन सभी की त्वचा खूबसूरत नहीं होती। किसी की खुरदरी तो किसी की बहुत ज्यादा तैलीय होती है। अपनी त्वचा को कुछ खास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आप अपनी स्किन का पूरा-पूरा ख्याल रखें। वैसे भी आजकल वातारण में प्रदूषण बहुत अधिक है। जो स्किन प्रॉब्लम्स के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में चाहें तो कुछ फेशियल ट्राई कर सकती हैं। ये आपकी त्वचा के लिए लाभकारी हो सकते हैं। आजकल मार्केट में बहुत से फेशियल्स हैं, लेकिन सबसे खास है हर्बल फेशियल। यह स्किन पर एक अलग तरह का ग्लो ला देते हैं, जिससे चेहरा खिल-खिल जाता है।

क्लीजिंग

हर्बल फेशियल में खीरा, गुलाब, नींबू और चंदन आदि मिला होता है। घरेलू हर्बल फेशियल आप घर पर भी कर सकती हैं। यदि आप घर में ही फेशियल कर रही हैं तो क्लीजिंग के लिए एक टेबल स्पून चावल के आटे में दो टेबल स्पून दही मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर अच्छी तरह मलें, फिर चेहरा ताजे पानी से धो लें।

जरूरी है मालिश

क्लीजिंग के बाद फेस की मसाज करें। मालिश के लिए मलाई में कुछह बूंदे बादाम का तेल मिलाकर प्रयोग करें। मालिश गर्दन से शुरू करके ठुड्डी, मुंह, नाक, गाल और माथे पर करें। मालिश हमेशा हल्के हाथ से नीचे से ऊपर की ओर तथा गोल-गोल घुमाते हुए करें। इस क्रिया से रक्त संचार बढ़ेगा तथा आप अपने को तनावमुक्त महसूस करेंगी। अंत में अंगुलियों के पोरों से पूरे चेहरे को थपथपाएं।

स्टीम

मसाज के बाद स्टीम लें। बाउल में पानी उबालकर थोड़े नीम के पत्ते भी डाल दें। फिर स्टीम लें। नीम की भाप आपकी स्किन को काफी फायदा पहुंचाएगी। इसके बाद ब्लैकहेड रिमूवर की सहायता से ब्लैकहेड्स निकालें। अब तौलिए से चेहरा पोंछकर फेसपैक लगाएं।

संभालकर रखें पर्ल जूलरी

रॉयल लुक देने वाली पर्ल जूलरी को करीने से संभालकर रखना बेहद जरूरी है, तभी इसकी सुंदरता और चमक लंबे समय तक बरकरार रखी जा सकती है। पर्ल ऑर्गनिक मैटीरियल से तैयार किया जाते हैं। इसमें गोल्ड व सिल्वर का इस्तेमाल भी खूब होता है। लंबे समय तक इनकी शाइनिंग बरकरार रखने के लिए इन्हें डस्ट, स्क्रेच व दूसरे डैमेज से बचाना जरूरी होता है। यदि आप पर्ल जूलरी पहनी हो, तो डिटर्जेंट का इस्तेमाल अवॉइड करें। बेकिंग सोडा और ब्लीच का यूज भी ना करें। इनमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स पर्ल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। समय-समय पर इसकी सफाई करते रहे। सफाई के लिए मुलायम कपड़े का ही इस्तेमाल करें। यह पर्ल को नुकसान पहुंचाए बिना ही डस्ट हटा देगा। जब भी परफ्यूम और हेयर स्प्रे का इस्तेमाल करें, तो ध्यान रखें कि इसे जूलरी पर न छिड़कें। इससे इसका कलर जाने की संभावना बनी रहती है। मेकअप पूरा होने के बाद ही जूलरी पहनें वरना मेकअप का कलर जूलरी में लग सकता है। पर्ल जूलरी को मेटलिक जूलरी के साथ ना रखें, बल्कि इसे एक मुलायम कपड़े में लपेट कर रखें। नहाते समय जूलरी निकाल दें, क्योंकि पानी का क्लोरीन पर्ल के लिए बेहद नुकसानदेह होता है।

कूल शर्ट्स

फैशन के रंग मौसम की रंगत के साथ बदलने लगते हैं और सर्दी का मौसम इसके लिहाज से सबसे मुफीद होता है। इन सर्दियों में नॉटिका के स्प्रिंग कलेक्शन से आप अपने वार्डरोब को कूल और ट्रेंडी बना सकते हैं। वॉटर, पीपल और आर्किटेक्चर के स्पिरिट से इंस्पायर्ड ये शर्ट्स हर अकेजन के लिए फिट हैं। सिग्नेचर नेवी, सेल वाइट, नून ब्लू और यलो जैसे शेड्स वाली ये शर्ट्स आपको क्लीन लुक दे सकती हैं।

खान सर बोले-2025 में जीतना है तो री-एग्जाम करवाए सरकार

पटना। BPSC 70वीं PT को रद्द करवाने की मांग को लेकर कैंडिडेट्स एक बार फिर सड़क पर हैं। पटना में आज (सोमवार को) अभ्यर्थी प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले खान सर का भी समर्थन मिला है। सैकड़ों छात्रों के साथ खान सर भी सड़क पर उतरे हैं। अभ्यर्थियों के साथ गर्दनीबाग पहुंचे हैं। खान सर ने कहा कि 'हम लोग कुछ गलत नहीं बोल रहे हैं। हम लोगों की सिर्फ एक ही मांग है री-एग्जाम। एग्जाम में धांधली हुई है। कोई गलत डिमांड नहीं कर रहे हैं। सरकार के हित में री-एग्जाम होगा।' 'सरकार अगर चाहती है कि नाराजगी ना झेले, 2025 का फैसला उनके फेवर में हो तो री-एग्जाम करवा दे। अधिकारियों के सुझाव में सरकार न आए। सरकार बात को इगो पर ले रही है, ये राजनीति नहीं है। इस बार हम अपनी पीठ मजबूत कर के आए हैं।' इधर, गुरु रहमान भी गर्दनीबाग पहुंचे हैं। भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा कि, 'आज मामले पर फैसला हो जाएगा। आज महाजुटान है। कोर्ट में भी सुनवाई होनी है।' इधर, प्रदर्शन को देखते हुए पटना में BPSC और JDU ऑफिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। री-एग्जाम का मामला पटना हाईकोर्ट में भी चल रहा है। इस मामले में पहली

सुनवाई 16 जनवरी को हुई थी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने 30 जनवरी से पहले BPSC को एफिडेविट देने को कहा था। हालांकि कोर्ट ने PT एग्जाम पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कई बार मामला लिस्टेड होकर भी सुनवाई नहीं हुई। आज इस मामले में सुनवाई हो सकती है। आज की डेट में यह मामला 37 नंबर पर लिस्टेड है। BPSC 70वीं PT री-एग्जाम को लेकर प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज समेत कई अन्य याचिकाएं पटना हाईकोर्ट में दायर की गई है। इसे अब एक साथ जोड़ दिया गया है। जनसुराज के अलावा पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और खान सर की ओर से भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसमें री-एग्जाम कराने और प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों के खिलाफ दर्ज FIR को वापस लेने की मांग की गई है। पटना के डाकबंगला चौराहा में सुरक्षा बढ़ाई गई है। BPSC अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए हैं। मीडिया से बात करते हुए खान सर ने कहा- 'हमलोग सरकार को बस यही बताना चाहते हैं कि री-एग्जाम से आप लोग का ही भला होगा। आप अपने अधिकारियों के सुझाव में मत आइए। री-एग्जाम होने से आपका ही भला होगा। हमलोगों की मांग कहीं से गलत नहीं है। बिल्कुल धांधली हुई है।' विवाद के बीच 13 फरवरी को खान सर ने नया दावा किया था। उनका कहना है कि, 'हमने 2 महीने तक पता लगाया। हमें जानकारी मिली कि नवादा और गया के ट्रेजरी से पेपर गायब थे। फिर हमें पता चला कि गायब पेपर को BPSC ने बापू परीक्षा केंद्र पर दिया। जो पेपर कबाड़ में बेचना था, वो 4 जनवरी को पेपर दिया गया। जिस कारण 3 गुना परिणाम आए।' इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमें वो वीडियो भी मिल गया है, जिसे लेकर परीक्षा में धांधली की गई। हम लोग 2 महीने से जिस सबूत को खोज रहे थे, वो हमारे हाथ लग गया है।

मुंगेर में छोटे भाई की जगह परीक्षा दे रहा था,गिरफ्तार

सीतामढ़ी में एंट्री नहीं मिलने पर दो छात्राएं बेहोश

पटना। बिहार से मैट्रिक की परीक्षा शुरू हो गई है। एग्जाम 25 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा के लिए राज्यभर में 1677 सेंटर बनाए गए हैं। इस बार परीक्षा में 15.85 लाख छात्र शामिल हुए हैं। इनमें 7.67 लाख छात्र और 8.18 लाख छात्राएं हैं। परीक्षा दो पाली में हो रही है। एग्जाम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुंगेर में एक फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया गया है। टाउन उच्च विद्यायल में आरोपी युवक अपने छोटे भाई के बदले खुद परीक्षा दे रहा था। इधर, सीतामढ़ी में 2 मिनट लेट पहुंची परीक्षार्थियों को एंट्री नहीं मिली, जिसके बाद दो छात्राएं बेहोश हो गईं। भागलपुर के मारवाड़ी पाठशाला में लेट से पहुंचे छात्रों को एंट्री नहीं मिली तो परिजनों ने हंगामा किया। हंगामे के दौरान परिजन ने परीक्षार्थी को मारने की बात कही। युवक ने कहा- लेट हो गए तो क्या लाश गिरा दें इसका? गेट खोलिए वर्दी उतरवाने की हैसियत रखते हैं। पुलिस ने परीक्षार्थियों को समझा बूझकर शांत कराया गया। इधर सुपौल में एग्जाम देने जा रहे छात्रों से भरा ऑटो पुलिस वैन से टकरा गया। टक्कर के बाद दोनों गाड़ियां नहर में गिर गई। हादसे में 5 छात्र घायल हुए हैं।

पटना से लापता युवती प्रयागराज में मिली

पटना। चित्रगुप्त नगर थाना इलाके से लापता युवती को पुलिस ने प्रयागराज के कोतवाली थाना इलाके से बरामद कर लिया। वह 13 फरवरी को लापता हो गई थी। थानेदार आलोक कुमार ने बताया कि उसका फोटो रेलवे पुलिस के ग्रुप में डाला गया था। 14 फरवरी को प्रयागराज के कोतवाली थाने से कॉल आया कि युवती इस इलाके में है। युवती मानिसक रूप से बीमार है। थानेदार ने बताया कि वह नहीं बता पा रही है कि वह पटना से प्रयागराज कैसे पहुंच गई।

बाढ़ में ट्रैक्टर ने 3 युवक को कुचला,1 की हुई मौत,2 की हालत गंभीर

पटना। बाढ़ के लक्ष्मीपुर गांव के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। जबकि, दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना एनटीपीसी थाना क्षेत्र की है। ट्रैक्टर ने तीन युवकों को कुचल दिया है।

6 साइबर अपराधी गिरफ्तार लोन देने का झांसा देकर करोड़ों की ठगी

16 मोबाइल, 2 लैपटॉप और 5 एटीएम कार्ड बरामद

पटना। साइबर पुलिस ने रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के न्यू जगनपुरा के पास एक घर के तीसरे तल्ले पर छापेमारी की। इसमें 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग फर्जी एप बना कर लोन देने का ऐड सोशल मीडिया पर डालते थे। इसी से लोग फंस जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों में गोलू कुमार, राजेंद्र, मनोहर, एस महेश, मुनीर और गुनापोवास्तया शामिल है। इनसे पूछताछ में पता चला कि ये लोग अभी तक लगभग 500 से ज्यादा लोगों लोन देने के नाम पर ठगी का शिकार बना चुके हैं। इन लोगों ने अब तक 2 करोड़ रुपयों की ठगी की है। ये लोन देने के नाम पर लोगों से टोकन मनी, रजिस्ट्रेशन मनी, कमीशन या जल्दी लोन करा देने के नाम पर लोगों से 20 से 60 हजार तक पहले मांगा लेते थे। बाद में मुकर जाते थे। इनके पास से पुलिस ने 16 मोबाइल, 2 लैपटॉप और 5 एटीएम कार्ड बरामद किया है। फेसबुक पर धनी एप के जरिए लोन देने का करते थे ऐड शातिर फेसबुक पर धनी एप से लोन लेने के लिये फर्जी ऐड डालता था। ये लोग इस नंबर 918981547139 का इसमें डालते थे। लोग इस नंबर पर कॉल करते थे। ये लोग लोन को प्रोसेस करने के लिये लोन अमांउट के आधार पर उनसे रकम ले लेते थे। और बाद में मुकर जाते थे। नालंदा का था सरगना, 40 प्रतिशत देता था कमीशन नालंदा के बिहारशरीफ स्थित बनीलिया हाट निवासी गोलू इस पूरे गैंग का मास्टरमाइंड है। गोलू ने नौकरी के नाम पर कर्नाटक के रहने वाले सभी को बुलाया था। इसके बाद उसे इन्हें साइबर फ्रॉड का ट्रेनिंग देकर ठगी कराना शुरू करा दिया। पुलिस ने इसके अलावा कर्नाटक के राजेंद्र, मनोहर, एस महेश, मुनीर और गुनापोवास्तया को गिरफ्तार किया है। गोलू इन लोगों को ठगी के पैसे में से 40 प्रतिशत का शेयर देता था। गोली ही इन लोगों के खाने पीने रहने और पॉकेट खर्च का सारा पैसा देता था। पुलिस को इन लोगों से कई अहम जानकारी हाथ लगी है। पुलिस इनके बाके के गैंग की तलाश में छापेमारी कर रही है। पटना में साइबर ठगों ने एक महिला से ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

पेज एक के शेष

चुनाव नतीजों पर सवालिया निशान लगाना उचित नहीं : राजीव कुमार...

राजीव कुमार ने चुनावी खर्चों और चुनावी वादों के लिए वित्तीय पारदर्शिता बरतने का आह्वान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारतीय चुनाव प्रणाली दुनिया की सबसे विशाल और पारदर्शी चुनाव प्रणाली है।

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी गुणवत्ता के साथ दुनिया के तमाम देशों के लिए प्रेरणा का काम करती है, इसलिए भारत को चाहिए कि अपनी इस सॉफ्ट पावर का फायदा उठाएं। कुमार ने यह भी कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ, लेकिन परिपक्व लोकतंत्र के हित में ऐसी चालो से बचना ही बेहतर होगा। राजीव कुमार ने कहा कि 1।5 करोड़ मतदान कर्मियों की प्रतिबद्धता, स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करती है, जिससे प्रणाली में जनता का विश्वास मजबूत होता है। संस्थानों पर प्रेरित और चुनाव बाद हमले उनके विश्वास को हिला नहीं पाएंगे, क्योंकि यह 75 साल की विरासत है।

अपनी सेवानिवृत्ति के एक दिन पहले सीईसी राजीव कुमार का इस तरह का बयान सीधे तौर पर विपक्ष पर हमला है, जो चुनाव आयोग पर भाजपा का पक्ष लेने का आरोप लगाता है। विपक्षी दल यह भी कहता है कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में अनियमित एवं से छेड़छाड़, मतदान में गड़बड़ी, चुनाव पूर्व कार्यालय में भेदभाव और इस तरह के अन्य आवश्यक आरोपी के साथ विपक्ष चुनाव आयोग पर मनमानी का आरोप लगता है।

अपने विदाई भाषण में कुमार ने कहा कि आयोग को चाहिए कि वह भविष्य में अनिवासी भारतीयों और प्रवासी श्रमिकों के लिए रिमोट मतदान के प्रावधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान के लिए बायोमेट्रिक का इस्तेमाल कर चुनावी पारदर्शिता में बड़ी क्रांति लाई जा सकती है। उन्होंने फर्जी खबरों की रोकथाम के लिए भी कड़े कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा चुनावों में ए आई के प्रयोग से क्रांति लाई जा सकती है। इसमें मतदान केंद्र वार मतदान पैटर्न में गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए एक योगमापी-टोटलाइजर प्रणाली की जरूरत पर भी प्रकाश डाला ।

आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों की खुली किस्मत, जल्द होंगे रिहा...

मुख्यमंत्री ने कारा महानिरीक्षक झारखंड को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड अवश्य रखें। जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सभी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक में रहे मौजूद

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी विधि विभाग नीरज कुमार, प्रोवेशन पदाधिकारी चंद्रमौली, एआईजी तुषार रंजन गुप्ता, जेलर मो नसीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नियुक्तियों की बहार: सीएम हेमंत 289 चयनित अभ्यर्थियों को आज सौंपेंगे नियुक्ति पत्र...

इन पदों पर होगी नियुक्तियां

हेमंत सरकार ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया है। इसके तहत गार्डेन अधीक्षक के 09 पद, पशु चिकित्सा पदाधिकारी के 08 पद, सेनेटरी एंड फूड इंस्पेक्टर के 12 पद, राजस्व निरीक्षक के 174 पद और विधि सहायक के 44 पदों पर नियुक्ति होगी।

यह विवादित परीक्षा वर्ष 2023 में 29 और 30 अक्टूबर को आयोजित की गई थी और लगभग एक साल बाद अक्टूबर 2024 में प्रमाण पत्र सत्यापन के बाद आयोग द्वारा परिणाम जारी किया गया था। परिणाम को लेकर छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन करते रहे। छात्रों का विरोध प्रदर्शन आयोग कार्यालय से लेकर राजभवन तक जारी रहा। छात्रों के आंदोलन को देखते हुए आयोग ने इसे अंतिम रूप दिया और अब वह समय आ गया है जब राजस्व निरीक्षक समेत कई पदों पर भर्तियां होंगी।

फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार, महाकुंभ गए दोस्त की जगह दे रहा था परीक्षा...

इस दौरान इंटरमीडिएट की परीक्षा में कदाचार का मामला सामने आया है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी फर्जी परीक्षार्थी को गिरफ्तार कर लिया गया है और जेल भेज दिया गया।

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम, होगी बारिश, वज्रपात का येलो अलर्ट जारी...

20 फरवरी को दक्षिण तथा निकटवर्ती मध्य हिस्से में बारिश के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 28-29 और न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

12 डिग्री सेल्सियस रहा रांची का न्यूनतम तापमान

राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान रविवार को 12 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर, बोकारो, चाईबासा, डालटनगंज का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान 11 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सबसे गर्म सरायकेला रहा। वहां का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

एक साल में अयोध्या के राम मंदिर ने बना डाले कई रिकॉर्ड...

यहां सालाना 1500 से 1650 करोड़ रुपये दान आता है। दूसरे नंबर पर केरल का पद्मनाभस्वामी मंदिर है। यहां 750 से 800 करोड़ रुपये सालाना है। इसके बाद तीसरे नंबर पर राम मंदिर है। यहां एक साल में 700 करोड़ रुपये चढ़ावा आया है।

जानिए शिरडी मंदिर की कितनी कमाई

चौथे नंबर पर पंजाब की राजधानी अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर है। यहां 650 करोड़ रुपये सालाना चढ़ावा आता है। पांचवें नंबर पर जम्मू-कश्मीर का वैष्णो देवी मंदिर है। यहां 600 करोड़ रुपये सालाना दान आता है। छठवें नंबर पर महाराष्ट्र का शिरडी साईं मंदिर है। यहां 500 करोड़ रुपये सालाना दान आता है। सातवें नंबर पर ओडिशा में स्थित जगन्नाथ मंदिर, पुरी है। यहां सालाना 400 करोड़ रुपये दान आता है। आठवें नंबर पर नई दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर है। यहां 200 से 250 करोड़ रुपये सालाना चढ़ावा आता है। नौवें नंबर पर गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर है। यहां 150 से 200 करोड़ रुपये दान आता है।

यूपी की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही अयोध्या

अयोध्या उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मजबूत करने के साथ देश की भी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रहा है। जहां अयोध्या में रोजगार बढ़ रहे हैं, तो वहीं होटल व्यवसाय और होम स्टे की कमाई में भी इजाफा हुआ है। होम स्टे की कमाई दो लाख रुपये तक महीना इस समय हो रही है। अयोध्या में 1100 से ज्यादा होम स्टे पंजीकृत हैं।

रेल, सड़क और हवाई मार्ग से बढ़ी पर्यटकों की संख्या

अयोध्या की कनेक्टिविटी बेहतर होने का फायदा राम नगरी को मिला है। वंदे भारत समेत अन्य ट्रेनें अयोध्या तक चलाई जा रही हैं। साथ ही सड़क मार्ग भी बेहतर होने के कारण इसका फायदा मिल रहा है। अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने से भी लोगों को कम समय में अयोध्या पहुंचना हो रहा है।

इंतजार खत्म: दिल्ली को 20 फरवरी को मिलेगा नया सीएम...

ये चेहरे भी दौड़ में

वहीं, सूची में तीसरा नाम आशीष सूद का है, जो दिल्ली में भाजपा का पंजाबी चेहरा हैं। जितेंद्र महाजन को भी सीएम पद का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है। पांचवां नाम विजेंद्र गुप्ता का है। अगर पार्टी किसी महिला नेता को चुनती है, तो दिल्ली की पूर्व मेयर और पहली बार विधायक बनी रेखा गुप्ता का नाम भी संभावित है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़, संगम रेलवे स्टेशन 28 तक बंद...

हालांकि, अभी ट्रैफिक व्यवस्था ठीक चल रही है। कुछ-कुछ जगहों पर ही जाम की स्थिति है। यूपी के डीजीपी ने बताया कि महाकुंभ में आने के लिए प्रयागराज के चारों तरफ से मार्गों पर ट्रैफिक सुचारू रूप से चल रहा है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं से यातायात को सुचारू बनाए रखने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महाकुंभ एक भव्य धार्मिक उत्सव है, जिसमें देश-विदेश से लोग आते हैं। इसलिए सामूहिक सहयोग से इसकी सफलता को बढ़ाया जा सकता है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में पहली बार 20 से 25 मार्च तक सेपक टाकरा वर्ल्ड कप

पटना। बिहार में पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 20 से 25 मार्च के बीच होगा। इसकी तैयारी शुरू है। सभी मुकाबले पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के इंडोर हॉल में होंगे। इसमें 20 देशों के 300 से अधिक महिला-पुरूष खिलाड़ी भाग लेंगे। रविवार को इस संदर्भ में सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह दहिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रण शंकरण ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किया। इससे पहले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप के आयोजन के लिए बिहार सरकार की ओर से 14 करोड़ की राशि कैबिनेट से मंजूर हो चुकी है। एमओयू के मौके पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक सह सचिव रवींद्र नाथ चौधरी, खेल विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार, बिहार सेपक टाकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके जमुआर, सचिव विजय कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव अरुण कुमार और कोषाध्यक्ष डॉ. करुणेष सहित कई लोग उपस्थित थे। कटिहार में खुलेगा सेपक टाकरा का एकलव्य स्कूल : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण ने बताया कि अप्रैल में कटिहार में सेपक टाकरा का आवासीय एकलव्य स्कूल खोला जाएगा। तैयारी हो गई है। एकलव्य स्कूल में प्रतिभा चयन और खिलाड़ियों का प्रशिक्षण भी होगा। बिहार में सेपक टाकरा तेजी से आगे बढ़ रहा है और बिहार के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में भी बिहार के होनहार खिलाड़ी बॉबी कुमार थाइलैंड में अभी प्रशिक्षण और अभ्यास कर रहे हैं। सेपक टाकरा बिहार में प्राथमिकता वाले खेलों की सूची में है और जिस खेल में मेडल मिलेगा या मिलने की संभावना है, उस खेल को पूरी शिद्दत के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। इस आयोजन से अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर बिहार की छवि मजबूत होगी। बताया कि यह तय हो गया है कि इस वर्ल्ड कप में खेलने वाली सेपक टाकरा टीम के खिलाड़ियों की जर्सी पर बिहार का नाम प्रमुखता से लिखा रहेगा। इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन ने भविष्य में इस खेल के बिहार में विकास के लिए प्रतिभा खोज से लेकर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और हर तरह के टेक्निकल सपोर्ट देने पर सहमति जतायी है। सेपक टाकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के साथ दूसरे राज्यों के लिए एक रोल मॉडल साबित होगा। सेपक टाकरा 2011 तक नेशनल गेम्स में शामिल था और जल्द ही फिर शामिल हो जाएगा। उम्मीद है कि 2036 के ओलंपिक में इसको शामिल किया जाए। सेपक टाकरा विश्व कप में शामिल होने वाले देश : जापान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, ईरान, वियतनाम, भारत, ब्राजील, पोलैंड, फ्रांस, नेपाल, श्रीलंका, न्यूजीलैंड, यूएसए, सिंगापुर, चीन, स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, चीनी ताइपे, इटली, लाओस आदि देशों की महिला और पुरूष टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से श्रीलंका, युएसए, सिंगापुर, स्विटजरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई और इटली से सिर्फ पुरुष टीम शामिल होंगे। बाकी देश महिला और पुरुष दोनों वर्ग में भाग लेंगे।

पीएमसीएच का शताब्दी समारोह 25 को, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आएंगी

पटना। पीएमसीएच के शताब्दी समारोह का उद्घाटन 25 फरवरी को ज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। समारोह में वह करीब एक घंटा तक रहेंगी। दोपहर 12:15 बजे आएंगी और 1:15 बजे तक वहां रहेंगी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, सांसद रविशंकर आदि भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी आयोजन सचिव पद्मश्री डॉ. विजय प्रकाश ने दी। इंडियन रेडक्रॉस के सभागार में रविवार को शताब्दी समारोह की कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी।

अब टिकट जांच के बाद ही प्लेटफॉर्म पर इंट्री

पटना। नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के बाद रेल प्रशासन की नींद टूटी है। पटना जंक्शन पर भीड़ प्रबंधन के लिए रविवार सुबह 10:30 बजे दानापुर के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी पहुंचे। स्टेशन और स्टेशन के बाहर के एरिया का मुआयना किया। यात्रियों से बात की। अव्यवस्था देखकर अधिकारियों का क्लास लगाया। बताया कि पटना जंक्शन पर विशेष चौकसी बरती जा रही है। भीड़ को रिजर्व एरिया में रिप्लेस किया जा रहा है। कुंभ को लेकर रोजाना चार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। प्लेटफॉर्म पर विशेष जैकेट वाले कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है ताकि यात्रियों को मदद मिल सके। उन्होंने जंक्शन परिसर और करबिगहिया तरफ एक-एक पंडाल बनाने का निर्देश दिया, जो शाम तक बनकर तैयार हो गए। इनमें 2000 श्रद्धालु बैठकर ट्रेन का इंतजार कर सकते हैं। प्लेटफॉर्म एक और 10 के प्रवेश द्वार पर टिकट जांच की जा रही है। बिना टिकट वाले लोगों को प्लेटफॉर्म पर जाने से रोका जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग चल रही है।

मैट्रिक परीक्षा: आधे घंटे पहले बंद होगा परीक्षा केंद्र का गेट

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक की वार्षिक परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षा में 15 लाख, 85 हजार, 868 परीक्षार्थी शामिल होंगे। 7,67,746 छात्र और 8,18,122 छात्राएं परीक्षा देंगे। 1,677 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षार्थी निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व परीक्षा केंद्र में प्रवेश करेंगे। केंद्र का गेट परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले बंद कर दिया जाएगा। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से होगी। सुबह 8.30 बजे से केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। सुबह नौ बजे केंद्र का गेट बंद हो जाएगा। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो बजे से शुरू होगी। एक बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश शुरू होगा। दोपहर 1.30 बजे गेट बंद हो जाएगा। पटना जिले में 71,669 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। पटना में 73 केंद्रों पर परीक्षा होगी।

Page - 09_Page - 09.qxd 18-02-2025 03:02 Page 1

संभल हिंसा मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

संभल । संभल शहर के कोट गर्वी मुहल्ले में पिछले साल 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मोहम्मद हसन और समद को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में एक सर्वेक्षण के दौरान एकत्र हुई भीड़ का हिस्सा होने की बात स्वीकार की। पकड़े गए दोनों लोगों ने पूछताछ में बताया है कि घटना के बारे में सुनने के बाद वे अंजुमन चौराहे पहुंचे जहां मुन्ना के बेटे सुभान सहित भीड़ एकत्र हुई थी। समूह ने कथित तौर पर लोगों को उकसाया, मामले को धार्मिक बातकर उन्हें एकजुट होने का आग्रह किया। इसके बाद, भीड़ हिंदूपुरा खेड़ा नखासा तिराहे की ओर बढ़ी, जहां उन्होंने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलायीं, पथराव कर पुलिस के एक वाहन को आग लगा दी।

कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में कई स्थानों पर जंगलों में भीषण आग लगी है, जिससे स्थिति गंभीर हो गई है। लोकल विशेषज्ञों ने इन आग की घटनाओं के लिए जलवायु कारकों और मानवीय लापरवाही दोनों को जिम्मेदार माना है। आग त्राल और बांदीपोरा के जंगलों में फैली, जहां त्राल क्षेत्र के पिंगलिश इलाके में आग ने भयावह रूप लिया और आसपास के इलाकों तक फैल गई। अनंतनाग और बांदीपोरा जिले के दादू मरहमा इलाके में भी आग लगी। वहीं बांदीपोरा जिले के कुनान गांव में भी जंगल में आग लगने की सूचना है, जिससे लोग चिंतित हैं। अधिकारियों और आपातकालीन टीमों ने स्थिति को काबू में करने के लिए तेजी से प्रयास शुरू कर दिए हैं, और आग बुझाने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। आग से धुआं दूर से दिखाई दे रहा था, जिससे आस-पास के इलाकों में घबराहट फैल गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय लापरवाही के कारण जंगलों में आग की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कश्मीर में चल रहे सूखे के कारण आग लगने की संभावना बढ़ गई है, और हाल के दिनों में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन अब 28 फरवरी तक बंद

प्रयागराज । महाकुंभ में भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन (दारागंज) को अब 28 फरवरी तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस बाबत डीएम ने मंडल रेल प्रबंधक को एक पत्र लिखा है। स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों से भी अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। बताया जा रहा है कि अगर भीड़ की हालत ऐसी ही रही तो प्रयागराज संगम स्टेशन को आगे भी बंद रखा जा सकता है। महाकुंभ में शनिवार और रविवार को एक बार फिर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। शाम तक रेलवे स्टेशन से आने और जाने वालों की लंबी कतार देखने को मिली। देशभर के रेलवे स्टेशनों से महाकुंभ को लेकर संगम की ओर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आती दिख रही है। जिसके बाद रेलवे ने इमरजेंसी प्लान के लिए 24 घंटे तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। वीकेंड पर आई भीड़ को देखते हुए रेलवे सतर्क है।

राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर 1.80 लाख की ठगी, केस दर्ज

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या स्थित राम मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी की जा रही है। यहां महाराष्ट्र की बुजुर्ग महिला श्रद्धालु को वीआईपी दर्शन कराने का झांसा देकर कर्नाटक के एक जालसाज ने 1.80 लाख रुपये ठग लिए। अयोध्या पहुंचने पर ठगी की जानकारी हुई तो पीड़ित ने कोतवाली अयोध्या में मुकदमा दर्ज कराया है। महाराष्ट्र के दीन दयाल नगर, ठाणे, विष्णुनगर हांविवली निवासी कविता शेट्टी ने कोतवाली अयोध्या में दर्ज एफआईआर में बताया कि सुरेश आचार्य नामक एक व्यक्ति उनके ऑफिस में मिलने आया था। उनकी मां कस्तूरी शेट्टी से भी उसने मुलाकात की और उन्हें तीर्थ यात्रा का झांसा दिया। पीड़ित ने बताया कि वह आचार्य है और कर्नाटक का डिप्टी स्पीकर का करीबी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उसके दोस्त हैं। वह उन्हें अयोध्या में दर्शन के लिए वीआईपी पास दिला देगा। इसके लिए उनसे 1.80 लाख रुपये लिए। रास्ते में उसने टोल टैक्स भी नहीं देने दिए। उसने ड्राइवर को धमकाया और स्वयं को सांसद बताया। अयोध्या पहुंचने पर पता चला कि उसके पास कोई पास नहीं है। बल्कि वह एक जालसाज है, जो बुजुर्ग आदमियों को ठगता है। उनके पिता सुरेश ने उसे पैसे का हिसाब मांगा तो उसने उनकी पिटाई कर दी। उनके वाहन चालक अंकित को भी धमकाया। आरोपी कर्नाटक के बेंगलुरु का रहने वाला है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरु कर दी है।

दुर्घटना में घायल किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया

बेंगलुरु । पंजाब के पटियाला में एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए कर्नाटक के किसान नेता कुरुबुरू शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। शांताकुमार को पंजाब से उपचार के लिए बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, सीएम सिद्धरमैया ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटियाला में तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में शांताकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है। घटना की जानकारी मिलते ही सिद्धरमैया ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शांताकुमार को एयर एंबुलेंस से बेंगलुरु लाया जाए।

दिल्ली में 20 फरवरी को रामलीला मैदान में होगा शपथ ग्रहण, कौन सीएम अभी पता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित कर दी गई है। शपथ ग्रहण समारोह 20 फरवरी को शाम 4.30 बजे रामलीला मैदान में आयोजित होगा। इस मौके पर करीब 30 हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। शपथ ग्रहण के लिए 3 मंच बनाए जाएंगे, जिसमें एक बड़ा मंच (40 बाई 24 का) और दो छोटे मंच भी तैयार किए जा रहे है। मंच पर करीब 100-150 कुर्सियां रखी जाएगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की भारी जीत के बाद, दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तारीख और नाम को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। अब बीजेपी के सूत्रों से समारोह की तारीख और समय की जानकारी दे दी है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन बनेगा।

सीएम की रेस में ये नाम शामिल

दिल्ली में सीएम बनने की रेस में सबसे आगे प्रवेश वर्मा का नाम है। उन्होंने नई दिल्ली सीट पर आप प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को हराया है, इसकारण उनका नाम सबसे आगे चल रहा है। वहीं दूसरा नाम आशीष सूद का है। जो कि दिल्ली भाजपा के महासचिव और जनकपुरी विधायक बने है। वहीं दिल्ली में बीजेपी इस बार महिला चेहरे पर भी दाव लगा सकती है। इसकारण रेस में रेखा गुप्ता का नाम भी आ रहा है। रेखा शालीमार बाग से विधायक बनी है। वहीं विजेंदर गुप्ता, जो कि रोहिणी विधायक और दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता।

इसके अलावा सतीश उपाध्याय का नाम भी इस रेस में शामिल है। वे मालवीय नगर से विधायक और दिल्ली में प्रमुख ब्राह्मण चेहरा। इसके अलावा जितेंद्र महाजन का नाम भी सुर्खियों में हैं वे वैश्य समुदाय से, आरएसएस के मजबूत प्रतिनिधि। इस रेस में दूसरी महिला विधायक शिखा रॉय का नाम भी चल रहा हैं वे ग्रेटर कैलाश से जीतने वाली महिला चेहरा।

बात दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 70 में से 48 सीटें जीतीं, जबकि आप को केवल 22 सीटें मिलीं। यह बीजेपी की दिल्ली में 1993 के बाद पहली बार सरकार बनाने की संभावना को उजागर करता है।

मोस्ट वांटेंड आतंकी हाफिज सईद के साले की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद (एजेंसी। हाफिज सईद के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक विंग के नेता मौलाना काशिफ अली की खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में गोली मारकर हत्या की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, काशिफ अली भारत के सबसे मोस्ट वांटेंड आतंकी हाफिज सईद का साला था।

रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के नेता अली को पख्तूनख्वा प्रांत के स्वाबी में उनके घर के दरवाजे पर गोली मारी गई। अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक पर सवार होकर भाग निकले। पीएमएमएल की स्थापना हाफिज सईद ने की थी। इस पार्टी को लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा के रूप में देखा जाता है। मौलाना काशिफ को हाफिज सईद का दाहिना हाथ समझा जाता था। पीएमएमल के प्रवक्ता ने अली की मौत को आतंकवादी घटना बताया है। काशिफ अली की हत्या ने पाकिस्तान में सनसनी फैला दी है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठनों ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना कर हत्यारों की तत्काल की गिरफ्तारी की मांग की हैं। पिछले एक महीने में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी मारे जा चुके हैं। इसमें दो की मौत सड़क दुर्घटना में हुई है। ये पहली बार नहीं है, जब पाकिस्तान में शीर्ष आतंकियों की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

महाराष्ट्र में जीबीएस से चिंता बढ़ी, कोल्हापुर में तीसरे मरीज की मौत, राज्य में मरने वालों की संख्या 13 हुई

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बढ़ते प्रकोप ने चिंता बढ़ा रही हैं। राज्य में जीबीएस रोग तेजी से फैल रहा है। पुणे, सोलापुर, मुंबई, नागपुर, धुले के बाद अब कोल्हापुर में भी इस बीमारी ने नागरिकों का डर बढ़ा दिया है। खबर है कि कोल्हापुर में जीबीएस रोग से एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। कोल्हापुर में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 3 हो गई है। इससे कोल्हापुर में इस समय भय व्याप्त है। जानकारी के अनुसार कोल्हापुर के राजारामपुरी स्थित शाहूमिल कॉलोनी में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। इससे पहले रेंदाल धोनेवाड़ी में रहने वाले एक बुजुर्ग की जीबीएस के कारण मौत हो गई थी। उनका कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस बीच, कोल्हापुर के छत्रपति प्रमिलाराजे सरकारी अस्पताल में 5 जीबीएस मरीजों का इलाज चल रहा है। उनमें से एक वेंटिलेटर पर है। उधर राज्य में जीबीएस के कारण मरने वाले मरीजों की संख्या 13 तक पहुंच गई है। शनिवार को सांगली में इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। जीबीएस रोग के कारण सबसे अधिक मौतें पुणे में दर्ज की गई हैं। इस बीच, नागपुर में जीबीएस का एक और मरीज पाया गया है। एक 7 वर्षीय बच्चा इस बीमारी से संक्रमित हो गया है। नागपुर मेडिकल कॉलेज में एक महीने में 10 मरीज पंजीकृत हुए हैं। इनमें से 5 मरीज नागपुर, दो मरीज मध्य प्रदेश और तीन मरीज अन्य जिलों के हैं। 16 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आए 10 मरीजों में से 2 की मौत हो गई और 4 को छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल तीन मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस आप से भिड़ी और उसे हराया, अब महाराष्ट्र में उद्धव सेना से होगी जंग

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने अपनी सियासी चाल में बदलाव किया है। अब उसका उदेश्य भाजपा से ज्यादा भाजपा विरोधी दलों को हराने का है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी कुछ तरह का मामला दिखाई दिया। कुछ इसी तरह की महाराष्ट्र में स्थित बनती नजर आ रही है। यहां नगरीय निकाय के चुनाव होना है और इसकी तैयारी भी शुरु हो गई है। ऐसी ही तैयारियों के चलते उद्धव ठाकरे ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में इसके चलते दरार की स्थिति पैदा हो गई है। उद्धव ठाकरे सेना ने दिल्ली की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया है। उद्धव सेना का कहना है कि आम आदमी पार्टी तो गठजोड़ चाहती थी, लेकिन कांग्रेस ने ही उसे भाव नहीं दिया। अंत में दोनों दल अकेले चुनाव लड़े तो करारी हार हुई। अरविंद केजरीवाल और आदित्य ठाकरे के बीच हुई बातचीत के हवाले से उद्धव सेना ने यह दावा किया है। संजय राउत ने पार्टी के मुखपत्र सामना के लिए लिखे एक आर्टिकल में यह दावा किया है।

सवाल यह है कि कांग्रेस को लेकर उद्धव सेना का यह आक्रामक रुख क्यों है। इसकी वजह स्थानीय निकाय के चुनाव माने जा रहे हैं। कुछ समय बाद ही महाराष्ट्र में मुंबई समेत कई शहरों के निकाय चुनाव होने हैं। ऐसे में सीटों को लेकर खींचतान से पहले उद्धव सेना कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश में है। एनसीपी का जनाधार मराठवाड़ा के ग्रामीण इलाकों में माना जाता है। ऐसे में स्थानीय निकाय को लेकर उद्धव सेना और कांग्रेस के बीच ही खींचतान होगी। ऐसी स्थिति में उद्धव सेना पहले ही प्रेशर पॉलिटिक्स खेलने लगी है। बीते सप्ताह ही आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी से मुलाकात की थी।संजय राउत ने लिखा कि अरविंद केजरीवाल ने बताया कि कांग्रेस तो भाजपा की बजाय उन्हें ही हराने की ज्यादा इच्छुक थी। संजय राउत ने लिखा, अरविंद केजरीवाल ने हमें जो

जानकारी दी। वह कांग्रेस को एक्सपोज करने वाली थी। हमने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि आखिर आपने कांग्रेस के साथ चुनाव में गठबंधन क्यों नहीं किया। इस पर केजरीवाल ने कहा कि यह बात गलत है कि हमने साथ नहीं लिया। हम तो उनके साथ गठजोड़ के पूरी तरह पक्ष में थे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'यह सही नहीं है। हम कांग्रेस से गठजोड़ के पक्ष में थे। मैं जब जेल में था तो हरियाणा के चुनाव हुए थे। हरियाणा चुनाव की कमान संभाल रहे राघव चड्ढा मुझसे जेल में मिलने आए तो मैंने कांग्रेस के साथ गठजोड़ की बात की और कहा कि आप सीटों पर फैसला लें।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने हरियाणा की 14 सीटों की सूची कांग्रेस को दी, जो हम लड़ना चाहते थे। फिर राहुल गांधी से वार्ता हुई और कांग्रेस ने 6 सीटें देने पर ही सहमति जताई। राघव ने जब यह बात मुझे कही तो मैंने कहा कि 6 सीटों पर ही राजी हो जाएं। इसके बाद फिर जब संपर्क साधा गया तो राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से बात करने को कहा। जब वेणुगोपाल से बात की गई तो वह 4 सीट पर आ गए और दीपक बाबरिया से बात करने को कहा। राघव ने फिर मुझसे मुलाकात की तो मैंने 4 सीटों पर ही राजी होने को कह दिया। इसके बाद कांग्रेस 2 सीट पर ही आ गई। हम 2 पर राजी हुए तो वे सीटें भाजपा के गढ़ वाली दी जाने लगीं। फिर हमने अलग रास्ता अपना लिया। केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस की इच्छा यही रही कि भाजपा की बजाय पहले हमें ही हरा दिया जाए, जबकि मैं मोदी से लड़ रहा हूं।

फडणवीस और शिंदे के बीच कोल्ड वॉर, ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा

सीएम ने बताया सामान्य प्रक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महायुति को बंपर बहुमत मिलने के बावजूद बीजेपी और शिवसेना के बीच का कोल्ड वॉर थम नहीं रहा है। ताजा विवाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। दरअसल, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री सहायता डेस्क और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क की स्थापना की थी, इसके जबाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता डेस्क बनाकर दिया।

महाराष्ट्र के मंत्रालय भवन के सातवें फ्लोर पर यह सत्ता संघर्ष साफ दिख रहा है। फडणवीस का वार रूम जहां प्रमुख परियोजनाओं और महत्वपूर्ण बैठकों पर नजर रखता है, वहीं शिंदे ने पास में एक समन्वय समिति कक्ष बनाया है, जहां वे महाराष्ट्र की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा करते हैं। इस संघर्ष को लेकर जब फडणवीस से सवाल पूछा गया, तब उन्होंने शिंदे के रुख को सामान्य बताकर कहा कि इसमें कुछ गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह राज्य के डिप्टी सीएम थे, तब उनका कार्यालय भी

मुख्यमंत्री के कार्यालय के पास था और महाराष्ट्र सरकार सुचारू रूप से चल रही है।

इस पूरे मामले पर शिंदे गुट के नेताओं का कहना है कि दो अलग-अलग कार्यालयों का होना राज्य परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने मददगार साबित हो सकती है। इसके पहले, शिंदे को आपदा प्रबंधन समिति में शामिल नहीं किया गया था, जिसपर उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर की थी। बाद में नए नियम बनाए गए और उन्हें समिति में शामिल किया गया।

रायगढ़ और नासिक जिलों के गार्जियन मंत्रियों की नियुक्तियों को लेकर भी विवाद जारी है। फडणवीस ने शिंदे गुट के विधायकों के विरोध के बाद इन नियुक्तियों को स्थगित किया था। शिंदे गुट ने महाराष्ट्र सरकार में शक्ति और संसाधनों के बंटवारे को लेकर खुले तौर पर असंतोष जाहिर किया है।

सैम पित्रोदा का बयान, गलवान के शहीदों का अपमान

-कांग्रेस पर हमलावर बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान को गलवान के शहीदों का अपमान बताया है। दरअसल कांग्रेस के करीबी राहुल गांधी के अंकल सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है और यह धारणा छोड़ने की जरूरत है कि चीन दुश्मन है। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ शक्तियां भारत के विकास को प्रभावित करने में लगी हुई है। ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने सोमवार को चीन को लेकर जिस प्रकार का बयान दिया है, उससे यह बात साफ हो गई है कि कांग्रेस पार्टी के चीन के साथ हुए करार का इजहार अंकल सैम ने दिनदहाड़े कर दिया है।

सांसद त्रिवेदी ने कहा, गंभीर बात ये है कि जिस प्रकार की बात पित्रोदा ने कही है, वे बातें भारत की अस्मिता, कूटनीति और भारत की संप्रभुता पर बहुत गहरा आघात है उन्होंने (पित्रोदा) कहा है कि चीन के साथ किसी प्रकार का विवाद ही नहीं है, यानी भारत ही आक्रामक मुद्रा लिए हुए है? भारत सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व के हर देश के साथ अच्छे और सौहार्दपूर्ण संबंध चाहती है। लेकिन, राष्ट्रीय स्वाभिमान, सुरक्षा और सुदृढ़ता हमारे लिए सर्वोपरि है। भाजपा नेता ने कहा कि इसके पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी कई बार इस तरह का बयान दे चुके हैं। राहुल गांधी ने एक विदेशी दौरे में कह दिया था कि चीन ने बेरोजगारी को कम करने में अच्छा काम किया है। पित्रोदा के बयान को उन्होंने गलवान के शहीदों का अपमान बताया। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने पूछा, क्या यह गलवान के शहीदों का अपमान नहीं है? गलवान में हमारे सैनिक शहीद हो गए। लेकिन, इसके बावजूद अगर कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख इस तरह की भाषा बोलता है, तब यह निंदनीय है। यह भारतीय सेना के बलिदान का घनघोर अपमान है।

चीनी प्रतिबंधित ड्रोन उड़ाकर भारतीय ड्रोन इंडस्ट्री पर सवाल उठा रहे राहुल गांधी: स्मित शाह

मोदी सरकार ने ड्रोन की अहमियत पहचान कर ड्रोन नियम बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया वीडियो पर ड्रोन फेडरेशन इंडिया (डीएफआई) के अध्यक्ष स्मित शाह ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। दरअसल राहुल गांधी ने वीडियो में कहा था कि भारत में ड्रोन तकनीक में कोई विकास नहीं हो रहा है और प्रधानमंत्री मोदी को इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने इस वीडियों में दावा किया था कि भारत के प्रतिद्वंदी देशों के पास ड्रोन तकनीक में भारत से कही अधिक क्षमता है।

डीएफआई के अध्यक्ष शाह ने राहुल गांधी के बयान को गलत और तथ्यहीन बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने 2021 में ही ड्रोन तकनीक की अहमियत को पहचानकर ड्रोन नियम 2021 लाए थे, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में भारतीय ड्रोन इकोसिस्टम में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इसके अलावा, भारत में 400 से अधिक कंपनियां हैं जो विभिन्न प्रकार के ड्रोन तैयार कर रही हैं, और 50 से अधिक कंपनियां ड्रोन के कंपोनेंट्स जैसे बैटरी, मोटर, प्रोपेलर आदि का निर्माण करती हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने हाथ में एक चीनी ड्रोन लिया हुआ था, जिसका आयात भारत में प्रतिबंधित है, और उन्होंने इस ड्रोन को संभवतः बिना किसी परमिशन के उड़ाया। उन्होंने सवाल उठाकर कहा कि क्या राहुल गांधी के पास ड्रोन पायलट सर्टिफिकेट था और क्या उन्होंने दिल्ली में स्थित रेड जोन में ड्रोन को उड़ाने के लिए उचित अनुमति ली थी।

डीएफआई के अध्यक्ष शाह ने कहा कि 2021 में सरकार ने उद्योग और शिक्षा जगत से मिले फीडबैक के आधार पर ड्रोन नियम लाए थे और इससे भारतीय इकोसिस्टम को काफी फायदा हुआ है, जिससे करीब 1700-1800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू उत्पन्न हुआ है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 20 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया और विदेशी ड्रोन कंपनियों के सीधे आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इन सब प्रयासों का उद्देश्य भारत को 2030 तक वैश्विक ड्रोन हब बनाना है।

शाह ने राहुल गांधी से आग्रह किया कि केवल आलोचना करने से बदलाव नहीं आएगा। यदि बदलाव लाना है, तब हमें ड्रोन के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग और सरकार की भूमिका पर ठोस सुझाव देने की जरूरत है।

Page - 10_Page - 10.qxd 18-02-2025 03:02 Page 1

ऑस्ट्रेलियाई टीम चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान पहुंची, इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच

लाहौर, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को पाकिस्तान पहुंच गई। टूर्नामेंट की शुरुआत बुधवार को कराची में मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से होगी। पाकिस्तान गत चैंपियन भी है जिसने 2017 इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत को हराकर खिताब जीता था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 'एक्स पर लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी 2025 के लिए लाहौर पहुंच गई है। वे 22 फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ टूर्नामेंट का अपना पहला मैच खेलेंगे। टीम दो समूह में पाकिस्तान पहुंची। पहले समूह में कप्तान स्टीव स्मिथ, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल थे जो दुबई के रास्ते कोलंबो से पाकिस्तान पहुंचे। दूसरा समूह भी कोलंबो से दुबई होते हुए लाहौर पहुंचा जिसमें 15 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के दो अतिरिक्त सदस्य शामिल थे।

हाइब्रिड मॉडल समझौते के अनुसार अपने सभी मैच दुबई में खेलने वाले भारत की तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम भी चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेगी क्योंकि वे हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलकर यहां आए हैं। ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती मैच के बाद ऑस्ट्रेलिया अपना दूसरा मैच 25 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगा जबकि 28 फरवरी को फिर से गद्दाफी स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला खेलेगा।

साउथ अफ्रीका के 40 साल के क्रिकेटर

● जेपी डुमिनी ने अपनी पत्नी सू से अलग होने का फैसला लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में इन दिनों शादी नहीं बल्कि अलग होने का मौसम चल रहा है। कई खिलाड़ियों ने अपनी शादी खत्म करने का फैसला किया। जहां हार्दिक पंड्या इसका ऐलान कर चुके हैं वहीं युजवेंद्र चहल और वीरेंद्र सहवाग को लेकर भी ऐसी अफवाहें हैं। अब एक और दिग्गज क्रिकेटर ने अपनी पत्नी से अलग होने का फैसला किया है। दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व कप्तान ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर करके फैंस से खास अपील भी की।

जेपी डुमिनी पत्नी से हुए अलग - साउथ अफ्रीका के 40 साल के क्रिकेट जेपी डुमिनी ने अपनी पत्नी सू से अलग होने का फैसला किया है। पिछले काफी समय से दोनों साथ नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के अलग होने का दावा किया गया था लेकिन दोनों ही कुछ समय तक चुप रहे। अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है जिसके कमेंट्स ऑफ किए हुए हैं।

डुमिनी ने शेयर किया पोस्ट - डुमिनी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'हेलो, काफी सोचने के बाद मैंने और सू ने अलग होने का फैसला किया है। हम बहुत खुशकिस्मत थे कि हमें शादी में कई खूबसूरत मौके मिले और दो बेटियां भी मिली। इस समय हम चाहते हैं कि आप हमें प्राइवेसी दें ताकी हम इस बदलाव में काम कर सके। हम अलग होने के बावजूद दोस्त रहेंगे। इस समय में आपके समर्थन के लिए शुक्रिया।'

जहीर खान ने वाइफ संग मुंबई में खरीदा आलीशान फ्लैट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने अपनी वाइफ के साथ मिलकर मुंबई के लोअर पारेल क्षेत्र में करोड़ों की कीमत वाला आलीशान फ्लैट खरीदा है. महाराष्ट्र सरकार की आधिकारिक रजिस्ट्रेशन वेबसाइट अनुसार भारतीय क्रिकेटर द्वारा खरीदी गई प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन फरवरी 2025 में हुआ है. जहीर खान ने यह फ्लैट अपनी वाइफ सगारिका घटगे और उनके भाई शिवजीत घटगे के साथ मिलकर कुल 11 करोड़ रुपये की राशि में खरीदा है. यह आईशान फ्लैट इंडियाबुल्स स्काई अपार्टमेंट में स्थित है और एक फ्लैट का खरीददार एकसाथ 3 गाडी पार्किंग में खडी कर सकता है. फ्लैट पर 66 लाख रुपये की स्टैम्प ड्यूटी लगी और 30 हजार रजिस्ट्रेशन फीस लगी. मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार लोअर पारेल क्षेत्र में अभी प्रॉपर्टी की कीमत करीब 49,096 रुपये प्रति स्क्वायर फीट है. यहां पर अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर और लेखक अमीष त्रिपाठी जैसे नामी और अमीर लोगों ने भी लोअर पारेल क्षेत्र में फ्लैट खरीदे हुए हैं.

जहीर खान का शानदार करियर - जहीर खान की बात करें तो उन्होंने साल 2015 में अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया था. उन्होंने 2002-2014 तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया. वो भारत की उस टीम का हिस्सा रहे, जिसने 2002 में श्रीलंका के साथ चैंपियंस ट्रॉफी साझा की थी. उन्होंने 21 विकेट लेकर भारत को 2011 का वर्ल्ड कप जिताने में भी बहुत बड़ा योगदान दिया था. उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में कुल 593 विकेट लिए थे. वो अब भी कपिल देव के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं. क्रिकेट में अपने अतुल्य योगदान के लिए उन्हें साल 2011 में अर्जुन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था. क्रिकेट से संन्यास के दो साल बाद साल 2017 में उन्होंने सागरिका घटगे से शादी रचाई थी, जो पेशे से एक मॉडल, अभिनेत्री और हॉकी प्लेयर भी रह चुकी हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान में भारतीय ध्वज विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान के नेशनल स्टेडियम का एक वीडियो सामने आया है जिसमें भाग लेने वाले देशों के झंडों के बीच भारत का झंडा नहीं है। कराची का यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया और क्रिकेट प्रशंसकों द्वारा इसे खूब शेयर किया गया। चैंपियंस ट्रॉफी स्थल पर भारतीय ध्वज के गायब होने से कई प्रशंसक हैरान रह गए और सोशल मीडिया पर इस पर तीखी बहस छिड़ गई। प्रशंसकों ने अनुमान लगाया कि इसका कारण यह हो सकता है कि भारतीय टीम अपने सभी चैंपियंस ट्रॉफी मैच दुबई में खेल रही है। कराची स्टेडियम में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीमों के मैच होने हैं। इवेंट शुरू होने से 2 दिन पहले स्टेडियम से एक वीडियो सामने आया जिसमें भाग लेने वाले देशों के झंडे देखे जा सकते थे जिससे भारत का झंडा ना देखकर प्रशंसक हैरान रह गए कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऐसा क्यों किया।

भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और इसी कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को टूर्नामेंट को हाइब्रिड मोड में बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। समझौते के तहत अगर टीम क्वालीफाई करती है तो भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल है। बीसीसीआई, पीसीबी और आईसीसी के बीच हुए समझौते के तहत यहां तक कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम भी आने वाले वर्षों में भारत द्वारा आयोजित आईसीसी इवेंट में अपने मैच नहीं खेलेगी।

चैम्पियंस ट्रॉफी

बुमराह के बिना भारत की उम्मीदें शमी के कलाई के जादू पर

बेंगलुरू, एजेंसी। मोहम्मद शमी के दाहिने हाथ में जादूगर सा फन है और अपनी कलाई के झटके से वह दुनिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों को चकमा दे सकते हैं लेकिन क्या वह इस जादू से भारत को बारह साल बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में मदद कर सकते हैं ? प्रशंसकों को उम्मीद है कि शमी इस टूर्नामेंट में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी महसूस नहीं होने देंगे।

बुमराह चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वैसे शमी की तैयारियों को लेकर काफी चिंताएं भी हैं। भारतीय टीम को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को पहला मैच खेलना है। 34 वर्ष के शमी चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने विभिन्न स्तरों और अलग अलग प्रारूप में कुछ मैच खेले हैं लेकिन बड़े टूर्नामेंट में अपेक्षाओं पर खरे उतरने का दबाव अलग होता है। ऐसे में बुमराह की गैर मौजूदगी में उन पर दबाव और बढ़ जाएंगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में शमी के साझेदार अर्शदीप सिंह होंगे लेकिन वह बुमराह की श्रेणी के गेंदबाज नहीं हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी का मानना है कि शमी के पास काफी अनुभव है और वह इस चुनौती का सामना कर लेंगे। बालाजी ने कहा, 'उसने 2019 वनडे विश्व कप और पिछले विश्व कप (2023) में बुमराह से बेहतर गेंदबाजी की थी। बुमराह विभिन्न प्रारूपों में चैम्पियन गेंदबाज है लेकिन शमी के पास अनुभव है और बुमराह के आने से पहले भारत के आक्रमण की जिम्मेदारी उसी पर थी। उन्होंने कहा, 'अगर भारत को अच्छा प्रदर्शन करना है तो शमी को नई गेंद से कमाल करना होगा। पहले छह ओवर में नई गेंद से प्रदर्शन भारत के लिए काफी मायने रखेगा। अगर वह शुरूआती कामयाबी दिला सका तो भारत का मनोबल काफी बढ़ेगा। शमी की जिम्मेदारी विकेट लेना ही नहीं बल्कि अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों का मागदर्शन करने की भी होगी। बालाजी ने कहा, 'शमी इस समय गेंदबाजों का अगुआ है। वह लंबे समय से रहा है और पिछले 12 साल में टेस्ट क्रिकेट में खास तौर पर उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। अब दूसरे गेंदबाजों के मार्गदर्शक के तौर पर वह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है।

बिना नाकामी के कामयाबी नहीं, कड़ी मेहनत करते रहो

मैरी कॉम-लेखरा-सुहास

नई दिल्ली, एजेंसी। महान मुक्केबाज एम सी मैरी कॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास यथिराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है। तीनों खिलाड़ियों ने बच्चों को नाकामी से उबरने, फोकस बनाये रखने और सुनौतियों का सामना करने की भी सलाह दी।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बच्चों के लिए 2018 से आयोजित किया जा रहा है। दो बार की पैरालम्पिक चैम्पियन निशानेबाज लेखरा ने कहा, 'लोग कहते हैं कि सफलता असफलता की विलोम है। लेकिन मेरा मानना है कि नाकामी ही कामयाबी का सबसे बड़ा हिस्सा है। नाकामी के बिना कभी कामयाबी नहीं मिलती। आम तौर पर टाउन हॉल प्रारूप में होने वाला परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इस बार दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों को स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब देने के लिए बुलाया। उन्होंने 10 फरवरी को इसकी शुरूआत खुद की। छह बार की विश्व चैम्पियन और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने मुक्केबाजी कैरियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की।

मैरी कॉम ने कहा, 'मुक्केबाजी महिलाओं का खेल नहीं है। मैने यह चुनौती स्वीकार की क्योंकि मैं खुद को साबित करना चाहती थी और देश की सभी महिलाओं को बताना चाहती थी कि हम कर सकते हैं और मैं कई बार विश्व चैम्पियन बनी। उन्होंने कहा, 'आपके जीवन में भी अगर आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं तो भीतर से मजबूत होना होगा। शुरूआत में मैने कई चुनोतियों का सामना किया। कई बार मैं हतोत्साहित हो जाती थी क्योंकि चुनौतियां काफी थी। उन्होंने कहा, 'हर क्षेत्र कठिन है। कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपको मेहनत करनी होती है। अगर मैं कर सकती हूं तो आप क्यो नहीं।दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता बैडमिंटन स्टार और आईएएस अधिकारी सुहास ने कहा, 'अच्छी चीजें आसानी से नहीं मिलती। सफर चलता रहना चाहिए। सूरज की तरह चमकना है तो जलने के लिए भी तैयार रहना होगा। बच्चों ने दबाव, आशंकायें, बेचैनी और भटकाव से जुड़े कई सवाल पूछे। सुहास ने बताया कि कैसे नाकामी के डर को मिटाने से उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'आपका दिमाग ही आपका सबसे बड़ा दोस्त और दुश्मन है। मैने 2016 में एशियाई चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मैं इतना डर गया था कि पहला मैच हार गया और दूसरे में पीछे चल रहा था। फिर 30 सेकंड के ब्रेक के दौरान मैने खुद से कहा कि जब इतनी दूर आये हो तो सबसे बुरा यही हो सकता है कि आप हार जाओगे। हार के डर से उबरकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाओ। सुहास ने कहा, 'मैने वह मैच ही नहीं बल्कि छह मैच और जीते और चीन में एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला गैर वरीय खिलाड़ी बना। सबक यह है कि हार के डर से उबर जाओ, सामने कौन है इसके बारे में सोचे बिना अपना सर्वश्रेष्ठ दो।

भारत में क्रिकेट की नर्सरी है मुंबई इंडियंस, नीता अंबानी ने बताया- हार्दिक, क्रुणाल, बुमराह और तिलक को खोजने के लिए MI ने क्या-क्या जतन किए

मुंबई, एजेंसी। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक-अध्यक्ष नीता अंबानी ने अमेरिका के बोस्टन में बताया कि कैसे उन्होंने मुंबई इंडियंस टीम के लिए नई प्रतिभाओं की खोज की और हार्दिक पंड्या, क्रुणाल पंड्या, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा को टीम में शामिल किया। मुंबई इंडियंस की मालकिन नीता अंबानी ने बताया कि कैसे फ्रैंचाइज़ी पांड्या बंधुओं और जसप्रीत बुमराह को अपने साथ जोड़ने में सफल रही। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं। क्रुणाल पंड्या भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं। जसप्रीत, हार्दिक और क्रुणाल ने मिलकर मुंबई इंडियंस के लिए कई ट्रॉफी खिताब जीते हैं। मुंबई इंडियंस के लिए खेलने के दौरान ही तीनों ने भारतीय टीम के लिए भी डेब्यू किया। तिलक वर्मा भी भारतीय टीम के लिए डेब्यू (वनडे और टी20 इंटरनेशनल) कर चुके हैं।

के मुताबिक, अमेरिका के बोस्टन में एक कार्यक्रम में नीता अंबानी ने बताया कि कैसे वह फ्रैंचाइजी के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए हर रणजी ट्रॉफी मैच देखने जाती थीं। नीता अंबानी को मैसाचुसेट्स की गवर्नर मौरा हीली ने बोस्टन में गवर्नर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। नीता अंबानी को एक दूरदर्शी लीडर, परोपकारी और सच्ची वैश्विक परिवर्तनकर्ता के रूप में मान्यता दी गई। यह प्रशस्ति पत्र उनके शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, कला, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण में परिवर्तनकारी प्रभाव के लिए आजीवन समर्पण के प्रति सम्मान है। जारी वीडियो में नीता अंबानी कह रही हैं, 'आईपीएल में, हम सभी के पास एक निश्चित बजट होता है, इसलिए हर टीम एक निश्चित राशि ही खर्च कर सकती है, इसलिए हमें प्रतिभाओं को लाने के नए तरीकों के बारे में सोचना पड़ाज इसलिए मुझे प्रतिभाओं की खोज याद है, और मैं हर रणजी ट्रॉफी मैच में जाती थी और मेरे स्काउट्स और मैं इन सभी घरेलू क्रिकेट मैचों में जाते थे।'

चैम्पियंस ट्रॉफी:

5 स्पिनर, दुबई में अब भी सर्दी..., वर्ल्ड चैम्पियन कोच ने टीम इंडिया के सेलेक्शन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी से होनी है. इस टूर्नामेंट लिए रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम दुबई पहुंच चुकी है. टीम इंडिया को इस टूर्नामेंट में अपने सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेलने हैं. भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी (गुरुवार) को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से करेगी.

टीम में 5 स्पिनर्स, खड़े हो रहे सवाल - भारतीय टीम ने चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में पांच स्पिनर्स को जगह दी है. इनमें रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती का नाम शामिल है. अच्छी बात ये है इनमें वरुण को छोड़कर बाकी चारों के पास बैटिंग का भी अनुभव है. हालांकि इनका मुख्य काम स्पिन गेंदबाजी ही करना होगा. हालांकि पांच स्पिनर्स को शामिल करने के फैसले पर सवाल खड़े हो रहे हैं. पहले टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस फैसले पर हैरानी जताई थी. अब भारतीय टीम के कोच रह चुके लालचंद राजपूत ने भी इस फैसले पर सवाल उठाए हैं. राजपूत का मानना है कि दुबई में अब भी सर्दी है, ऐसे में पिच पेस बॉलर्स के भी अनुकूल हो सकती है.

यूएई में अभी भी सर्दी है. यह साल का वह समय है जब यहां के विकेट्स पर तेज गेंदबाजों के लिए कुछ मदद और अच्छी कैरी रहती है. मुझे यह थोड़ा आश्चर्यजनक लगा कि भारत ने अपनी टीम में पांच स्पिनर्स को चुना है. बता दें कि जब भारतीय टीम ने महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 का टी20 वर्ल्ड कप जीता था, तो लालचंद राजपूत टीम के कोच और मैनेजर थे. लालचंद फिलहाल यूएई की टीम के हेड कोच हैं. ऐसे में उन्हें दुबई की परिस्थितियों का पूरी तरह अनुभव है

परीक्षा पे चर्चा: सुहास-मैरीकॉम और अवनि ने छात्रों का बढ़ाया उत्साह

कहा- बिना नाकामी के कामयाबी नहीं मिलती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महान मुक्केबाज मैरीकॉम, पैरालम्पिक स्टार अवनि लेखरा और सुहास एलवाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'परीक्षा पे चर्चा ' पहल के तहत स्कूल के बच्चों को तनाव से निपटने के टिप्स देते हुए कहा कि नाकामी के बिना कामयाबी नहीं मिलती और कड़ी मेहनत हमेशा काम आती है। तीनों खिलाड़ियों ने बच्चों को नाकामी से उबरने, फोकस बनाए रखने और चुनौतियों का सामना करने की भी सलाह दी। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे बच्चों के लिये 2018 से आयोजित किया जा रहा है।

अवनि लेखरा ने छात्रों को दी यह सीख - दो बार की पैरालम्पिक चैम्पियन निशानेबाज लेखरा ने कहा, लोग कहते हैं कि सफलता असफलता की विलोम है, लेकिन मेरा मानना है कि नाकामी ही कामयाबी का सबसे बड़ा हिस्सा है। नाकामी के बिना कभी कामयाबी नहीं मिलती। आम तौर पर टाउन हॉल प्रारूप में होने वाला परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम इस बार दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों को स्कूली बच्चों के सवालों का जवाब देने के लिये बुलाया। उन्होंने 10 फरवरी को इसकी शुरूआत खुद की।

मैरीकॉम ने सुनाई अपनी कहानी - छह बार की विश्व चैंपियन और लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम ने मुक्केबाजी कैरियर के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मुक्केबाजी महिलाओं का खेल नहीं है । मैने यह चुनौती स्वीकार की क्योंकि मैं खुद को साबित करना चाहती थी और देश की सभी महिलाओं को बताना चाहती थी कि हम कर सकते हैं और मैं कई बार विश्व चैंपियन बनी। उन्होंने कहा, आपके जीवन में भी अगर आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं तो भीतर से मजबूत होना होगा।

Page - 11_Page - 11.qxd 18-02-2025 03:03 Page 1

नेपाल से सोयाबीन आयात बढ़ने से भारत चिंतित

- सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

नेपाल से भारत में सोयाबीन तेल के आयात में हुई जोरदार वृद्धि ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। नेपाल सोयाबीन का बड़ा उत्पादक नहीं है। सोयाबीन तेल के बढते आयात से अधिकारियों को दाल में कुछ काला नजर आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि नेपाल, भारत-नेपाल व्यापार संधि 2009 के तहत मिलने वाले शून्य-शुल्क सुविधा का अनुचित लाभ उठा रहा है। नेपाल में कई रिफाइनिंग उद्योग भारतीय व्यवसायियों द्वारा संचालित हैं लेकिन नेपाल की घरेलू खपत बहुत कम है, जिससे साफ पता चलता है कि यह उद्योग मुख्य रूप से भारत के एफटीए शुल्क ढांचे का लाभ उठाने के लिए संचालित हो रहा है। नेपाल से सोयाबीन तेल के आयात में अप्रत्याशित रूप से 14 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में नेपाल से आयात में यह उछाल पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज किया गया है, जबकि नेपाल इस वस्तु का सीमित उत्पादक है। नवंबर 2024 में नेपाल से सोयाबीन तेल का आयात 23.46 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि नवंबर 2023 में यह मात्र 1.42 मिलियन डॉलर था। इसी तरह, अप्रैल से नवंबर 2024 की अवधि में कुल आयात 38.15 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2023 में सिर्फ 2.81 मिलियन डॉलर था। यह तेजी ऐसे समय में आई है जब भारत में सोयाबीन तेल का कुल आयात भी बढ़ रहा है। अप्रैल से नवंबर 2024 में कुल सोयाबीन तेल आयात 19 फीसदी बढ़कर लगभग 3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 2.5 अरब डॉलर था। हालांकि, इसी

अवधि में ब्राजील जो दुनिया के शीर्ष सोयाबीन तेल उत्पादकों में से एक है से भारत को होने वाले निर्यात में गिरावट देखी गई। सरकार ने भारतीय तिलहन किसानों की सुरक्षा के लिए सितंबर 2023 में रिफाइंड पाम ऑयल, सोया ऑयल और सनफ्लावर ऑयल पर आयात शुल्क 20 फीसदी बढ़ाकर 35.75 फीसदी कर दिया था। इसके बाद नेपाल से आयात तेजी से बढ़ा है।

मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी

- मखाने की खेती कर मालामाल हो रहे हैं बिहार के किसान

नई दिल्ली ।

बिहार के मिथिलांचल में मखाने की खेती की मांग तेजी से बढ़ रही है। पांच साल पहले कोरोना महामारी ने शुरुआत में कारोबारों के लिए काल लेकिन मखाने के कारोबार में नई उम्मीद जगा दी है। मिथिलांचल रेगिस्तान में उगाए जाने वाले मखाने किसानों के लिए अब एक बड़ा मौका बन गया है। कोरोना के बाद मखाने की मांग में इजाफा होने से उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

मिथिलांचल में मखाने की खेती बढ़ाने के लिए बिहार सरकार और केंद्र सरकार के बीच कई उपाय किए जा रहे हैं। इस बार के आम बजट में मखाना बोर्ड बनाने की घोषणा के बाद, बिहार के मखाने की मांग विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद है। मखाने के दाम दो-तीन गुना बढ़ने से किसानों की आमदनी में भी खूब वृद्धि हुई है। बिहार के कई किसानों ने अपनी खेती में मखाना की उत्तम किमत पा ली है। मखाने में प्रोटीन की भरपूरता और रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। बिहार सरकार द्वारा मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और और योजनाएं भी शुरू की गई हैं। किसानों को 72,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी दी जा रही है, जिससे उनकी खेती में और भी उत्साह और आत्मविश्वास भर रहा है। मखाने की उत्पादन में इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा फायदा बिहार के किसानों को हो रहा है। उन्हें अब बाजार में खुद अपने उत्पादों की मांग देखने को मिल रही है। इस बढ़ती मांग से मखाने की उत्पादनत और अनुपात में भी सुधार हो रहा है, जिससे किसानों की आमदनी में भी सहायता मिल रही है।

शेयर बाजार की गिरावट से स्टार्टअप कंपनियों के शेयर 23 प्रतिशत तक फिसले

- वीफिन सॉल्यूशंस के शेयर में 22.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में बीते हफ्ते भारी बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट देखी गई जिसका असर शेयर बाजार में सूचीबद्ध स्टार्टअप कंपनियों के शेयरों पर भी देखने को मिला है और इन कंपनियों के शेयरों में 23 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। न्यू एज टेक कंपनियों में फिनटेक शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बीते हफ्ते फिनो पेमेंट्स बैंक का शेयर 22.66 प्रतिशत फिसलकर 226.10 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, वीफिन सॉल्यूशंस के शेयर में 22.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 402.35 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम के शेयर में 9.79 प्रतिशत की गिरावट हुई है और यह शुक्रवार को 719.90 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा ई-कॉमर्स कंपनी यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस के शेयर में बीते हफ्ते में 20.98 प्रतिशत की गिरावट हुई और यह 118 रुपये पर बंद हुआ। वहीं जैगल प्रीपेड ओशियन सर्विसेज का शेयर 18 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और यह 347.15 रुपये पर बंद हुआ। 10 फरवरी से 14 फरवरी तक के कारोबारी सत्र में फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी और जौमेटो के शेयर में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 6.36 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 341.60 रुपये और 216.44 रुपये पर बंद हुए। बीते हफ्ते ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.87 रुपये पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स में कोरोना के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट हुई है। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स हफ्ते के दौरान 9.5 प्रतिशत फिसल गया, जो कि कोविड-19 के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इस दौरान बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.59 प्रतिशत और 3.24 प्रतिशत गिरकर बंद हुए।

एचपी ने भारत में कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नए एनवी एक्स360 15 लैपटॉप लॉन्च किए

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल-दिसंबर में 12 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। गोदरेज ने कहा कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान कारोबार विकास 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। कंपनी ने कहा, हमने 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, इसलिए हम कारोबार विकास के लिए पूरे वर्ष का लक्ष्य पहले ही पार कर चुके हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निवेशकों को दी गई अपनी नवीनतम प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान 12 परियोजनाएं जोड़ी हैं, जिनका कुल अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्रफल 169 लाख वर्ग फुट है तथा 'कुल अनुमानित बुकिंग मूल्य क्षमता 23,450 करोड़ रुपये है। भविष्य कंपनी कई शहरों में भूमि मालिकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में नए व्यवसाय विकास में 30,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच सकती है।

मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरुआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं।

वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं।

इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन पुराने मॉडल की तुलना में अधिक फ्यूल एफिशिएंट है।

कंपनी के अनुसार, नई डिजायर मैनुअल ट्रांसमिशन पर 24.79 केएमपीएल, एएमटी पर 25.71 केएमपीएल और सीएनजी वेरिएंट में 33.73 द्यद्व/द्यद तक का माइलेज देने में सक्षम है। सीएनजी वेरिएंट सिर्फ मैनुअल ट्रांसमिशन में उपलब्ध होगा।सेफ्टी के लिहाज से भी नई डिजायर को और मजबूत बनाया गया है।

इसमें छह एयरबैग, एबीएस के साथ ईबीडी, ईएसपी विद हिल होल्ड और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अनुराग मेहरोत्रा को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अनुराग मेहरोत्रा को कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। मेहरोत्रा ने मोटर वाहन क्षेत्र में बिक्री, विपणन, रणनीति तथा व्यवसाय विकास खंड सहित कई प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन के कार विनिर्माता एसएआईसी के स्वामित्व वाली एमजी मोटर इंडिया के बीच संयुक्त उद्यम है। एसएआईसी मोटर के अंतरराष्ट्रीय परिचालन प्रमुख ने कहा कि अनुराग का विविध अनुभव और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय परिवहन बाजार की गहरी समझ हमारी इस यात्रा को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मानद मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव चाबा संयुक्त संचालन समिति के सदस्य के रूप में प्रबंधन तथा शेयरधारकों को सलाह देना जारी रखेंगे।

होम लोन पर ब्याज के खिलाफ एसआईपी का फॉर्मूला

मुंबई । आरबीआई के रेपो दर घटाने के बाद से कई बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह उन लोगों के लिए भी बड़ी राहत है, जो पहली बार मकान खरीदने की योजना बना रहे हैं। अगर आप भी होम लोन लेकर मकान खरीदना चाहते हैं, तो तय करें कि किस ब्याज दर पर कितने साल के लिए कितना कर्ज लेना है। इस बात की भी गणना करें कि ऋण अवधि के दौरान आपको अपने कर्ज पर कितना ब्याज चुकाना होगा। गणना करने पर यह समझ में आ जाएगा कि आप जितना कर्ज ले रहे हैं, उससे ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ेगा। ब्याज के रूप में होने वाले इस नुकसान की भरपाई के लिए आप एसआईपी के 15 फीसदी फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूरी कर्ज अवधि के दौरान चुकाए जाने वाले ब्याज का बोझ कम करने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का 15 फीसदी का फॉर्मूला काफी मददगार साबित हो सकता है। आप अपने होम लोन पर जितना ईएमआई चुकाते हैं, उसका 15 फीसदी हर महीने एसआईपी में डालना शुरू कर दें। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपके एसआईपी खाते में ब्याज राशि के बराबर या उससे ज्यादा रकम जमा हो जाएगी। मान लीजिए आपने एसआईपी में अपना मासिक योगदान बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया। सालाना 12 फीसदी के अनुमानित रिटर्न पर यह योगदान 20 साल में बढ़कर 69,94,035 रुपये हो जाएगा। इसमें 53,14,035 रुपये का अनुमानित रिटर्न भी शामिल है। इस तरह 20 साल बाद आपके एसआईपी खाते में कुल 69,94,035 रुपये जमा हो जाएंगे।

भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक मंच पर भी अपनी पहचान मजबूत कर रही है - रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में न केवल स्थिरता के साथ आगे बढ़ रही है, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान भी मजबूत कर रही है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक संरचना मजबूत बनी हुई है और यह स्थिर राजनीतिक शासन के साथ निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। यह सफलता सरकार की नीतियों, आर्थिक सुधारों और जनता के विश्वास का परिणाम है। भारत में वर्तमान भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए प्रशासन ने हाल के विधानसभा चुनावों में महत्वपूर्ण जीत हासिल की है। यह जीत न केवल सरकार की लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि जनता विकास और सुधारों के प्रति सकारात्मक है। स्थिर राजनीतिक शासन ने आर्थिक नीतियों को लागू करने और देश को विकास की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल ही में पेश किया गया बजट 2025 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। इस बजट में वित्तीय अनुशासन, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। यह बजट न केवल वर्तमान आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है, बल्कि भविष्य में सतत विकास को भी सुनिश्चित करता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों के बाजार में उत्साह

सेंसेक्स 57 , निफ्टी भी 30 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफ़सी बैंक के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। इसके साथ ही निचले स्तरों पर खरीदारी ने भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 57.65 अंक करीब 0.08 फीसदी ऊपर आकर 75,996.86 पर बंद हुआ। वहीं इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.25 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी ऊपर आकर 22,959 पर बंद हुआ।आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, ज़ोमैटो और टाटा मोटर्स ऊपर आकर हरे निशान पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर टूटकर लाल निशान पर बंद हुए।

2025 में अब तक विदेशी निवेशकों ने वैश्विक तनाव के कारण इस महीने के पहले दो हफ्तों में भारतीय बाजारों से 21,272 करोड़ रुपये निकाले। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बढ़त रही। इन स्टॉक्स में खरीदारी से निवेशकों की कंपनियों के सुस्त परिणामों और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के सेंटीमेंट को संतुलित किया है।

निफ्टी मिडकैप100 आज 0.39 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी स्मॉलकैप100 इंडेक्स 0.04 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

एनएसई पर फार्मा, बैंक, फाइनेंशियल सर्विज, हेल्थकेयर, ओएमसी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल सेक्टर ऊंचे स्तर पर बंद हुए। ग्लेनमार्क फार्मा और अजंता फार्मा की अगुवाई में निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ सेक्टरों में टॉप पर रहा। इस बीच, निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और मीडिया इंडेक्स 0.71 फीसदी तक गिरकर बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों में तेजी के रुख के बाद भी भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स सोमवार को 300 अंक गिरकर 75,641.41 पर खुला। खुलने के कुछ ही देर में यह 75,294 अंक तक फिसल गया। सुबह यह 518 अंक गिरकर 75,421 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,809 अंक पर खुला। सुबह यह 148.20 अंक की गिरावट लेकर 22,781 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में आज मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्कई 225 0.07 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.47 फीसदी बढ़ा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.6 फीसदी नीचे आया। शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में डाओ जोंस् 0.37 फीसदी फिसला, एसएंडपी 500 में 0.01 फीसदी की मामूली गिरावट आई, जबकि नेस्डेक कम्पो जिट 0.41 फीसदी चढ़ा।

खादिम इंडिया वितरण कारोबार अलग करेगी

कोलकाता । भारतीय जूते-चप्पल क्षेत्र की अग्रणी कंपनी खादिम इंडिया लिमिटेड ने मार्च 2025 तक अपने वितरण कारोबार को अलग करने और मई तक नई इकाई के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध करने की उम्मीद जताई है। कंपनी के एक वित्तीय अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है और एनसीएलटी से विभाजन की जल्दी घोषणा की उम्मीद जताई है। इस रणनीतिक कदम से खादिम की उम्मीद है कि वितरण और विनिर्माण गतिविधियों को केएफएल में विभाजित करने से मुद्दे सुलझेंगे और मुनाफे में सुधार होगा। इससे ब्रांड के 890 स्टोरों के नए उत्पादों का लाभ भी होगा। खादिम अपने वित्त वर्ष 2025-26 में मुनाफे के विस्तार पर पूरी तरह से केंद्रित है और वसंत/ग्रीष्म ऋतु में एथलेटिक खंड की शुरुआत करने की तैयारी में है।

चालू वित्त वर्ष में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल-दिसंबर में 12 भूखंड खरीदे

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 23,450 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 12 भूखंडों का अधिग्रहण किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नए कारोबार विकास के तहत भूमि का अधिग्रहण किया है तथा भूस्वामियों के साथ साझेदारी भी की है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि दिसंबर तिमाही के दौरान कारोबारी विकास बहुत मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान लगभग 11,000 करोड़ रुपये की कुल बुकिंग क्षमता वाली नई परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। गोदरेज ने कहा कि अप्रैल-दिसंबर के दौरान कारोबार विकास 23,000 करोड़ रुपये को पार कर गया। कंपनी ने कहा, हमने 20,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था, इसलिए हम कारोबार विकास के लिए पूरे वर्ष का लक्ष्य पहले ही पार कर चुके हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निवेशकों को दी गई अपनी नवीनतम प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान 12 परियोजनाएं जोड़ी हैं, जिनका कुल अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्रफल 169 लाख वर्ग फुट है तथा 'कुल अनुमानित बुकिंग मूल्य क्षमता 23,450 करोड़ रुपये है। भविष्य कंपनी कई शहरों में भूमि मालिकों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी चालू वित्त वर्ष में नए व्यवसाय विकास में 30,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच सकती है।

ट्रंप प्रशासन के टैरिफ प्रभाव पर भारतीय निर्यात की उम्मीदें

नई दिल्ली । व्यापार प्रतिबंधों के चिंताओं के बावजूद, भारतीय निर्यात पर अमेरिका के द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अब न्यूनतम रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के 15-20 फीसदी के टैरिफ के बावजूद भारतीय निर्यात में केवल 3-3.5 फीसदी की कमी होने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निर्यात में रणनीतिक विविधता और नए व्यापार मार्गों की खोज के द्वारा इस प्रभाव का संभावित प्रभाव भरपूर रहेगा। भारत की निर्यात रणनीति लगातार विकसित हो रही है और देश विभिन्न क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। टैरिफ संरचनाओं में परिवर्तन देश की व्यापार नीति को मजबूत कर रहा है और भारतीय सामान वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने में मदद कर रहा है। इसके अतिरिक्त, भारत अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व के साथ वैकल्पिक व्यापार मार्गों पर भी काम कर रहा है जो देश की रसद लागत कम कर सकता है और अंतराष्ट्रीय व्यापार में उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। नई आपूर्ति श्रृंखला विकसित होने से भारत के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद है और व्यापार मार्गों की नई खोज ने देश को सुरक्षित रखने में मदद की है। समर्थन और निर्यात प्रौद्योगिकियों के प्रयासों से, भारत अपनी निर्यात क्षमता में वृद्धि कर सकता है और अमेरिका के टैरिफ खत्म होने का उम्मीदवार बन सकता है।

सेल के 11 अधिकारी समय से पहले रिटायर्ड

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने आचरण अनुशासन के तहत 50 वर्ष से अधिक आयु के 11 अधिकारियों को समय से पहले सेवानिवृत्त कर दिया है। सेल ने देर रात जारी बयान में कहा कि 50 वर्ष से अधिक आयु के अधिकारियों की सत्यनिष्ठा और प्रभावोत्पादकता का आकलन करने की नीति है। इस संबंध में कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित विस्तृत दिशानिर्देशों में सेवा रिकॉर्ड के आधार पर अधिकारियों की प्रभावशीलता, दक्षता, आचरण और सत्यनिष्ठा की समीक्षा के लिए मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

बाबा श्याम के 101 सदस्य कर दल 71 निसान करलयं अर्पित

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल कर 101 सदस्यमन कर दल 17 फरवरी के रिंग्स इस्थित परशुराम निशान भवन में निसान पूजन करलयं। मंडल कर उपाध्यछ श्रवण ढानढनिया, मंजू ढानढनिया अखंड ज्योति प्रज्वलित कइर के बाबा श्याम के पेड़ा फल मेवा अर्पित कइर के आपन मनोकामना अर्जी लगालयं।
रिंग्स में निसान पूजन कर प्रभारी श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनौली, श्रवण अग्रवाल, बालकृष्ण अग्रवाल, राजीव केडिया, वेद भूषण जैन, पप्पू अमित झुनझुनवाला, निखिल नारनौली, अमित सरावगी पूजन कार्य आउर निसान ध्वज, भेंट बंधवायेक आदि काम में सहजोग कइर के निसान कीर्तन प्रारंभ करालयं। अध्यछ सुरेश सरावगी श्रवण ढानढनिया मंजू ढानढनिया से प्रथम ज्योत दिलवाय के निसान पूजन कार्ज के सुरु करलयं।
सदस्य दल 71 निसान के पूजन कइर रिंग्स से पदयात्रा प्रारंभ करलयं। श्याम भक्त कर टोली निसान जात्रा प्रारंभ कइर के हाथ में लहराते निसान आउर मुख से श्याम नाम गाते बाबा कर धाम कर दने बढ़लक। सांझ 4.30 बजे निसान जात्रा करणी माता मंदिर पहुंचलक। हुवां से निसान जात्रा प्रारंभ होलक, जे 7.30 बजे खाटू इस्थित तोरण द्वार पहुंचलक। सउब श्याम भक्त तोरण द्वार में पहुंइच के भाव बिभोर होवत रहयं। राइत कर करीब 9 बजे श्री श्याम मित्र मंडल कर ध्वज निसान बाबा श्याम कर आगे अर्पन करल गेलक।
निसान सोभा जात्रा में अध्यछ सुरेश सरावगी, उपाध्यछ श्रवण ढानढनिया, मंजू ढानढनिया, मंत्री श्यामसुंदर शर्मा, यात्रा उपसंयोजक राजीव रंजन मित्तल, स्नेहा पोद्दार, उपमंत्री अनिल नारनौली, बालकृष्ण अग्रवाल, राजीव केडिया, अमित झुनझुनवाला, भारती चितलांगिया, अन्नपूर्णा सरावगी, विजयश्री साबू, रमा सरावगी, वेद भूषण जैन, पप्पू, नेहा सरावगी, शोभा सिंघानिया, स्नेहा पोद्दार, सरिता अग्रवाल, सुनीता मित्तल, आयुषी कटारूका, राजकुमार सिंघानिया, जयप्रकाश मित्तल, अमन बंसल, उमेश कामदार, रतन शर्मा, उत्कर्ष लोहिया, संकेत गाड़ोदिया, राजेश सिंह, शशि सिंह, सनाया, चंदन चौधरी संगे अनेक श्याम भक्त सामिल होलयं।

कविता

सिरनामा - मनुख कर दसा

नावां पीढ़ी जाइग जाउ,
मइत करु देरी,
समय बीतल पाछे,फेइर ऊ नई घुरी।

बढ़थे मंहगाई नित,
बढ़थे बेरोजगारी,
बढ़थे दंगा फसाद,देखु चोरी-चकारी।।

अराजकता भ्रस्टाचार,
बढ़थे घुसखोरी,
बढ़थे अपराध,देखु सगरे अत्याचारी।

तेयागेक पड़ी हांड़ी दारू,
आउर नसाखोरी,
संयम सिराय गेलक,चुनउतीक पारी।।

भाषा सिक्छा संस्कृति कर ,
लेउ जानकारी,
राखु बचाय दया-धरम, बनु संस्कारी।

बिगड़ल मनुख कर दसा,
तब हें सुधरी,
नावां पीढ़ी जाइग जाउ,मइत करु देरी।।

रामदेव बड़ाईक

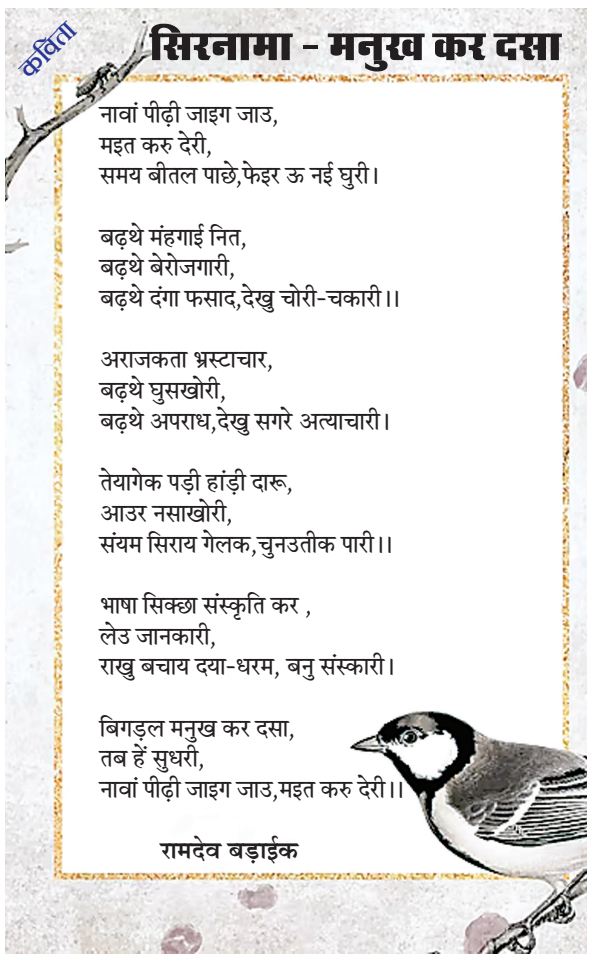

बिरसा मुंडा फन पार्क में योग धेयान सिबिर कार्जकरम कर आयोजन

रांची विश्वविद्यालय कर योग डिपार्टमेंट कर बिद्यार्थीमन देलयं अद्भुत प्रस्तुति

रांची। निर्मल महतो चौक कर बिरसा मुंडा फन पार्क में बिरसा मुंडा फन पार्क में 17 फरवरी के एकदिनक योगा धेयान सिबिर कर आयोजन करल गेलक। फन पार्क, स्कूल ऑफ योगा डिपार्टमेंट (रांची यूनिर्वसिटी) आउर रिलेशंस कर संजुक्त तत्वावधान में कार्जकरम होलक। इकर में ढेइरे बिद्यार्थीमन भाइग लेलयं।
बिद्यार्थीमन योग क्रिया कपाल भारती, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, गोमुखासन, ताड़ासन आउर ध्यान आसान करलयं आउर बुझलयं। आधुनिक समय में हमिन आपन खान पान, संतुलित राईख के आउर बेयायाम योग कइर के अनेक बेमारी से बइच सकीला। बिद्यार्थीमन योग कर माध्यम से सोवास्थ्य सरीर आउर तनाव रहित रहेक कर संकल्प भी लेलयं। योग कर नियमित अभ्यास से हमिन आपन जिनगी के सोवास्थ्य आउर रोगमुक्त राइख सकीला।
कार्जकरम कर मुध गोतिया रांची विश्वविद्यालय कर डीएसडब्यू सुदेश कुमार साहू रहयं। बिसिस्ट गोतिया रांची विवि कर स्कूल ऑफ योगा कर निदेसक डॉ मधुलिका वर्मा, स्कूल ऑफ योगा कर पूर्ब को-ऑर्डिनेटर प्रो आनंद कुमार ठाकुर, जेल पार्क कर संचालक आर्यन चोपड़ा, रिलेशंस कर निदेसक आशुतोष द्विवेदी आउर रांची नगर निगम कर धीरज कुमार पहुंचल रहयं। सउब गोतियामन संजुक्त रूप से सउब योग प्रतिभागीमन के प्रसस्ति पत्र देइ के सम्मानित करलयं।
ई अवसर में योग सिछिका संतोषी कुमारी, विकास कुमार गोप, डॉ सुभाष साहू, शिवली अख़्तर, मुर्सरत परवीन, आइसा फातिमा, आकांशा सिंह, पम्मी कुमारी, अभिषेक कुमार, रौशन कुमार, उज्ज्वल कुमार, राधे भट्ट, निरंजन राम, दीपक कुमार, सूरज कुमार, कुंदन सोनी, अभिषेक कुमार, इम्तियाज शेख आउर ढेइरेझन पहुंचल रहयं।

पेयार मोहब्ब्त

पेयार मोहब्ब्त में
काहां के आबाद होइ हे,
केउ कम तो केउ
बगरे बरबाद होइ हे।
पेयार मोहब्ब्त में....

बड़ा बेकार होवेला
इ लागल आदइत,
सुतो हो नी देवेला
चैन से का कहब ?
सावाद जिनगी कर
बेसावाद होइ हे।
पेयार मोहब्ब्त में ....

हांसते-हांसते लोराय जायला
कख नुवे आईंख,
दिल कांदे लागेला
कुंहइक -कुंहइक,
बेना बोललें काहां
मेल मिलाप होइ हे
लागल दाग केकर साफ होइ हे।
पेयार मोहब्ब्त में....

नी मानेक में इसन
हाल बेहाल होइ हे,
घरी-घरी पकड़ालैं होइ
तबे तो बऊवाल होइ हे।

पेयार मोहब्ब्त में
काहां के आबाद होइ हे,
केउ कम तो केउ
बगरे बरबाद होइ हे।

संतोष महली

ट्रेड फेयर में फैसन सो कर आयोजन, मॉडलमन बांधलयं समां

रांची। मेरी आवाज मेरी पहचान कर दन से मोरहाबादी मैदान में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में आदिवासी बेसभूसा में फैसन सो कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। इकर अलावा आउर कार्जकरम भी आयोजित करल गेलक। कार्जकरम दरसकमन कर मन मोइह लेलक। दरसकमन ताली बजाय के सउब कर उत्साह बढ़ालयं। कार्जकरम कर मुध गोतिया कृति श्रीवास्तव मांझी, गेस्ट ऑफ ऑनर ज्योति कुमारी रहयं। रश्मि बेसरा कविता होरो आउर उकर पूरा टीम सानदार मॉडलिंग कर आयोजन करलयं। मेरी आवाज मेरी पहचान कर प्रेसिडेंट आउर बॉलीवुड एक्टर देवेश खान भाइग लेवेक वाला कलाकारमन कर तारीफ करलयं। उनकर हौसला बढ़ालयं। ई मौका में झारखंड चैंबर कर अध्यछ परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति, एक्टर देवेश खान, बुलंद अख्तर, कुमार गहलोत, किशन अग्रवाल, कविता होरो, गुलजार खान, मोहम्मद परवेज, आफताब आलम, नीतू कुमारी, गिरजा शंकर, विवेक पासवान आदि मौजूद रहयं।

पीड़ित इया पीड़िता मुआवजा ले डालसा में आवेदन देवयं : प्रवीण कुमार श्रीवास्तव

रांची। झालसा कर निरदेस आउर न्यायायुक्त कर मार्गदरसन में अनगड़ा परखंड कर गुड़ीडीह पंचायत भवन में डालसा कर द्वारा जस्टिस-ऑन-व्हील मोबाईल वैन टूर कार्जकरम कर तहत जागरुकता कार्जकरम कर आयोजन करल गेलक। ई अवसर में एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, पीएलवी बेबी सिन्हा, मीना श्रीवास्तव, मालती देवी, यशोदा देवी, संगीता देवी, विधि कर छात्र-छात्रामन आउर राजा वर्मा पहुंचल पस्थित रहयं।
एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव छउवामन से संबंधित कानून जे.जे एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि कर जानकारी देलयं। नसा उन्मूलन उपरे फोकस करलयं। कहलयं कि नसा नी करु। नसा से धन आउर स्वस्थ दुईयों उपरे बुरा असर पड़ेला। ऊ बाल बिहा कर रोकथाम कर बारे में बतालयं।
बाल विवाह अधिनियम-2006 कानून कर जानकारी सउब के देलयं।
श्री श्रीवास्तव मोटर वाहन दुर्घटना में प्राप्त होवेक वाला मुआवजा कर जानकारी देलयं। ऊ कहलयं कि पीड़ित इया पीड़िता मुआवजा ले डालसा कार्यालय में आवेदन देइ सकयंना। पीड़िता अगर महिला होवे तो केस लड़ेक ले डालसा कर दन से निःसुल्क अधिवक्ता भी देल जायेला। दहेज प्रथा कानून-1961 कर बारे में बिस्तार से जानकारी देलयं। कहलयं कि दहेज लेवेक आउर देवेक कानूनन अपराध आहे। इकर में सजा भी होवेला। एमएसीटी एक्ट-1988 कर बारे में जानकारी देल गेलक। डालसा कर पीएलवी बेबी देवी 8 मार्च के आयोजित होवेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत आउर आगामी 22 फरवरी के होवेक वाला बिसेस लोक अदालत कर जानकारी देलयं। ऊ कहलयं कि वादकारी उक्त तिथि के आय के वाद कर निस्तारन कराय सकयंना।
पीएलवी मालती कुमारी वृद्धा पेंसन आउर बिधवा पेंसन कर जानकारी देलयं। पीएलवी बेबी सिन्हा प्रधानमंत्री आवास योजना आउर श्रम कार्ड कर जानकारी देलयं। पेंसन से संबंधित लाभ लेवेक कर बाते कहलयं ऊ कहलयं कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार में इकर से संबंधित आवेदन देइ सकीला।
मालूम होवी कि डालसा कर पीएलवी 22 फरवरी के आयोजित होवेकवाला बिहा आउर चेक अनादरन से संबंधित बिसेस लोक अदालत कर बारे में जानकारी देलयं। लोक अदालत कर सफलता ले आपन वाद कर निस्तारन मध्यस्थता कर माध्यम से करुवायेक ले प्रकास डाललयं। मौका में डालसा कर पीएलवी उपस्थित अदमीमन कर बीच पम्पलेट आउर लिफलेट भी बांटलयं।

8 मार्च के आयोजित होवेक वाला रास्ट्रीय लोक अदालत कर जानकारी देल गेलक

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका,
सलाहकार संपादक : रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी**ः jharkhandwanitaudyog@gmail.com